रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, शुक्रवार 26 जूलाई 2024, वर्ष 10, अंक 199 पृष्ठ 12, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

झारखंड में रेल परियोजनाओं के लिए 53 हजार करोड़ का निवेश

अमृत भारत योजना के तहत 57 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि झारखंड की रेल परियोजनाओं के लिए पैसे की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि रेलवे के विकास के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं और राज्य में 52885 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा। 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा।

रांची: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि झझरखंड में चल रही रेल परियोजनाओं के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। मोदी सरकार में रेलवे के लिए पहले से कहीं ज्यादा बजट दिया जा रहा है। रेल मंत्री बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए झारखंड के पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने रांची रेल मंडल के विकास कार्यों के लिए बजट में ख़ास प्रावधान किया गया है। साल 2024-25 के लिए झारखंड को 7302 करोड़ रुपये दिए गए हैं। यह रकम 2009-14 के मुकाबले 16 गुना ज्यादा है, जब औसतन 457 करोड़ रुपये ही मिलते थे। राज्य में रेल परियोजनाओं पर कुल 52885 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे।

यात्रियों की सुविधा के लिए दस हजार जनरल कोच भी बनाए जाएंगे झारखंड के 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। इनमें पश्चिम बंगाल के 10 रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इनमें झालिदा, सुईसा और तुलिन स्टेशन रांची रेल मंडल में ही आते हैं। रांची और हटिया रेलवे स्टेशन का भी पुनर्विकास किया जा रहा है। इस साल रेलवे के बुनियादी ढांचागत विकास पर ध्यान दिया जाएगा। लोकोमोटिव और कोच के निर्माण में तेज़ी लायी जाएगी। रेलवे के विकास के लिए नई और बेहतर तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा, नए अत्याधुनिक रोलिंग स्टॉक जैसे वंदे मेट्रो, वंदे भारत, वंदे स्लीपर और अमृत भारत ट्रेनों का उत्पादन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए 10000 जनरल कोच भी बनाए जाएंगे। **रांची-बंडामुंडा दोहरी परियोजना के लिए बजट आवंटित** रांची रेल मंडल में चल रहे विकास कार्यों जैसे बंडामुंडा - रांची दोहरीकरण, लोधमा - पिस्का लिंक लाइन, सिल्ली - इलू बाइपास लाइन और अन्य परियोजनाओं के लिए बजट आवंटित कर दिया गया है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि झारखंड की रेल परियोजनाओं के लिए फंड्स की कमी नहीं है। पीएम मोदी के कार्यकाल में रेल परियोजनाओं का सबसे ज्यादा विकास हुआ है। रांची और हटिया स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है । इस वर्ष का फोकस रेलवे के बुनियादी ढांचे का विकास, लोकोमोटिव और कोचों के निर्माण में वृद्धि नई और उन्नत तकनीक का प्रयोग शामिल है।

इन 57 स्टेशनो का अमृत भारत योजना के तहत विकास

झारखंड के जिन 57 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा, उनमें, बालसिरिंग, बानो, बड़ाजामदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदर नगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मुहम्मद गंज, मुरी जंक्शन, एन.एस.सी.बी. जंक्शन गोमो, नगर उंटारी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिल्वे, विद्यासागर शामिल हैं।

नीट पेपर लीक मामले की जांच करने फिर हजारीबाग पहुंची सीबीआइ टीम

हजारीबाग। नीट पेपर लीक मामले की जांच को लेकर सीबीआइ की टीम एक बार फिर से गुरुवार को झारखंड के जिला हजारीबाग पहुंची। तीन वाहनों से पहुंची सीबीआइ की टीम ने ओएसिस स्कूल और स्टेट गेस्ट हाउस को खंगाला। टीम सबसे पहले दो संदिग्धों को लेकर गेस्ट हाउस से निकली। कुछ देर के बाद तीसरे संदिग्ध को भी यहां से ले जाया गया। इस दौरान सीबीआइ को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। सीबीआइ टीम कुछ दिन पहले भी जांच के लिए स्टेट गेस्ट हाउस पहुंची थी और जांच के बाद उसे सील कर दिया था। गुरुवार को सील खोलकर सीबीआइ टीम गेस्ट हाउस में दाखिल हुई। जांच के दौरान टीम के करीब 12 सदस्य मौजूद थे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पटना से भी टीम के साथ पुलिस आयी थी। इस दौरान सीबीआइ अपने साथ तीन संदिग्धों को लेकर आयी थी। सूत्रों ने बताया कि इसमें एक मुख्य आरोपित पंकज है, दूसरा गेस्ट हाउस का मालिक राजू है। तीसरा व्यक्ति प्रश्न पत्र का सॉल्वर है। करीब तीन घंटे तक सीबीआइ गेस्टहाउस को खंगालती रही। इस दौरान फॉरेंसिक टीम भी उनके साथ थी। जांच के बाद गेस्ट हाउस फिर सील जांच के बाद सीबीआइ ने गेस्ट हाउस को फिर से सील कर दिया है। सील किये गये दस्तावेजों पर बीपी राजू, अपर अधीक्षक साइबर अपराध जांच प्रभाग सीबीआइ नई दिल्ली लिखा हुआ है। बुधवार को भी सीबीआइ टीम जांच के लिए हजारीबाग के मंडी रोड स्थित ओवैसी स्कूल पहुंची थी। उस दौरान भी वही दो संदिग्ध टीम के साथ थे।

ब्रिटेन के विदेशमंत्री लैमी ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेशमंत्री डेविड लैमी ने अपने दो दिवसीय भारत दौरे के प्रथम दिन नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से ब्रिटेन-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। मुलाकात पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "ब्रिटेन के विदेशमंत्री डेविड लैमी से मिलकर खुशी हुई। व्यापक रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की प्राथमिकता की सराहना करता हूं।"

उन्होंने कहा, "हम संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। द्विपक्षीय प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए समझौता करने की इच्छा का स्वागत करते हैं।" लैमी ने कहा, "भारत 21वीं सदी की उभरती हुई महाशक्ति है। 1.4 अरब लोगों के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा देश है और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।"

लैमी ने अपने भारतीय समकक्ष विदेशमंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में लैमी के साथ अपनी बातचीत को सार्थक और आकर्षक बताया है। लैमी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं । इस दौरान दोनों देशों ने ब्रिटेन-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) का शुभारंभ किया। इस बारे में विस्तृत विवरण नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने कल रात जारी विज्ञप्ति दिया। इसमें कहा गया है कि विदेशमंत्री ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और ऐतिहासिक प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल की शुरुआत की।

उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन ने महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, सेमीकंडक्टर और नवीन प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के लिए नया दृष्टिकोण निर्धारित करते हुए कल व्यापक प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल को अंतिम रूप दिया। इसका व्यापक उद्देश्य दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नए मुकाम तक ले जाना है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को महत्व देते हुए भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने लिए प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) शुरू कर रहे हैं।

अमित शाह से मुलाकात के दौरान ढुल्लू महतो ने बोकारो पुलिस के कार्यशैली से कराया अवगत

नई दिल्ली। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने भारत सरकार के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात किया। मुलाकात के दौरान उन्होंने बोकारो,धनबाद एवं झारखंड राज्य में बढ़ते अपराध से अवगत कराया । ज्ञात हो की बोकारो में पिछले दिनों हुए शंकर रवानी की बहुचर्चित हत्या से सांसद ढुल्लू महतो बोकारो के एसपी पूज्य प्रकाश के कार्य शैली से बेहद नाराज होते हुए अपने संसदीय क्षेत्र में लॉ एंड ऑर्डर को चुस्त दुरुस्त करने का निर्देश दिया। श्री शाह से बातचीत के दौरान ढुल्लू महतो ने अपने लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रशासनिक अफसरों की लापरवाही और उनके क्रियाकलापो से भी अवगत कराया । सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि अपराध के विरुध देश में जीरो टॉलरेंस निति के साथ भाजपा की सरकार अग्रसर है, परंतु झारखंड खास कर बोकारो,धनबाद में प्रशासन ही अपराधियों को संरक्षण प्रदान कर रही है। बोकारो के अफसरों द्वारा किए जा रहे कर्तव्यहीनता के विरुद्ध केंद्रीय स्तर से करवाई की जाए जिससे धनबाद,बोकारो के साथ साथ झारखंड राज्य को अपराध मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने हमारे संवादाता से कहा बोकारो पुलिस निराधार तरीके से कार्रवाई कर रही है उन्होंने कहा एसपी पूज्य प्रकाश के आने के बाद बोकारो जिला में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश अपराधियों पर कानूनी कार्रवाई करने के बजाय कई मामलों में निर्दोष लोगों पर फर्जी मुकदमा कर अपराधियों को संरक्षित कर रहे है। हत्याकांड के बाद रवानी के पिछले अपराधिक पृष्ठ के सवाल पर सांसद ने कहा शंकर रवानी अपराधी था तो समय रहते उसे पर कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं किए शंकर रवानी की हत्या के बाद उसके आपराधिक पृष्ठभूमि पर चर्चा कर बोकारो पुलिस अपने गैर जिम्मेदाराना कार्य शैली को प्रदर्शित करते दिखरही है क्षेत्र में आए दिन हत्या लूट एवं रंगदारी का मामला सामने आ रहा है । धनबाद सांसद ने कहा प्रशासन अपने दायित्व को समझें और निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई करें जिससे अपराधियों में कानून का डर पैदा हो। बोकारो में कई ऐसे मुकदमे हुए हैं जो निराधार है जिसमे बोकारो पुलिस सवाल के घेरे में है। उन्होंने बताया अमित शाह ने प्रशासनिक पदाधिकारियों की वस्तुस्थित से अवगत होने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए इस पर उचित कार्रवाई करने की पहल करने का भरोसा दिए हैं ।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रिम्स में इलाजरत झामुमो गिरिडीह जिला सचिव महालाल सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

***रांची** :मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर वहां उपचार के लिए भर्ती झामुमो गिरिडीह जिला सचिव श्री महालाल सोरेन से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने महालाल सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने महालाल सोरेन को चिकित्सा सेवा दे रहे डॉक्टर्स से उनके बेहतर इलाज से संबंधित बातचीत की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड में इलाजरत अन्य मरीजों से भी मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा तथा इलाजरत सभी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराए जाने का निर्देश चिकित्सकों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिम्स प्रबंधन प्रतिबद्धता के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करे।ज्ञातव्य है कि झामुमो गिरिडीह जिला सचिव श्री महालाल सोरेन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं तथा बेहतर इलाज हेतु रिम्स के ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देख-रेख में इलाजरत हैं।*

हाइकोर्ट के नये भवन की पार्किंग में जलजमाव, कोर्ट नाराज

रांची। हाइकोर्ट ने पार्किंग और अन्य जगहों पर जलजमाव पर नाराजगी जतायी है। नये हाइकोर्ट बिल्डिंग से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया कि झारखंड हाइकोर्ट परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम इंस्टॉल किया जाये। इसको लेकर अदालत ने राज्य सरकार को भी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि लंबे अरसे से हाइकोर्ट के नये परिसर के निर्माण की मांग हो रही थी। इतनी बड़ी रकम से बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण पूरे होने के बावजूद अगर इस तरह जलजमाव का सामना करना पड़ रहा है, तो यह निराशा जनक है। मामले की अगली सुनवाई अगस्त माह में होगी। तेज बारिश के बाद हाइकोर्ट की पार्किंग में जलजमाव होने के कारण कई गाड़ियां डूब गयी थीं। बता दें कि पार्किंग में पानी इतना ज्यादा था कि नगर निगम की कई गाड़ियां बुलाकर पानी सुखवाया गया, तब जाकर वकीलों की गाड़ियां निकलीं।

झारखंड राज्य की स्वास्थ्य सेवा की दुर्दशा, एमजेएम अस्पताल के उद्घाटन में स्वास्थ्य मंत्री के साथ उपस्थित हुए असैनिक शल्य चिकित्सा पदाधिकारी

बोकारो। *झारखंड हाईकोर्ट द्वारा आए दिन झारखंड के सरकारी अस्पतालों में लापरवाही से संबंधित मामले में सरकार को फटकार लगाई जा रही है। 22 जुलाई 2024 को बोकारो चास के उसरडीह स्थित एमजेएम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पहुंचे जिसके बाद से बोकारो में चर्चा गर्म हो गई है। बोकारो के सैकड़ो लोगों से हमारे संवाददाता ने सरकारी स्वास्थ सेवा और एक नए निजी अस्पताल के स्वास्थ मंत्री के द्वारा उद्घाटन किए जाने से संबंधित बात की तो लोगों में आक्रोश देखने को मिला। बोकारो के लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इलाज का स्तर बहुत लचर है जिसकी शिकायत सिविल सर्जन से लेकर स्वास्थ्य मंत्री तक को होती रही है मगर सरकारी अस्पताल की हालत बद से बदतर बनी हुई हैं। झारखंड के बोकारो जिला का सदर अस्पताल बीमार है। झारखंड सरकार के संबंधित विभाग अपने राज्य और जिलों के सरकारी अस्पताल को व्यवस्थित करने में पूर्ण रूप से विफल है। वहीं झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता , बोकारो जिले के असैनिक शल्य चिकित्सा पदाधिकारी (सिविल सर्जन) दिनेश कुमार, बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता अपने पूरे सरकारी ताम झाम के साथ एमजीएम अस्पताल के प्रबंधक और अन्य अतिथियों के साथ एक निजी अस्पताल का*

विधिवत उद्घाटन किए। निजी अस्पतालों द्वारा गरीब मरीजों से लूट की जाती है, फिर भी निजी अस्पतालों पर कार्रवाई से क्यों हिचकते हैं स्वास्थ्य अफसर ? के सवाल पर आइएसएफ की सदस्य दीपा मुर्मू ने दिनांक 24जुलाई2024 को कहा की राज्य का स्वास्थ्य मंत्री और असैनिक शल्य चिकित्सा पदाधिकारी (सिविल सर्जन) को शिकायत करने के बाद भी सरकारी अस्पताल के मामले में संज्ञान नहीं लिया जाता है,वहीं दूसरी ओर निजी अस्पताल का उद्घाटन सरकारी स्तर पर स्वास्थ मंत्री द्वारा किया जाता ह जो अत्यंत हास्यप्रद है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तिथियां घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव के बाद बदले हुए तेवर में नजर आ रहे है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नौकरियों के लिए बैठकें की है। इसके परिणाम स्वरूप ही यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तिथियां घोषित हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षाएं 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को होंगी। यूपी पुलिस में कांस्टेबल पद पर 60 हजार 244 अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। इस सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए उप्र पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड अपनी तैयारियों में जुट गया है।

अभी तक की तैयारियों के अनुसार कांस्टेबल भर्ती परीक्षा दो सत्र में होगी। 23 अगस्त से 25 अगस्त तक लगातार परीक्षाओं के बाद चार दिनों तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के कारण समय अंतराल दिया जा रहा है। इसके बाद पुनः 30 और 31 अगस्त को परीक्षा होगी।

एजेंसी :नई दिल्ली । क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। अमित शाह से मिलने के बाद उनकी राजनीति में एंट्री को लेकर अटकलें तेज हो गयी हैं। दरअसल, गुरुवार को इस पूर्व क्रिकेटर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की और एक पुस्तक भेंट की। इसके बाद से चर्चा है कि सौरव तिवारी जल्दी ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि इसी साल झारखंड में विधानसभा का चुनाव होना है। इससे पहले उनकी अमित शाह से मुलाकात को उनकी राजनीति में आने का संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

एशिया का पहला लो कार्बन 'ग्रीन' जिंक इकोजेन लॉन्च

रांचीः जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लो कार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लॉन्च किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त यह कंपनी एशिया की पहली जिंक उत्पादक है जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लो कार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैश्विक स्थिरता परामर्श फर्म द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लो-कार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन फुटप्रिंट प्रति टन उत्पादित जिंक पर एक टन से भी कम कार्बन समतुल्य है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है। जिंक का प्राथमिक अनुप्रयोग स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन के लिए है स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और सनराइज सेक्टर जैसे अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इकोजेन हिंदुस्तान जिंक की अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने के साथ-साथ अपने ग्राहकों को एक बेजोड़ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि बदले में अपने ग्राहकों को अधिक सस्टेनेबल विकल्प प्रदान किए जा सकें। इस नवीनतम पेशकश से हिंदुस्तान जिंक के इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में उनकी मूल्य श्रृंखला में लगभग 400 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन से बचाव होगा। हिंदुस्तान जिंक की नवीनतम पेशकश, कम कार्बन ग्रीन जिंक को इकोजेन ब्रांड किया गया है। शुरुआत के लिए इकोजेन एक स्पेशल हाई ग्रेड (एसएचजी) जिंक उत्पाद संस्करण के रूप में उपलब्ध है इस कम कार्बन वाले पर्यावरण अनुकूल जिंक का निर्माण अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके किया जा रहा है और इसका वैश्विक तापमान वृद्धि क्षमता मूल्य बाजार में सबसे कम है, जो वैश्विक औसत से लगभग 75 प्रतिशत कम है। उत्पाद की प्रमाणन प्रक्रिया एक मास-बैलेंस दृष्टिकोण पर आधारित है और इसे क्रैडल टू गेट पद्धति का उपयोग कर किया गया है।

रांची, धनबाद और जमशेदपुर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए मिले 150 करोड़

रांचीः राज्य के तीन शहरों मे पर्यावरण सुरक्षा और वायु गुणवत्ता मे सुधार के लिए केंद्र सरकार 150 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराने पर सहमत हो गया है। झारखंड के नगर विकास और आवास सचिव अरवा राजकमल ने केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की सातवीं संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। राज्य में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए रांची, धनबाद और जमशेदपुर का चयन केंद्र सरकार ने किया है। सचिव नगर विकास राजकमल ने इस मुद्दे को उठाया कि झारखंड के लिए 2023-24 में कोई फंड जारी नहीं किया गया है उन्होने वर्ष 2024-25 में फंड के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया । संचालन समिति ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए वायु गुणवत्ता मानकों के आंकड़ों के अनुसार ही 2025-25 में राशि आवंटित करने का निर्णय लिया। सीपीसीबी के अनुसार, धनबाद शहर को 100/100 अंक मिले, रांची और जमशेदपुर को 75/100 अंक मिले और उन्हें 2024-25 में फंडिंग के लिए योग्य पाया गया। शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए इन तीन शहरों को 2024-25 में लगभग 150 करोड़ रुपये की निधि दी जाएगी.इन निधियों का उपयोग करके, तीन शहर मशीन और अन्य उपस्कर खरीद सकते हैं। जल निकाय पुनर्जीवन, वृक्षारोपण भी कर सकते हैं। धूल भरी सड़कों पर यातायात को कम करने के लिए पेवर-ब्लॉक सड़कें भी बना सकते हैं। झारखंड सरकार की नागरिक सुविधा और परिवहन निधि का उपयोग करते हुये रांची, धनबाद और जमशेदपुर के वायु गुणवत्ता मानकों में 2024-25 में और सुधार किया जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता सचिव केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन ने की। साथ सभी राज्य सरकारों के शहरी विकास सचिव इस बैठक मे शामिल हुये । झारखंड के नगर विकास एवं आवास सचिव अरावा राजकमल, जमशेदपुर जेएनएसी के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण कुमार के साथ बैठक में शामिल हुए।

मंत्री हफीजुल हसन ने शहर काजी और मैरिज ब्यूरो कार्यालय का किया उद्घाटन

रांचीः रांची जिला के प्रिय और प्रसिद्ध शहर काजी मुफ्ती मुहम्मद कमर आलम कासमी जो मदरसा हुसैनिया कडरू रांची के शिक्षक और हवारी मस्जिद कर्बला चौक रांची के खतीब उपदेशक हैं। आज उन्होंने जामा मस्जिद कडरू हज हाउस के सामने अपने नये कार्यालय से शहर काजी का काम शुरू किया। इस कार्यालय का उद्घाटन झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने किया। मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि शहर काजी, मैरिज ब्यूरो और इंटीरियर डिजाइन का काम एक ही ऑफिस में आसानी से होंगे। उन्होंने कहा कि किसी का रिश्ता लगाना भी इबादत का काम है। वहीं शाह रेसीडेंसी के निदेशक शाह उमैर ने कहा कि चूंकि शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी का घर सरना टोली कडरू में है। लोगों को पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त करने और शहर काजी से मिलने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। दोस्तों और मिलने जुलने वाले लोगों के आग्रह पर शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी ने अपना ऑफिस घर से बाहर लाने का फैसला किया। जिसका लोगो ने स्वागत किया। और उन्हें बधाई दी। मुफ्ती मुहम्मद कमर आलम कासमी ने कहा कि एक ऑफिस से कई तरह के काम होंगे। मेरा बेटा हस्सान इसी ऑफिस में इंटीरियर डिजाइन और घर निर्माण से संबंधित सभी कार्य करेगा। साथ ही मैरेज ब्यूरो का काम भी देखेंगे। आप घर के डिजाइन, घर की मैपिंग, योजना और घर से संबंधित कार्य के लिए भी हमसे संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर हजरत मौलाना कारी एहसान, मौलाना अंसारुल्लाह कासमी, शाह उमैर, पत्रकार आदिल रशीद, हाफ़िज़ अफ़रूज़, हाफ़िज़ फ़िरोज़ नूरी, हाफ़िज़ मुनीर आलम, हाफ़िज़ सईद, कारी अख़लद, कारी असद हुसैन, कारी रिज़वान, कारी इलियास, कारी इसराइल, कारी अब्दुल माजिद, काज़ी मुश्ताक, मास्टर अतहर, मुफ़्ती अज़हरुद्दीन, कारी शकील, मौलाना अनस, मौलाना फारूक कासमी, मौलाना साजिद, मौलाना इरफानुल्लाह, मौलाना फारूक, हाफिज जुबैर, हाफिज हुजैफा, मौलाना शोएब अख्तर, हाजी मुकीद, हाजी अब्दुल रहीम, शुज्जाउद्दीन, अलीमुद्दीन, सुल्तान, हाजी हनीफ, हफीजुल हसन, लतीफ अहमद, इंजीनियर अब्दुल हलीम, इकराम उल हसन, आदि शामिल हुए और नए ऑफिस के लिए बधाई दी।

सीएम हेमन्त सोरेन ने रिम्स में इलाजरत झामुमो गिरिडीह जिला सचिव महालाल सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरूवार को राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर वहां उपचार के लिए भर्ती झामुमो गिरिडीह जिला सचिव महालाल सोरेन से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने महालाल सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने महालाल सोरेन को चिकित्सा सेवा दे रहे डॉक्टर्स से उनके बेहतर इलाज से संबंधित बातचीत की।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड में इलाजरत अन्य मरीजों से भी मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा तथा इलाजरत सभी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराए जाने का निर्देश चिकित्सकों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिम्स प्रबंधन प्रतिबद्धता के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करे। ज्ञातव्य है कि झामुमो गिरिडीह जिला सचिव श्री महालाल सोरेन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं तथा बेहतर इलाज हेतु रिम्स के ट्रामा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी वार्ड में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देख-रेख में इलाजरत हैं।

गलतफहमी पालकर कितने दिन मुख्यमंत्री बंद रखेंगे आंखेंः बाबूलाल

रांची। झारखण्ड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गलतफहमी पालकर कितने दिन आंखें बंद रखेंगे। उठिये, जागिये महाराज, देखिये आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है। थोड़ी सी भी मर्यादा और इंसानियत बची हो, तो नामजद सहायक पुलिसकर्मियों का नाम एफआइआर से वापस लें। चाहे आप अपनी हड्डियों का बचा पूरा दम भी क्यों न लगा लें। अधिकारों के मिलने तक, मांगों के पूरा होने तक यह संघर्ष अनवरत चलता रहेगा, यह बिगुल हरदम बजता रहेगा।

बाबूलाल मरांडी गुरुवार को एक्स पर लिखा कि हेमंत सोरेनजी, आपने तो जमानत पर जेल से छूटने के बाद चंपाई सोरेन की घोषित 40 हजार नौकरियों में 25 प्रतिशत कटौती कर के 30 हजार नौकरियां देने की बात कही, लेकिन अब तो प्रतिदिन दनादन परीक्षाएं स्थगित की जा रही हैं। इस आपाधापी की वजह क्या है। क्या आयोग ने सरकार के दबाव में अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा की तिथि घोषित कर दी थी। क्या आपको नौकरी बेचने का मनचाहा रेट नहीं मिल रहा।

उन्होंने कहा कि वजह चाहे जो भी हो, एक बात तो स्पष्ट है कि आपमें झारखंड के युवाओं को नौकरी देने की नीयत नहीं है। आपकी मंशा सरकारी नौकरियों के पदों को बाहरी हाथों में बेचकर अवैध रूप से उगाही करने की है। झारखंड के युवाओं को आप जैसा घोषणावीर मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। कुछ महीने और प्रतीक्षा करिये, युवा आपकी इस धूर्तबाजी को हमेशा के लिए बंद कर राजनीतिक रूप से बेरोजगार कर देंगे। सत्ता में बैठ गये, लेकिन स्वार्थपट्टी बंधी है बाबूलाल मरांडी ने लिखा कि जहां पहले अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अंत में मुख्यमंत्री के आदेश पर झूठी एफआइआर भी लिखी जाती है। वैसे तो मुख्यमंत्री के लिए उनकी आलोचना करना पूरे आदिवासी समाज की आलोचना करने के बराबर है, परंतु जब बात खुद सत्ता में बैठकर आदेश देने की आती है। लोगों पर एफआइआर कराने की आती है, तो महोदय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है। उन्होंने लिखा कि नामित नामों को देखें, तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई-बहनों के हैं और अभी 1500 अज्ञात लोगों में से न जाने और कितने आदिवासी भाई-बहनों के नाम सामने आने बाकी हैं। आदिवासी समाज का आवरण ओढ़कर झूठ फरेब की राजनीति करके मुख्यमंत्री सत्ता पर तो बैठ गये हैं, लेकिन आज भी उनकी आंखों में स्वार्थरूपी पट्टी बंधी है, वो आज भी आदिवासी समाज के लोगों को सिर्फ अपना वोटबैंक समझते हैं। उन्हें यह भ्रम है कि आदिवासी समाज पर वह चाहे कितने भी जुल्म करें, कितना भी अत्याचार करें, आदिवासी समाज उनके साथ खड़ा है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी अपना एवं अपने परिजनों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में जांचा

रांची। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर मध्य विद्यालय डोरंडा, रांची स्थित अपने मतदान केंद्र जाकर अपना एवं अपने परिवार के लोगों का नाम जांचा। उनके अलावा राज्य भर के जिला निर्वाचन पदाधिकारीयों, पुलिस अधीक्षकों सहित सभी खास और आम लोगों ने मतदाता सूची में अपना नाम जांचा। दरअसल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की तरफ से पूर्व से ही व्यापक रूप से प्रचारित प्रसारित किया गया था कि गुरुवार को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाना है। प्रकाशन के बाद दोपहर 12.00 से 1:00 बजे के बीच सोशल मीडिया अभियान 'नाम जांचों' में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नाम जांचते हुये संबंधित पोस्ट अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किये। फलस्वरुप उक्त "नाम जांचो" हैशटैग अभियान पूरे दिन सोशल मीडिया में छाया रहा।

राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के प्रारूप को दिखाया गया। मतदाताओं ने सूची में अपना नाम मतदान केंद्र पर जाकर मिलान किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मतदाताओं से अपील की कि जो लोग गुरुवार को सूची में अपना नाम जांचने के लिए मतदान केंद्र तक नहीं आ सके हैं वे ऑनलाइन तरीके से भी अपना नाम जांच सकते हैं, यदि किसी प्रकार के सुधार की आवश्यकता है तो समय रहते सूचित करें क्योंकि प्रारूप को सुधारने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदान के समय किसी मतदाता को अपने मताधिकार से वंचित न रहना पड़े इसके लिए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच कर लें। मतदाता सूची में अपने नाम को जांचने के उपरांत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अपने मतदान केंद्र बीएमपी मध्य विद्यालय डोरंडा परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

प्रकाशन के दिन यानि गुरुवार को ही #NaamJancho सोशल मीडिया हैशटैग अभियान चलाया जाना पूर्व निर्धारित था। फलस्वरूप इस अभियान में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। उन्होंने अपना नाम जांचा, साथ ही साथ अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अन्य मतदाताओं को जागरूक करने का भी कार्य किया।

भाजपा छोड़ कांग्रेस के टिकट पर हजारीबाग से चुनाव लड़े विधायक जेपी पटेल के साथ पार्टी लाइन के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले विधायक लोबिन हेंब्रम की सदस्यता रद्द कर दी गयी है। स्पीकर कोर्ट ने आज गुरुवार को यह फैसला सुनाया। दोनों विधायकों की सदस्यता रद्द 26 जुलाई से मानी जायेगी।

निगम के नये निर्देश से शहर में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन बाधित होगीः चैंबर

रांचीः नगर निगम के हालिया निर्देश से शहर में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कार्य में संलग्न लघु मालवाहक वाहनों के परिचालन पर लगी रोक से होनेवाली कठिनाई को देखते हुए आज जेसीपीडीए, आरजीटीए, कैटल फीड एसोसियेशन, झारखण्ड मिनी ट्रक एसोसिएशन, ऑटो संघ, पंदरा और अपर बाजार के सैकडों व्यापारियों ने चैंबर पदाधिकारियों के साथ बैठक कर, निगम के इस निर्णय पर रोष जताते हुए इस निर्णय को तत्काल रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की। कहा गया कि निगम के निर्णयानुसार रात्रि 8.30 बजे के बाद लघु मालवाहक वाहनों को परिचालन की अनुमति दी गई है जबकि वास्तविकता है कि शहर की प्रायः दुकानें उस अवधि में बंद होने लगती हैं। जब दुकान ही नहीं खुली रहेंगी, तब माल की डिलीवरी कहां होगी ? शहर की दुकानों में जब माल की आपूर्ति नहीं होगी, तब आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन पूर्णरूपेण बाधित होगी, जिससे पूरा शहर प्रभावित हो जायेगा।

जेसीपीडीए के अध्यक्ष और चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि पूर्व की व्यवस्था सुबह 9 से 11 और शाम में 5 से 7 बजे तक में ही डिलीवरी वैन को माल की आपूर्ति करने में परेशानी हो रही थी, किंतु निगम ने इस अवधि को और बढाने का तुगलकी फरमान जारी किया है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। मात्र 4 घंटे में कैसे पूरे शहर में माल की आपूर्ति हो सकती है? यदि जल्द ही इस फैसले को स्थगित नहीं किया गया तब शहर में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन की व्यवस्था चरमरा जायेगी जिसकी पूरी जिम्मेवारी नगर आयुक्त और जिला प्रशासन की होगी। हाल ही में डोरंडा थाना क्षेत्र में डिलीवरी वैन के साथ हुई छिनतई की घटना का स्मरण कराते हुए व्यापारियों ने इस बात पर भी चिंता जताई कि रात्रि में 8.30 बजे के बाद माल की डिलीवरी करनेवाले मालवाहक वाहन, ड्राइवर और दुकान खुली रखने पर व्यापारियों के सुरक्षा की जिम्मेवारी क्या नगर निगम या जिला प्रशासन लेगा?

व्यापारियों की कठिनाइयों को देखते हुए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में आरजीटीए, जेसीपीडीए, कैटल फीड एसोसियेशन, ऑटो संघ, झारखण्ड मिनी ट्रक एसोसिएशन के अधिकारियों ने शाम में नगर आयुक्त और ट्रॉफिक एसपी से मिलकर, इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग की। चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर नगर आयुक्त ने आगामी एक सप्ताह तक निगम के इस निर्णय को स्थगित करने की सहमति दी। तब तक पुरानी व्यवस्था लागू रहेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि एक सप्ताह के अंदर चैंबर द्वारा दिये जानेवाले सुझाव के आधार पर लघु मालवाहक वाहनों के परिचालन से जुडे निर्णय पर अंतिम सहमति बनाई जायेगी।

चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने व्यापारियों मांग को व्यवहारिक बताते हुए इस बात पर भी नाराजगी जताई कि क्यों नहीं निगम द्वारा इस आदेश को प्रभावी करने से पूर्व संबंधित पक्षों से समन्वय बनाकर, उनकी राय जानी गई ?

ऑपरेशन "उपलब्ध" के तहत रेलवे ई टिकट के अवैध कारोबार के लिप्त एक व्यक्ति को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया

रांची। रांची रेल मण्डल मे रेल टिकट के अवैध कारोबारियों के खिलाफ आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लगातार अभियान जारी है उसी क्रम मे दिनांक 24.07.2024 को गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ राँची कि अपराध शाखा द्वारा आरपीएफ पोस्ट राँची के निरीक्षक डी शर्मा की देखरेख में लोकल पुलिस रातु के सहयोग से संयुक्त रूप से रेडियो स्टेशन रोड, काठी टांड़ चौक स्थित "अभिनव प्रज्ञा केंद्र" की दुकान में हेल्थ केयर के सामने, थाना-रातु जिला-रांची मे छापेमारी और तलाशी ली गई। उक्त दुकान का मालिक अभिनव नाथ मिश्रा, उम्र लगभग 26 वर्ष, पुत्र-राम लखन नाथ मिश्रा, निवासी- मकान नं. 75, बिजुलिया, थाना-रातु जिला-रांची पाया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 05 रेलवे ई-टिकट, मूल्य करीब रु. 5500/- पाया गया। पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि वह अपने निजी आईडी से उक्त टिकटों को अन्य व्यक्तियों के लिए निकाला था। बाद मे टिकटों कि जब्ती करके उक्त अभिनव नाथ मिश्रा को रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत गिरफ्तार किया गया तथा उसे माननीय न्यायालय राँची को दिनांक 25.07.2024 को पेश किया गया।

बुढ़मू : थाना अंतर्गत एक महिला एवं ढ़ाई साल की बच्ची की हत्या कर शव को तालाब में फेंक देने के कांड का राँची पुलिस द्वारा त्वरित उद्भेदन करते हुए घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त मृतिका के पति को गिरफ्तार किया गया।अभियुक्त के अपराध स्वीकारोक्ति एवं निशानदेही पर हत्या के बाद शव को तलाब तक लाने में प्रयुक्त साइकिल बरामद किया गया।

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा ने विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण मतदाता सूची का किया अवलोकन, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर से प्री-रिवीजन के दौरान हाउस टू हाउस सर्वे की ली जानकारी

ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ें- राहुल कुमार सिन्हा रांची।मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया गया। रांची जिला के विभिन्न बूथों पर बीएलओ मतदाता सूची के प्रारुप के साथ उपस्थित थे, जहां मतदाताओं ने वोटर लिस्ट में अपना नाम जांचा। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा ने रातू रोड स्थित श्रद्धानंद सेवाश्रम मध्य विद्यालय अवस्थित बूथ नंबर 31-39 एवं 43-45 का निरीक्षण किया।

बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर से ली जानकारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी, रांची श्री राहुल कुमार सिन्हा ने निरीक्षण के दौरान बारी-बारी से सभी 12 बूथों के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर से प्री-रिवीजन के दौरान हाउस टू हाउस सर्वे की जानकारी ली। उन्होंने मतदाता सूची का अवलोकन करते हुए सभी बीएलओ से उनके संबंधित क्षेत्र में नये मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी के बारे में पूछा।

ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ें- राहुल कुमार सिन्हा मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी, रांची राहुल कुमार सिन्हा ने सभी बीएलओ को कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करायें। श्री राहुल सिन्हा ने कहा कि किसी का नाम मतदाता सूची से हटाने के दौरान पूरी सावधानी बरतें, पूरी तरह सुनिश्चित होने पर ही किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची से डिलीट करें। बूथों पर एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी का भी निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान 63-रांची विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ उत्कर्ष कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी बिवेक कुमार सुमन एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

गोस्सनर महाविद्यालय की कार्यशाली को लेकर युवा आजसू ने की रांची विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात

रांची। आज दिन बृहस्पतिवार को युवा उत्सव का एक प्रतिनिधिमंडल युवा आजसू के राशन नायक के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर उन्हें घोषणा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की परेशानियों से अवगत कराते हुए मांग पत्र सोपा। मांग पत्र के माध्यम से युवा आजसू के रोशन नायक ने कहा के विगत कुछ दिनों पहले जॉनसन महाविद्यालय रांची में वाराणसी विभाग में पेरेंट्स टीचर मीटिंग बुलाई गई थी जिसमें लगभग 70 से 80% छात्र छात्राओं के गार्जियन नहीं आए महाविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें मिड सेम एग्जाम नहीं देने दिया जा रहा है। रोशन नायक में कुलपति महोदय से कहा की महाविद्यालय के वाणिज्य में बहुत सारे छात्र छात्राएं हैं इस राज्य के बाहर से हैं एवं वह अपने गार्जियन को बुलाने में असमर्थ हैं। वहीं दूसरी ओर घोषणा महाविद्यालय में ज्योग्राफी विभाग के छात्र-छात्राओं के पास पैसे की कमी के कारण वह टूर पर नहीं जा पाए टूर पर नहीं जाने के कारण मैं परीक्षा में अब्सेंट दिखाकर फेल कर दिया गया जबकि टूर के समय ही रांची विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं के आवेदन पर लिखित तौर पर उन छात्र-छात्राओं के लिए अलग से टूर कर की व्यवस्था करने को कहा गया था उसके बाद छात्र-छात्राएं उसे अलग व्यवस्था के तहत टूर पर गए भी लेकिन फिर भी उन्हें एब्सेंट दिखा कर फेल कर दिया गया जो उन गरीब छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने के बराबर है। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अजीत कुमार सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष को कहां के गोस्सनर महाविद्यालय के प्राचार्य को यह आदेश दे दिया जाए के पेरेंट्स टीचर मीटिंग मैंडेटरी नहीं है इसके चलते छात्र छात्राओं को परीक्षा से वंचित नहीं रखा जा सकता। वही छात्र-छात्राओं को अब्सेंट दिखाकर फेल करने के मामले पर उन्होंने कहा कि गोस्सनर महाविद्यालय इन सभी छात्र छात्राओं प्रैक्टिकल का परीक्षा करवाए। अन्यथा रांची विश्वविद्यालय प्रशासन गोस्सनर महाविद्यालय पर कारी कार्रवाई करेगा।

नये विधानसभा भवन में पंचम झारखण्ड विधान सभा का सप्तदश (मानसून) सत्र सभा 26.07 से 02.08.2024 तक आहूत है

रांची : नये विधानसभा भवन में पंचम झारखण्ड विधान सभा का सप्तदश (मानसून) सत्र सभा-वेश्म्, राँची में दिनांक 26.07.2024 से 02.08.2024 तक आहूत है। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के संयुक्तादेश में निहित निर्देश के आलोक में विधान सभा परिसर के 100 मीटर के दायरे में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन, घेराव आदि आयोजित नहीं किये जा सकेंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा के दृष्टिकोण से विधान सभा सत्रावधि के लिए अनुमंडल दण्डाधिकारी, सदर, राँची द्वारा बी०एन०एस०एस० की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड विधान सभा (नया विधान सभा) परिसर के 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा जारी की गई है, जो निम्न प्रकार है :-

1- उक्त क्षेत्र में पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों एवं न्यायालय कार्य एवं धार्मिक तथा अंत्येष्टि कार्यक्रम को छोड़कर)।

2- किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे-बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर निकलना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों को छोड़कर)।

3- किसी प्रकार का हरवे हथियार जैसे लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला आदि लेकर निकलना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों को छोड़कर)।

4- किसी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करना।

प्रतिभागी राज्य के खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार राशि प्रदान किया जाएगा

पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता/ प्रतिभागी राज्य के खिलाड़ियों/ प्रशिक्षकों को उनकी उपलब्धि के आधार पर नगद पुरस्कार राशि प्रदान किया जाएगा ।

झारखंड राज्य के वैसे खिलाड़ी जिन्होंने दिनांक 01.04.2023 के बाद अंतर्राष्ट्रीय /भारतीय ओलंपिक संघ में मान्यता प्राप्त खेलों की विभिन्न अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं आदि में पदक प्राप्त किए हो अथवा भागीदारी की हो तथा विभागीय संकल्प में उल्लेखित प्रावधानों के तहत नगद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि) प्राप्त करने की अर्हता आधारित करते हो उनसे नगद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि) हेतु विहित प्रपत्र में जिला खेल पदाधिकारी के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किया गया है।

उक्त विभागीय संकल्प के आधार पर राज्य के अहर्ताधारी खिलाड़ी प्रशिक्षक विहित प्रपत्र में नगद पुरस्कार राशि हेतु दिनांक 6 अगस्त 2024 तक जिला खेल कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि है। इससे संबंधित अधिक जानकारी खेल निदेशालय के पोर्टल https://sports.jharkhand.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हज़ारीबाग, रामगढ़ एवं कोडरमा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में संपन्न

रांचीः पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हज़ारीबाग, रामगढ़ एवं कोडरमा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में संपन्न हुई ।

उक्त बैठक में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार तथा सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया ।

बैठक में आए सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित किया तथा कार्यकर्ताओं में उत्साह तथा ऊर्जा भरने का कार्य किया । पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आए कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोककल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में उठ रहे जिज्ञासाओं को शांत किया तथा संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही । उक्त बैठक में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हज़ारीबाग, रामगढ़ एवं कोडरमा जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव, नगर/महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष तथा सचिव शामिल हुए ।

जागरूकता अभियान चलाया

धनबाद । जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी के निर्देशानुसार गुरुवार की संध्या सिटी सेंटर के पास सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान लोगों को हेलमेट तथा सीट बेल्ट लगाने, रॉन्ग साइड पर वाहन नहीं चलाने, ओवरस्पीडिंग नहीं करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने की जानकारी दी गई।

साथ ही गुड सेमेरिटन (नेक नागरिक) की जानकारी दी गई। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, परिवहन कार्यालय के कर्मी तथा ट्रैफिक पुलिस मौजूद रहे।

पत्रकार दीपक दुबे को ट्रेड यूनियन के लोग सहायता राशि देकर मदद की

दैनिक अलग पहचान ,धनबाद ब्यूरो धनबाद (झारखंड) 25 जुलाई, 2020:– तिसरा। लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर बीमारी से जूझ रहे तीसरा क्षेत्र के पत्रकार दीपक कुमार दुबे के आवास पर जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकृष्ण पाठक ,सचिव अक्षय कुमार यादव एवं बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के क्षेत्रीय सचिव तुलसी रवानी, छेदी लाल यादव अपने समर्थक के साथ पहुंचे। जनता मजदूर संघ की ओर से उनके इलाज के लिए 40 हजार रुपया आर्थिक सहायता की गई जबकि बिहार कोलियरी कामगार यूनियन गोलकडीह की ओर से 21 हजार रुपया सहायता की गई। बताते हैं कि दीपक कुमार दुबे को डॉक्टर ने लिवर बदली करने की बात कही है हैदराबाद से उनका इलाज चल रहा है जिसमें लगभग 40 लाख रुपए का खर्च है। मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है लेकिन धनबाद जिला के सिविल सर्जन ने दीपक दुबे के फाइल को रिजेक्ट कर दिया उनका कहना है कि एस्टीमेट सी जी एच एस के तहत देना होगा है जबकि हैदराबाद अस्पताल की ओर से यह नहीं दिया जा रहा है ऐसे में दीपक दुबे का मुख्यमंत्री के तहत इलाज होगा कि नहीं यह समझ से परे है दिन प्रतिदिन उनका स्थिति खराब होते जा रहा है यदि जल्द से जल्द उनका लिवर ट्रांसप्लांट नहीं हुआ तो कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। इधर रामकृष्ण पाठक ने कहा कि इस मामले में विधायक पूर्णिमा सिंह को सारी स्थिति से अवगत कराऊंगा और सरकार से बात करने का अनुरोध करूंगा ताकि उनका मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत इलाज हो सके। मिलने वालों में जनता मजदूर संघ के शिव शंकर महतो, बबलू सिंह, रमेश राम, सुजीत सिंह राजू राय, राकेश सिन्हा, केसर सिंह यादव, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के लुकू हेंब्रम, अभिजीत हलघर,रोहन भुइयां, प्रदीप रवानी, बाबूलाल विश्वकर्मा, बलराम यादव, दिलीप नाग, मनोज कुमार सिंह, दीनानाथ बेलदार, चंदा देवी आदि मौजूद थे। दोनों संगठन के लोगों ने समाज के अन्य लोग एवं यूनियन प्रतिनिधि से सहायता करने की अपील की है।

दिवंगत विज्ञान शिक्षिका सुजाता की तृतीय स्मृति दिवस पर भारत ज्ञान विज्ञान समिति की जिला इकाई धनबाद की ओर से कई कार्यक्रम रखे गए

सिंदरी, 25 जुलाई दिवंगत विज्ञान शिक्षिका सुजाता की तृतीय स्मृति दिवस पर भारत ज्ञान विज्ञान समिति की जिला इकाई धनबाद की ओर से कई कार्यक्रम रखे गए हैं। आज आयोजन समिति की ओर से प्रेस वार्ता रखी गई थी। जिसमें आयोजन समिति के संयोजक विकास कुमार ठाकुर ने बताया कि केडी क्लोनी सिंदरी में स्मृति दिवस पर 10 बजे श्रद्धांजलि सभा, स्वास्थ्य पर परिचर्चा, 11 बजे वृक्षारोपण, नेत्रदान शिविर व 12 बजे से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा काशीनाथ चटर्जी, वैज्ञानिक जागरूकता उपसमिति के अध्यक्ष प्रो डी के सेन, केंद्रीय चिकित्सालय धनबाद के पूर्व उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी व प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डा. सुनील कुमार सिन्हा, सिंदरी एसडीपीओ श्री भूपेंद्र प्रसाद राउत मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में सभी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं को भी आमंत्रित किया गया है। हेमंत कुमार जायसवाल ने बतलाया कि सुजाता विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई सामाजिक कार्यकर्ता भी थी। सुनामी और बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आम लोगों के बीच डब्बा संग्रह अभियान के माध्यम से कोष संग्रह कर पीड़ितों के पास भेजने में अहम भूमिका अदा की थी। प्रेस वार्ता में जनवादी महिला समिति की सिंदरी अध्यक्ष रानी मिश्रा ने बतलाया कि सड़क दुर्घटना में सुजाता जी की मरणोपरांत उनके दो नेत्रों को दान कर दिया गया था जिससे दो व्यक्तियों, रांची की मंजू देवी एवं भोजपुर के अमित कुमार की जीवन रौशन हो सकी। लेकिन दुखद बात है कि सिंदरी की जिस जर्जर सड़क के कारण दुर्घटना और मौत हुई उसके बाद भी सड़क की दुर्दशा ज्यों की त्यों है। प्रेस वार्ता में राज नारायण तिवारी, प्रफुल्ल कुमार स्वैन, विकास गुप्ता, मुकेश कुमार, सुबल चंद्र दास, गौतम प्रसाद आदि मौजूद थे।

दूसरे दिन बी.टेक पाठ्यक्रम में बीआईटी सिंदरी में नामांकन

सिंदरीः बीआईटी सिंदरी में बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए 25 जुलाई को दूसरे दिन नामांकन हुआ। आज कुल 111 छात्रों ने प्रवेश लिया। इस प्रक्रिया का संचालन निदेशक डॉ. पंकज राय और निम्नलिखित संकाय सदस्यों की देखरेख में किया गयाः संकायाध्यक्ष डॉ. डी. के. तांती, प्रभारी पदाधिकारी डॉ. डी. महतो, डॉ. जे. एन. महतो, डॉ. आर. के. वर्मा, डॉ. प्रशांत कुमार सिंह और प्रो. प्रवीण कुमार।

अन्य पदाधिकारीः डॉ. मनोज मिश्रा, डॉ. राजेंद्र मुर्मू, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. राजेश नारायण देव, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. अभिषेक आनंद हेम्ब्रम और प्रो. मनीष कुमार।

कर्मचारीः श्री अभिषेक कुमार, श्री सन्नी भूषण, श्री सन्नी कुमार, श्री मुकेश कुमार सिंह, श्री सुमित सौरभ, श्री पी. के. मिश्रा, और श्री बिनेश्वर प्रसाद की देखरेख में किया गया।

कोलया मंत्री जी किशन रेड्डी को बैलगाडिया के विभिन्न समस्याओंसे आगवत करवाया

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुधांशु प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा कोलया मंत्री जी किशन रेड्डी को बैलगाडिया के विभिन्न समस्याओंसे आगवत करवाया और वही कॉलेज अध्यक्ष रोहित बनर्जी ने कॉलेज के जर्जर स्थिति के बारे मे उन्हें आगवत करवाया और सौंपा ज्ञापन उन्होंने यह आश्वासन दिया की जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान किया जाएगा मौके पर मौजूद रोहित बनर्जी,रोहित साव, गोलू कुमार, सीखा कुमारी, प्रियंका कुमारी और दर्जनों कार्यकर्त्ता मौजूद थे

हिम्मत है, तो बन्ना निरीक्षण प्रतिवेदन करें सार्वजनिकः सरयू राय

रांची। निर्दलीय विधायक सरयू राय ने स्वास्थ्य और खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता को चुनौती देते हुए कहा है कि हिम्मत है, तो अब तक किये गये गोदामों का निरीक्षण प्रतिवेदन और उस पर विभागीय सचिव की टिप्पणी को सार्वजनिक करें। सरयू राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बन्ना गुप्ता के बारे में कहा है कि उनके सामने तथ्य की बात रखना भैंस के आगे बीन बजाने जैसा है। राय ने कहा कि गुरुवार को खाद्यान्न को जमीन में गाड़ने के संबंध में मंत्री ने जो बयान जारी किया है और उसके साथ मेरा नाम जोड़ा है, वह उनकी तिकड़मबाजीयुक्त बदमाशी का द्योतक है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ही इसका इलाज कर सकते हैं, क्योंकि इससे उनकी सरकार के चेहरे पर कालिख पुत रही है। यदि उनकी सरकार का एक मंत्री बेसिर-पैर की बात करता है, बयान जारी करने में अपनी अज्ञानता प्रदर्शित करता है, तो कैबिनेट की सामूहिक जिम्मेदारी के नाते इसमें उनका भी उत्तरदायित्व बनता है। वैसे तो मंत्री के रूप में शपथ लेते हुए बन्ना गुप्ता ने उल्टा शपथ पढ़ा था। पहला पन्ना बाद में और बाद का पन्ना पहले पढ़ा था। शपथ ग्रहण के समय का वीडियो इसका प्रमाण है, पर इसका मतलब यह नहीं कि वह काम भी उटपटांग करेंगे, जो कि वह कर रहे हैं। सरयू राय, जो खाद्य आपूर्ति मंत्री रह चुके हैं, ने कहा कि कोई मंत्री जब निरीक्षण करता है, तो एक निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर संचिका में रखता है। संचिका विभागीय सचिव के पास टिप्पणी के लिए जाती है। विभागीय सचिव संचिका में रक्षित प्रतिवेदन पर विचारोपरांत नियम का हवाला देते हुए विधिसम्मत टिप्पणी के साथ संचिका आदेश के लिए मंत्री के पास भेजता है। मंत्री इस पर विचार कर सचिव की टिप्पणी से अंशतः या पूर्णतः सहमत या असहमत होते हुए आवश्यक आदेश जारी करता है। मंत्री बन्ना गुप्ता ने कडरू गोदाम का निरीक्षण करते समय जो पाया, उसका क्या लिखित प्रतिवेदन संचिका में दिया है और विभागीय सचिव ने इसकी मीमांसा करते हुए जो टिप्पणी नियमानुसार आदेश के लिए मंत्री के रूप मे उनके पास भेजी है, उस पर उन्होंने क्या किया है, यह बन्ना गुप्ता को सार्वजनिक करना चाहिए। न कि अपने मन की भड़ास निकालने वाला बदमाशीपूर्ण वक्तव्य मीडिया के सामने परोस कर अपने अज्ञान और तिकड़म का प्रदर्शन करना चाहिए।

गायत्री क्लिनिक आमटाल में निःशुलक ब्लड प्रेशर कैंप का हुआ आयोजन

बलियापुर। दिनांक - 25 जुलाई गायत्री क्लिनिक आमटाल में हृदय पंचायत के तहत आमटल पंचायत में मैनकाइंड फार्मा कंपनी के माध्यम से निःशुलक ब्लड प्रेशर कैंप का आयोजन किया गया। इस सिविर में डॉ. राजेश कु सिंह ने 50 मारिजों का इलाज और मुफ्त दवाओं का वितरण किया है। साथ ही उन्होंने सिविर में ब्लड प्रेशर के उपचार के बारे में लोगों को जागरूक किया। आए हुए सभी लोगों से डॉक्टर ने कहा कि पहले की तुलना में आज कम उम्र के नवजवान भी ब्लड प्रेशर के शिकार हो रहे हैं। जैसे अगर सही समय पर इलाज नहीं करवाया गया तो आगे काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जैसे की शुगर, दिल का दौरा या स्ट्रोक। मौके पर डॉ. राजेश कुमार सिंह और मैनकाइंड फार्मा कंपनी के तरफ से राजीव रंजन, सौरव पाठक उपस्थित थे।

झारखंड निषाद विकास संघ की ओर से वीरांगना फूलन देवी का 23 वी पुण्यतिथि मनाई गई

तिसरा। झारखंड निषाद विकास संघ की ओर से गुरुवार को एम ओ सी पी कार्यालय में वीरांगना फूलन देवी का 23 वी पुण्यतिथि मनाई गई। संघ के केंद्रीय प्रधान महासचिव रितेश निषाद एवं कमलदेव राम ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। रितेश निषाद ने बताया कि 10 अगस्त 1963 को उनका जन्म हुआ था और 25 जुलाई 2001 में उनकी हत्या कर दी गई। फूलन देवी समाज के दबे कुचले की आवाज थी हमेशा संघर्ष करती रही।वीहड् से लेकर मिर्जापुर की सांसद बनकर संसद भवन तक आवाज पहुंचती रही। आज हम लोगों को उनसे प्रेरणा लेकर उनके बताए हुए रास्ते पर चलते हुए आगे बढ़ाना है समाज के सभी लोग एकजुट होकर काम करें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर शंकर केवट सुनील निषाद आशीष निषाद गणेश रवानी मानिक महतो रूपेश चौहान महेश राम अशोक यादव भारत यादव आदि लोग थे। ो

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल–कूद जीवन में बहुत जरूरी है

टुंडी (धनबाद) :–श्री राम कृष्ण विवेकानंद विद्या मंदिर टुंडी में आज शिक्षकों के द्वारा सभी बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए विभिन्न तरह का खेल खुद का आयोजन करवाया l जिसमें सभी बच्चों ने उमंग और जोश के साथ इस आयोजन में अपना भागीदारी सुनिश्चित की मौके पर रतीलाल सर ,अमरनाथ दास ,निक्की कुमारी ,अस्मिता देवी,अनिल कुंभकार, अन्नु कुमारी,संगीता कुमारी ,राजेश चौधरी, विद्यालय प्रबंधन शीतल दत्ता आदि मौजूद रहे l

झारखंड आन्दोलन कारी साथियों के प्रमुख रुप से एक मांग पत्र सौंपा

झामुमो के वरीय नेता सह झारखंड आन्दोलन कारी मोर्चा के प्रदेश प्रमुख संयोजक देबू महतो के नेतृत्व मे माननीय मुख्यमंत्री एंव विधान सभा अध्यक्ष से मिलकर झारखंड आन्दोलन कारी साथियों के प्रमुख रुप से एक मांग पत्र सौपा जिसमे चिन्हित झारखंड आन्दोलन कारी साथियों के कडिका बिलुप्त करते हुए सभी को सामान सुविधा मुहैया कराने की बाते कही गई है सम्मान पेंशन को बढ़ोतरी करते हुए बारह हजार प्रतिमाह करने तथा सम्मान पेंशन योजना को गैर योजना मद से हटा करा राज्य सरकार की कर्मीयो के भांति योजना मद में समाहित करने के साथ प्रत्येक जिला में शहीद भवन स्थापित करने की मांग की गई विधान सभा अध्यक्ष रबिन्द्र नाथ महतो ने अश्वशत करते हुए कहा कि आन्दोलन कारी साथियों को सम्मान पेंशन को बढना चाहिए उन्होने मोर्चा के सभी मांगो पर उचित फैसला का भरोसा दिए हैं प्रतिनिधि मंडल मुख्य रुप से नारायण महतो उमा यादव बंसीधर महतो किशोर महतो अशोक कुमार महतो मुकेश कुमार सिंह करुणा देबी कलावती देबी दुलाल महतो आदि।

धनबाद पहुंचे कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी

धनबाद (झारखंड)। बलियापुरः आज 25 जुलाई को देश के कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी का दौरा धनबाद के विभिन्न क्षेत्र में थे से जिसमे कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी गुरुवार को बेलगड़िया टाउनशिप में स्थित मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट में पहुंचे। प्रशिक्षण आर्थियों को संबोधित करते हुए जैसे ही वह बाहर निकले तो टाउनशिप के लोगों ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप में लोगों को 15 वर्ष पूर्व बसा दिया गया है। यहां किसी प्रकार के सुविधा उपलब्ध नहीं है। बिजली, पानी, नाली, समेत अन्य समस्याएं हैं। बीसीसीएल व जरेडा के अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन देने के बाद भी इस दिशा पर सकारात्मक पहल नहीं की गई। यहां के विस्थापितो का प्रमुख समस्या रोजगार है। रोजगार नहीं रहने से विस्थापित पलायन कर रहे हैं। बने भवन जर्जर हो गए हैं। हादसा होने की संभावना है। इस दौरान सीमा देवी, बबलू बावरी अनिता देवी, सत्येन्द्र गुप्ता, उपेन्द्र सिंह, सुधांशु प्रसाद, कविता देवी आदि ने समस्याएं रखीं। आवेदन देकर समस्या के समाधान करने की मांग की। मंत्री ने समस्याओं के समाधान करने का भरोसा लोगों को दिया।

निवर्तमान वार्ड पार्षद की अगुवाई में प्रारंभ हुई नाली का निर्माण

धनबाद नगर निगम वार्ड संख्या 11 में स्थित गन्साडीह 4नं मुहल्ले में हुए एक घटना ने लोगों में नई उम्मीद की किरण जगाई है। यहाँ पर सालों बाद एक नाली का निर्माण किया जा रहा है , जो पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। पहले यहां नाली की स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन ग्रामीणों ने इसे सुधारने के लिए साथ मिलकर प्रयास किया हैं।

वार्ड संख्या 11 के निवर्तमान पार्षद बद्री रविदास ने उच्च अधिकारियों से बात की और यहां पर एक नाली का टिक पास करवाया तथा उन्होंने नारीयल फोड़कर सुचारू रूप से कार्य प्रारम्भ करायी , जिससे स्थानीय लोगों को स्वच्छता और नलस्वरूप नए संयम देखने को मिला।

संवेदकों और स्थानीय ग्रामीणों के

अनुसार, इस समय लगभग सभी गाँववाले उपस्थित थे। उन्होंने इस उपलब्धि को एक महत्वपूर्ण कदम माना और आगे अन्य आधारभूत सुविधाएँ मांगीं।

पुलिस ने दबोचा 7 अपराधी मोबाइल के साथ कई वस्तुएं हुए बरामद

श्रावणी मेला के दौरान धनबाद स्टेशन में बढा चोरों का आतंक, धनबाद राजकीय रेल थाना अंतर्गत धनबाद रेलवे स्टेशन से सात मोबाइल चोर को चोरी करते पुलिस ने पकड़ा आज प्रेस वार्ता कर रेल डीएसपी धीरेंद्र नारायण बंका एवं राजकीय रेल थाना प्रभारी धनबाद रंजीत कुमार ने जानकारी दी रेल डीएसपी धीरेंद्र नारायण बांका ने मीडिया को बताया कि धनबाद रेलवे स्टेशन परिसर में श्रावणी मेला को लेकर आने-जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेल पुलिस अधीक्षक ने विशेष निगरानी रखने के लिए दिशा निर्देश जारी किया था। जिसको लेकर धनबाद स्टेशन के निर्देशन में स्टेशन पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी बीच बुधवार को प्लेटफार्म पर ड्यूटी करने वाले पुलिस पदाधिकारी को देखकर अज्ञात लोग भागने लगे। जिसमें पुलिस अधिकारियों ने कुल 7 लोगों को पकड़ा है। जिसकी तलाशी लेने पर लैपटॉप ,आईफोन मोबाइल, समेत कई अन्य सामान की बरामदगी हुई है।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

जिला समन्वय समिति की मैराथन बैठक में विकास योजनाओं को गति देने व ससमय पूर्ण करने पर बल

***मनरेगा में लक्ष्य के शत प्रतिशत मानव दिवस सृजन करने, लंबित आवासों को पूर्ण करने एवं अपूर्ण योजनाओं में गति लाने को कह**
पंचायत सचिवालयों को नियमित खुलना सुनिश्चित करना, पंचायत सचिव को बायोमैट्रिक उपस्थिति सचिवालय में ही सुनिश्चित करने का दिया निर्देश
***प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को पंचायत के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हो, पंचायत सचिवालयों में लगेंगे सोलर पैनल**
जिले के 21 से 50 वर्ष की 05 लाख 52 हजार 235 लाभुकों को मिलेगी मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के तहत पेंशन, प्रक्रिया से कराया। ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा, अबुआ आवास, पीएम आवास, जेएसएलपीएस के अलावा जिला योजना शाखा, पंचायती राज विभाग, कृषि-पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, 15वाँ वित्त आयोग, महिला - बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, अनु० जनजाति, अनु० जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, परिवहन विभाग, चास नगर निगम एवं नगर परिषद फुसरो, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, श्रम नियोजन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता आदि विभागों के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, जरूरी दिशा - निर्देश दिया

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में गुरूवार को जिला समन्वय समिति की मैराथन बैठक हुई। लगभग सात घंटे से भी अधिक चली बैठक में विभागवार समीक्षा की गई और विकास योजनाओं में गति लाने एवं उससे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने बैठक की अध्यक्षता की। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त श्री अनंत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता समेत सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ)/अंचलाधिकारी (सीओ) आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गरांटी योजना (मनरेगा) की समीक्षा क्रम में डीसी ने क्रमवार सभी प्रखंडों में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस क्रम में लक्ष्य अनुरूप मानव दिवस सृजन करने को कहा। रणनीति बनाकर योजनाबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत मानव दिवस सृजन करने, योजना में महिला कर्मियों की भागीदारी बढ़ाने का निर्देश दिया। विशेष कर जरीडीह,कसमार, चास एवं पेटरवार प्रखंड को इस दिशा में कार्य करने को कहा। वहीं, बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत सभी प्रखंडों के लक्ष्य अनुरूप अभियान चलाकर गड्ढा खोदने (डिगिंग) का निर्देश दिया। कहा कि टाइमलाइन में योजनाएं पूर्ण हों, इसका सभी विशेष ध्यान रखें। वीर शहीद पोटो हो योजना में बेहतर प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे आगे भी जारी रखने को कहा। वहीं, प्रधानमंत्री आवासा योजना ग्रामीण (पीएमएवाई-आर) के समीक्षा क्रम में लक्ष्य के अनुरूप लाभुकों को योजना स्वीकृत, स्वीकृति के अनुरूप लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान, द्वितीय एवं तृतीय किस्त का भुगतान को लेकर क्रमवार समीक्षा की। लक्ष्य अनुरूप सभी को बेहतर प्रदर्शन करने को कहा। उपायुक्त ने लंबित आवासों को पूर्ण करने के लिए सभी प्रखंडों को अलग - अलग लक्ष्य दिया। अबुआ आवास योजना के प्रगति की भी समीक्षा किया। जीओ टैगिंग के कार्य को सभी पीएमएवाई समन्वयकों को अविलंब पूरा करने को कहा। साथ ही,बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

जिला पंचायती राज विभाग की समीक्षा क्रम में सभी पंचायत सचिवालयों को नियमित खोलना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पंचायत सचिवालय में ही बायोमैट्रिक मशीन का अधिष्ठापन कर पंचायत सचिवों को उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, अपूर्ण 24 पंचायत भवनों के निर्माण कार्य को पूरा करने में गति लाने, प्रगति की निगरानी उप विकास आयुक्त को नियमित करने का निर्देश दिया।

गिरिडीह के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय पचंबा में विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को खुशियों भरा दिन रहा

गिरिडीह । गिरिडीह के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय पचंबा में विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को खुशियों भरा दिन रहा। जहां सरकारी योजना उन्नति का पहिया के तहत बतौर मुख्य अतिथि विधायक कल्पना सोरेन ने निःशुल्क साइकिल का वितरण किया। वहीं दूसरी ओर साइकिल मिलने की खुशी सामूहिक रूप से साइकिल की घंटी बजाकर जाहिर की और विधायक कल्पना सोरेन का आभार जताया। छात्रा-छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें, साइकिल से स्कूल आने-जाने में सहूलियत हो, इसे लेकर ही झारखंड सरकार ने उन्नति का पहिया कार्यक्रम की शुरूआत की है।

उन्नति के पहिया योजना के तहत निःशुल्क साइकिल प्रदान की जा रही है, ताकि संसाधनों के अभाव में और दूरी के कारण पढ़ाई बीच में नहीं छोड़े। साइकिल मिलने पर छात्राओं के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इस मौके का गवाह गिरिडीह के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू भी बने। इस मौके पर छात्राओं ने कहा कि खुशियों का दिन आया है, जो चाहा सो पाया है। साइकिल मिल जाने से अब समय की बचत होगी और हर दिन

12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन लिया गया

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने जिले क़े बियाडा क्षेत्र में, बालीडीह टॉल प्लाजा एवं बेरमो फुसरो रोड में बड़ी वाहनो का जाँच अभियान चलाया। जांच के क्रम में पाया कि अधिकतर वाहनो में बिना वैधमार्ग परमिट (सयमावली सहित), ओवरलोड, ओवरसाइज, पॉल्युशन, फ़िटनेस एवं इंश्योरेंस पेपर फेल पाया गया, जिसके कारण उक्त वाहनों से जुल्माना लिया गया।

12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन लिया गया-जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने बताया कि जिले क़े बियाडा क्षेत्र में, बालीडीह टॉल प्लाजा एवं बेरमो फुसरो रोड में बड़ी वाहनो की जांच के क्रम में लगभग 60 से 70 वाहनों की जांच किया, जिसमें 12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन लिया गया तथा उक्त सभी वाहनों को अंतिम वार्निंग दिया गया कि इसे जल्द से जल्द सुधार कर ले अन्यथा संबंधित वाहन स्वामियों के विरुध आर्थिक एवं दंडात्मक नियमानुसार कार्यवाई की जाएगी।

वाहनो का जाँच अभियान चलाया

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने जिले क़े बियाडा क्षेत्र में, बालीडीह टॉल प्लाजा एवं बेरमो फुसरो रोड में बड़ी वाहनो का जाँच अभियान चलाया। जांच के क्रम में पाया कि अधिकतर वाहनो में बिना वैधमार्ग परमिट (सयमावली सहित), ओवरलोड, ओवरसाइज, पॉल्युशन, फ़िटनेस एवं इंश्योरेंस पेपर फेल पाया गया, जिसके कारण उक्त वाहनों से जुल्माना लिया गया।

12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन लिया गया-जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने बताया कि जिले क़े बियाडा क्षेत्र में, बालीडीह टॉल प्लाजा एवं बेरमो फुसरो रोड में बड़ी वाहनो की जांच के क्रम में लगभग 60 से 70 वाहनों की जांच किया, जिसमें 12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन लिया गया तथा उक्त सभी वाहनों को अंतिम वार्निंग दिया गया कि इसे जल्द से जल्द सुधार कर ले अन्यथा संबंधित वाहन स्वामियों के विरुध आर्थिक एवं दंडात्मक नियमानुसार कार्यवाई की जाएगी।

हैसटैग नाम जांचों (# NaamJancho) अभियान में शामिल हुई डीईओ सह डीसी

मतदाताओं ने मतदान केंद्र पर जाकर मतदाता सूची में नाम का किया जांच, फोटो/सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर किया अपलोड

बोकारो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के निर्देशानुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित होने की तिथि दिनांक 25.07.2024 पर गुरुवार को जन जागरूकता के लिए आहूत #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। यह अभियान एक घंटे तक दोपहर 12 बजे से लेकर अपराह्न 01 बजे तक चला।

समाहरणालय स्थित सभागार में डीईओ सह डीसी के नेतृत्व में सभी वरीय पदाधिकारियों, सभी बीडीओ – सीओ व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों/कर्मियों ने #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान में हिस्सा लिया। सभी ने बीएलओ एप पर जाकर मतदाता सूची में अपने नाम की जांच किया और फोटो लेकर अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड किया।

उधर, बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) जिले के सभी मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहें। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन के साथ मतदाताओं को नाम जांच करने में उनके द्वारा सहयोग किया गया। वहीं, जिनका नाम छूटा है या त्रुटि हैं, उनसे फार्म छह व आठ संग्रह किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार जेएसएलपीएस की दीदीओं ने भी क्षेत्र में जन जागरूकता फैलाकर मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जांचने एवं उन्हें #NaamJancho सोशल मीडिया अभियान के संबंध में अवगत कराया। स्वयं सहायता समूह की दीदीओं ने भी अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल साहिबगंज का औचक निरीक्षण

साहेबगंज। उपायुक्त-सह-दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा लगातार स्वास्थ्य विभाग के साथ बैठक कर जिला के अस्पतालों को बेहतर बनाने को लेकर दिए जा रहे निर्देश के अनुपालन को लेकर आज सदर अस्पताल , साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में सर्व प्रथम उन्होंने अस्पताल परिसर में खाली पड़े भवन का जायजा लिया । उन्होंने गैर संचारी वार्ड, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के कार्यों का जायजा लिया एवं निर्देशित करते हुए चिकित्सा पदाधिकारी को कहा की दवाइयां की सूची डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से प्रत्येक दिन प्रकाशित करे।

उन्होंने डायलिसिस कक्ष में डायलिसिस मशीन की जानकारी ली। वहां उपस्थित कर्मियों को कहा कि डायलिसिस कक्षा को नियंतर बेहतर साफ सफाई बनाएं रखेंगे।

उन्होने सदर अस्पताल परिसर में बने प्राइवेट डॉ लाल पैथोलैब को तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया साथ ही परिसर में बने मेडिकल दुकानों को मुख्य द्वार से दूसरी और करने को नगर परिषद साहेबगंज को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होनें दवाइयां की सूची डिजिटल डिस्पले इंस्टॉल जल्द करने को कहा गया। इस दौरान उपायुक्त ने ओटी, आईसीयू, सिटी स्कैन, पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, एसएनसीयू, आईसीटी प्रयोगशाला, ड्रग स्टोर, पैथोलॉजी लैब अल्ट्रासाउंड, बाल चिकित्सा वार्ड, सामान्य ओपीडी, दंत वाह्य विभाग, नई कक्ष में शिफ्ट किए जा रहे टीवी वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, सेंट्रल लैब के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया एवं सभी वार्ड को सुचारू रूप से चलाने बेहतर रूप में विकसित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिला में बेहतर स्वास्थ स्विधा उपलब्ध कराना मेरी पहली प्राथमिकता में शामिल है।

सदर अस्पताल में निरीक्षण के क्रम में पाया की जगह-जगह पर यत्र-तत्र एवं नालियों में गंदगी का अंबार पड़ा हुआ है ,जिसे देख उपयुक्त ने आउटसोर्सिंग एजेंसी पर नाराजगी जाहिर की एवं निर्देशित करते हुए मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को आउटसोर्सिंग एजेंसी पर विशेष ध्यान देने को कहा एवं यत्र-तत्र थूकें जा रहे व्यक्तियो पर दंड के रूप में निश्चित राशि वसुल करने को कहा गया।

12 वाहनों से लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये फाइन

रांची । द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण - कार्यक्रम 2024 के तहत 63- राँची, विधान सभा क्षेत्र के सभी बूथों में बीएलओ के माध्यम से समेकित प्रारूप निर्वाचन नियमावली का प्रकाशन किया गया। इसके साथ ही #Naam Jancho अभियान के तहत दोपहर 12:00 बजे से लेकर 01:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं द्वारा अपना नाम मतदाता सूची में जांचा गया।

निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी श्री उत्कर्ष कुमार द्वारा क्षेत्र भ्रमण करते हुए बूथों का निरीक्षण किया गया। साथ ही सभी सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी द्वारा भी अपने क्षेत्र के बूथों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सभी बूथों में बीएलओ के माध्यम से प्रारूप प्रकाशन कर दिया जाए | निरीक्षण के क्रम में सभी बीएलओ को निर्देश दिया गया कि दावा और आपत्तियों के लिए फॉर्म 6,7 एवं 8 भरें। साथ ही मतदाता सूची में पाए गए त्रुटियों का निराकरण ससमय करें एवं छूटे हुए मतदाताओं का नाम निश्चित तौर पर मतदाता सूची में जोड़ें।

माही विज बर्थडेः 'नकुशा' बन खूब मिला प्यार, पर रास्ता नहीं था आसान, 17 की उम्र में घर छोड़ बदली हाथों की लकीर

माही विज ने टीवी की दुनिया में खूब नाम कमाया। उन्हें 'लागी तुझसे लगन' सीरियल से घर-घर में पहचान मिली। वो नकुशा बनकर सबके दिलों में छा गईं। माही विज ने पापा की मर्जी के खिलाफ जाकर 17 साल की उम्र में छोड़ा था घर माही विज ने पापा की मर्जी के खिलाफ जाकर 17 साल की उम्र में छोड़ा था घर काली-कलूटी और भोली-भाली सी एक लड़की नकुशा। ये लड़की रियल लाइफ में नहीं, बल्कि स्क्रीन पर दिखी थी, लेकिन अपने दमदार अभिनय से सबके दिलों में बस गई। इस लड़की का किरदार निभाया था टीवी एक्ट्रेस माही विज ने। असल जिंदगी में बेहद खूबसूरत माही दिल्ली में पली-बढ़ीं, लेकिन अपने अरमानों को पूरा करने के लिए मुंबई चली गईं। पापा की मर्जी के खिलाफ। वहां जाना तो आसान था, लेकिन रहना नहीं। एक वक्त तो ऐसा आया, जब माही के पास किराया चुकाने तक के पैसे नहीं थे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। मेहनत और लगन के दम पर आखिरकार कामयाबी के शिखर तक पहुंच गई। वैसे तो उन्होंने साउथ से लेकर छोटे पर्दे तक काफी काम किया, लेकिन 'लागी तुझसे लगन' सीरियल में नकुशा बनकर उन्होंने हाथों की लकीरें बदल डालीं। आइये आज उनके बर्थडे पर उनसे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें जानते हैं।

दिल्ली में पली-बढ़ी हैं माही Mahhi Vij का जन्म 1 अप्रैल 1982 को दिल्ली में हुआ। महज 17 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई आकर मॉडलिंग में अपना करियर शुरू किया। आपको वो गाना याद है, 'तू, तू है वही...।' इस रीमिक्स गाने में पिंक कलर की ड्रेस पहने एक लड़की थी, जो माही ही थीं। उस जमाने में ये सॉन्ग बहुत पॉप्युलर हुआ था।

माही विज का पहला टीवी सीरियल माही ने साल 2006 में टीवी सीरियल 'अकेला' में काम किया। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया। उन्होंने ममूटी के साथ मलयालम मूवी की, जिसका नाम Aparichithan है।

इन टीवी शोज में किया काम माही को 'बैरी पिया', 'ना आना इस देस लाडो', 'ससुराल सिमर का' और 'लाल इश्क' जैसे शोज में देखा गया।

रिएलिटी शोज में किया पार्टिसिपेट माही ने डांस शो 'झलक दिखला जा सीजन 4' में भी पार्टिसिपेट किया। इसके अलावा वो 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिए', 'बिग बॉस' का भी हिस्सा रही हैं।

जय भानुशाली से की शादी उस वक्त के हैंडसम एक्टर और टीवी होस्ट जय भानुशाली और माही का एक-दूसरे पर दिल आ गया और साल 2011 में दोनों ने शादी कर ली। 2017 में दो बच्चों को गोद लिया। दोनों का पहला बच्चा साल 2019 में हुआ। उनकी बेटी का नाम तारा है।

रिश्ते में आई दरार! मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो माही और जय के रिश्ते में तब दरार आ गई थी, जब साल 2014 में 'हेट स्टोरी 2' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जय ने सुरवीन चावला संग इंटिमेट सीन्स किए थे, जिससे माही नाखुश थी। हालांकि, बाद में दोनों ने इन खबरों का खंडन किया था।

माही के कुछ अनसुने किस्से शायद ही आप जानते होंगे कि माही का घर का नाम कोशू है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है। वो पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन किसी भी धर्म को फॉलो नहीं करती हैं। उनके पिता का नाम विनोद, मां का नाम सुषमा और बहन का नाम शिल्पी है।

नतीजा आपको 10 गुना चौंका देगा 69 साल की उम्र में भी एक आसान नियम आपकी मदद करेगा। 15 कैंसर करने वाली खाने की चीजें

जिन्हें शायद आप रोज कहा रहे हैं। रिश्ते में रवीना टंडन के भाई हैं ये रिश्ता क्या कहलाता है के नैतिक, हिना खान संग दिया था रोमांटिक सीन!

रिश्ते में रवीना टंडन के भाई हैं 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के 'नैतिक', हिना खान संग दिया था रोमांटिक सीन! 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में करण मेहरा के एक्जिट के बाद एक्टर विशाल सिंह ने नैतिक का रोल प्ले किया था। नैतिक के रोल में विशाल अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे थे। विशाल सिंह, रिश्ते में रवीना टंडन के भाई हैं। उनकी एक बहन तो रामानंद सागर के सीरियल 'श्रीकृष्णा' में राधा बनी थी। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' भारतीय टीवी के सबसे लंबे समय तक चलने वाला सीरियल रहा है। साल 2009 में शुरू हुए इस टीवी सीरियल को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। नैतिक और अक्षरा की जोड़ी को घर-घर खूब प्यार मिला। हिना खान इसमें बहू अक्षरा के रोल में थीं और मशहूर हो गई थीं। उन्होंने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से ही अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। वहीं करण मेहरा ने नैतिक का किरदार निभाया था। लेकिन कुछ साल बाद एक्टर विशाल सिंह ने उन्हें रिप्लेस कर दिया था। क्या आप जानते हैं कि विशाल सिंह रिश्ते में रवीना टंडन के भाई हैं? नैतिक रोल में विशाल सिंह को भी खूब पसंद किया गया था।

विशाल सिंह ने नैतिक के रोल में करण मेहरा को किया था रिप्लेस विशाल सिंह ने 'परवरिशः कुछ खट्टी कुछ मीठी' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में काम किया। इसमें उन्होंने नैतिक के रोल में करण मेहरा को रिप्लेस किया था। नैतिक के किरदार में विशाल सिंह को भी काफी पसंद किया गया था।

'अक्षरा' हिना खान संग जमी थी जोड़ी 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में विशाल सिंह की जोड़ी अक्षरा बनीं हिना खान के साथ थी। दोनों की जोड़ी को खूब पसंद किया गया। इस शो में विशाल और हिना खान के कुछ रोमांटिक सीन भी थे। **हिना खान ने रोमांटिक सीन में की थी मदद**

विशाल ने साल 2016 में 'आईएएनएस' को बताया था कि हिना खान ने रोमांटिक सीन करने में उनकी किस तरह मदद की थी। शो के स्विट्जरलैंड वाले सीक्वेंस में अक्षरा और नैतिक के बीच रोमांस होता है, जिसे विशाल और हिना पर फिल्माया गया था। विशाल के मुताबिक, हिना ने उन्हें समझाया था कि अक्षरा-नैतिक के बीच के रोमांटिक सीन किस तरह करने हैं। रवीना टंडन के पिता रवि टंडन, विशाल सिंह के मामा लगते थे। इस नाते रवीना और विशाल सिंह रियल लाइफ कजन हैं। वह रवीना की बुआ के बेटे हैं। विशाल सिंह बहन रेशमा मोदी और रवीना टंडन के बेहद करीब हैं। हर रक्षा बंधन पर रवीना और रेशमा मोदी साथ में विशाल को राखी बांधती हैं। वहीं विशाल की बहन का नाम रेशमा सिंह मोदी है। रेशमा एक एक्ट्रेस हैं। वह रामानंद सागर के टीवी सीरियल 'श्री कृष्णा' में बड़ी राधा और लक्ष्मी के रोल में नजर आई थीं। विशाल सिंह ने टीवी एक्ट्रेस अदिता वाही से शादी की है। शादी से पहले दोनों ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। रिपोर्ट्स हैं कि वो लिव-इन में भी रहते थे।

श्रद्धा कपूर ने पूछा- 2024 के पहले तीन महीने कैसे बर्बाद किए? फैंस ने दिए ऐसे मजेदार जवाब कि पूछिए मत

श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर अपने फनी अंदाज के लिए मशहूर हैं। 31 मार्च को साल की पहली तिमाही के खत्म होते ही एक्ट्रेस ने एक पोस्ट किया। श्रद्धा ने इसमें फैंस से पूछा कि उन्हें साल के पहले तीन महीने बर्बाद करके कैसा महसूस हो रहा है? एक्ट्रेस ने यह भी पूछा कि आखरि किसने कैसे बर्बाद किए, जिस पर अब मजेदार कॉमेंट्स आ रहे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की सोशल मीडिया पर गजब धमक रहती है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 88.6 मलियिन से अधकि यूजर्स फॉलो करते हैं। पिछले कुछ समय से श्रद्धा जहां राहुल मोदी के साथ अपने रिश्तों को लेकर चर्चा में हैं, वहीं सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का फनी अंदाज भी फैंस को खूब पसंद आता है। अब मार्च महीने के आखिरी दिन रविवार को श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट किया। उन्होंने फैंस से पूछा कि 2024 की पहली तिमाही को बर्बाद करके कैसा महसूस हो रहा है? बस फिर क्या था, श्रद्धा के सवाल पर फैंस ने अतरंगी जवाब देने शुरू कर दिए। श्रद्धा ने 31 मार्च को अपना एक फोटोशूट वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो के आखरि में वो अजीब तरह से मुंह बना रही हैं, ऐसे जैसे उन्हें उबासी आ रही हो। इस वीडियो पर श्रद्धा ने लिखा है, '2024 की पहली तिमाही को बर्बाद करके कैसा महसूस हो रहा है?' जबकि वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में भी सवाल पूछा है- बताओ कैसे बर्बाद किया? श्रद्धा के इस पोस्ट को खबर लिखे जाने तक 7 लाख से अधकि लाइक्स मलि चुके हैं और इस पर 23 हजार से अधकि कॉमेंट्स आ चुके हैं। **श्रद्धा से फैंस बोले- आपने जो मीम की आदत लगाई उसी में** सिनेमा की दुनिया की इस खूबसूरत 'स्त्री' के पोस्ट पर फैंस ने मजेदार जवाब दिए हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'बस कुछ और महीने बर्बाद करने हैं, फिर नई शुरुआत करेंगे।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'अभी एहसास हुआ है कि साल का पहला तीन महीना निकल चुका है???' एक तीसरे यूजर ने कॉमेंट किया, 'आपने जो मीम की आदत लगा दी फिर उसी में बर्बाद हो गया।' **फैंस ने श्रद्धा के पोस्ट पर किए मजेदार कॉमेंट्स** श्रद्धा अपने इंस्टाग्राम स्टोरी और पोस्ट में अक्सर मीम्स भी शेयर करती रहती हैं। यह फैंस को बहुत पसंद भी आता है। एक अन्य फैन ने लिखा है, 'बस ऐसे ही रील्स और मीम्स देख के बर्बाद किया।' एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर कोई यह भी लिख रहा है कि श्रद्धा के कारण मीम वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स की नौकरी खतरे में है। **श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी का रिश्ता पक्का समझें? एक्ट्रेस के गले में R वाले लॉकेट पर अटकी सबकी नजर** श्रद्धा कपूर ने शेयर कीं नई तस्वीरें, बोलीं- मम्मी ने कान के नीचे बजा दिया, फिर देखिए फैंस ने क्या किया। स्टेज पर पोज देतीं श्रद्धा कपूर अचानक पपाराजी से पिज्ज़ा मांगने पहुंच गईं, कहा- मुझे बहुत भूख लग रही थी **'स्त्री 2' में नजर आएंगी श्रद्धा, अगस्त में रिलीज होगी फिल्म** वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा पिछली बार लव रंजन की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं। आगे वह राजकुमार राव अपारशक्ति खुराना और पंकज त्रिपाठी के साथ 'स्त्री 2' में नजर आएंगी। अमर कौशकि के डायरेक्शन में बन रही इस सीक्वल फिल्म की शूटिंग हाल ही मध्य प्रदेश के चंदेरी में शुरू हुई है। साल 2018 में रिलीज हॉरर-कॉमेडी 'स्त्री' के इस सीक्वल को इसी साल अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' पर बनेगी वेब सीरीज, करण जौहर ने नए डायेक्टर का किया ऐलान, इन्हें सौंपी है कमान

अगर आप करण जौहर की फिल्में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' और इसके सीक्वल को देख चुके हैं और पसंद करते हैं तो अब तीसरे पार्ट को लेकर एक बड़ी खबर आपके लिए सामने आई है। करण जौहर ने खुद बताया है कि इस बार फिल्म नहीं, बल्कि SOTY 3 की सीरीज बनेगी।

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर ने 12 साल पहले 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' फिल्म बनाई थी और आलिया भट्ट, वरुण धवन व सिद्धार्थ मल्होत्रा को लॉन्च किया था। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला, जिसके बाद उन्होंने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' बनाया। अब फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर करण ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने बताया है कि इस बार फिल्म नहीं, बल्कि SOTY 3 पर वेब सीरीज बनेगी और इसे रीमा माया डायरेक्ट करेंगी। यानी पुनीत मल्होत्रा का पत्ता कट गया है। करण जौहर ने चंडीगढ़ में आयोजित हुए Cinevesture International Film Festival (CIFF) में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि रीमा माया इसे डायरेक्टर करेंगी और SOTY 3 को वेब सीरीज के रूप में रिलीज करने की प्लानिंग है। मालूम हो कि रीमा को नॉक्टर्नल बर्गर के लिए जाना जाता है। **रीमा माया अपने तरीके से बनाएंगी शो**

नए डायरेक्टर्स और राइटर्स के साथ टीम बनाने के बारे में बात करते हुए Karan Johar ने कहा कि रीमा 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के डिजिटल वर्जन को डायरेक्टर करेंगी। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन ये उनका तरीका होगा और निश्चित रूप से मेरा नहीं, क्योंकि अगर मैं रीमा माया की दुनिया में एंट्री करूंगा तो मैं इसे और ज्यादा भ्रमित बना दूंगा, जोकि उनके नाम का अर्थ है। मैं बस यही चाहता हूं कि ये उनकी आवाज हो। उन्होंने इसे अपनी सीरीज बना लिया।' न्यू OTT रिलीजः 'फाइटर' से 'ओपेनहाइमर' तक, सारा की फिल्म सहित इन 5 वेब सीरीज और मूवीज का वीकेंड पर उठाएं लुत्फ करण जौहर के अपार्टमेंट में गर्लफ्रेंड संग किराए पर रहेंगे इमरान खान, हर महीने की कीमत जानकर होश खो बैठेंगे

कौन हैं रीमा माया? रीमा माया अवॉर्ड विनिंग राइटर-डायरेक्टर और Catnip प्रोडक्शन हाउस की को-फाउंडर हैं। वो इंडिपेंडेंट फिल्ममेकिंग करती हैं। उनकी शॉर्ट मूवीज, खासतौर से Counterfeit Kunkoo को सनडांस जैसे फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहा गया। उनकी हालिया 'नॉक्टर्नल बर्गर' का प्रीमियर सनडांस फिल्म फेस्टिवल 2023 में हुआ। उन्होंने नेटफ्लिक्स, रेड बुल और boAt जैसे बड़े ब्रांड्स के लिए वीडियो भी डायरेक्ट किए हैं।

2012 में बनाई थी फिल्म साल 2012 में करण जौहर 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' लेकर आए थे और इसी के साथ आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा को लॉन्च किया था। फिर 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' बनाई, लेकिन उन्होंने प्रोड्यूसर की कुर्सी संभाली और डायरेक्टर पुनीत मल्होत्रा थे। इसमें अनन्या पांडे, तारा सुतारिया और टाइगर श्रॉफ नजर आए। करण जौहर की पार्टी में गए तो सब लेकिन.. इस हसीना पर टिकी सबकी निगाहें, एनिमल देखी है तो पहचान जाएंगे **शनाया कपूर होंगी एक्ट्रेस**! ऐसी खबरें थीं कि करण जौहर 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में शनाया कपूर को लॉन्च करना वेले हैं। शनाया, संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं और मोहनलाल की 'वृषभ' से एक्टिंग में कदम रखने वाली हैं। वो धर्मा प्रोडक्शंस की 'बेधड़क' में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा संग काम डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन कथित तौर पर फिल्म को रोक दिया गया। बतौर डायरेक्टर करण की पिछली फिल्म

करण ने पिछली बार 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को डायरेक्ट किया, जिसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर नजर आए। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का मिला-जुला रिएक्शन मिला था। और बतौर प्रोड्यूसर उनकी 'योद्धा' मूवी रिलीज हुई, जिसमें सिद्धार्थ कपूर लीड रोल में नजर आए।

वेट लॉस एक्सरसाइज बढ़ाए बिना डबल हो जाएगा असर, अगर डाइट में शामिल कर ली 3 स्मूदी

वजन कम करना आसान हो जाता है अगर आप सही डाइट लेते हैं। 3 स्मूदी आपके वजन कम करने की कोशिशों को असरदार बना सकती है। इनमें पोषण की भरमार होती है और भूख शांत रखने की क्षमता होती है।

क्या आप वजन कम करना चाहते हैं? क्या आप चाहते हैं कि आपकी कमर पतली दिखे? क्या आप डायबिटीज, हार्ट डिजीज, फैटी लिवर से छुटकारा पाना चाहते हैं? तो ये तरीका ट्राई करें। स्मूदी का सेवन करना वजन कम करने का सीक्रेट है। यह आपकी जिम और डाइटिंग को ज्यादा असरदार बनाता है।

स्मूदी आपके पेट को ज्यादा देर तक भरा रखते हैं

और तेजी से वजन कम करने में मदद कर सकते हैं। इनमें कैलोरी कम होती है और न्यूट्रिएंट अधिक होते हैं। ये टेस्टी और हेल्दी स्मूदी रेसिपी आपके वेट लॉस की कोशिशों को आसान बना सकती हैं। आइए वेट लॉस करने वाली रेसिपी के बारे में जानते हैं।

यह विटामिन सी, पोटेशियम और मैंगनीज सहित विटामिन और खनिजों से भरपूर है। गाजर कैलोरी में कम और फाइबर में हाई होने के कारण भूख कम करती है और वेट लॉस में मदद करती है। ये बीटा-कैरोटीन, विटामिन K1 और पोटेशियम से भरपूर है। खीरा में कैलोरी में कम और पानी की मात्रा अधिक होती है। यह आपको हाइड्रेटेड और भरा हुआ रहने में मदद करता है। इससे विटामिन ए, के, और सी के साथ-साथ फोलेट और पोटेशियम मिलता है। सेब खाने से फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी मिलता है। अदरक खाने से मेटाबॉलिज्म और डायजेशन बढ़ता है।

कैसे बनाएं: सभी सामग्रियों को एक ब्लेंडर में मिलाएं (बर्फ भी डाल सकते हैं)। स्मूथ बनने तक मिक्स करें। **छिली और कटी हुई 1 मध्यम गाजर**
1 संतरे का रस
1/2 कप अनानास के टुकड़े
छिला हुआ ताजा 1 इंच अदरक

1/2 चम्मच हल्दी पाउडर

ऑरेंज स्मूदी के फायदे

गाजर कैलोरी में कम और फाइबर में अच्छी होती है। इसे खाने से वेट लॉस में मदद मिलती है और भूख शांत होती है। यह बीटा-कैरोटीन, विटामिन K1 और पोटेशियम से भरपूर है। संतरा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर गुण हैं। यह इम्यूनिटी बढ़ाती है और वजन घटाने में सपोर्ट करती है। अनानास एक लो कैलोरी फूड है और फाइबर देकर भूख शांत करता है। इससे पाचन में मदद मिलती है। यह विटामिन सी और मैंगनीज का अच्छा सोर्स है। अदरक मेटाबॉलिज्म और डायजेशन बढ़ाता है। इंफ्लामेशन कम करने के साथ चर्बी भी घटाता है। हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो सूजन को कम करके और फैट बर्निंग तेज करता है। कैसे बनाएं- सभी चीजों को एक ब्लेंडर में मिलाकर एक स्मूदी बनाएं।

ग्रीन जूस सामग्रीः spinach smoothie मुट्ठी भर पालक कटा हुआ 1 सेब 1 खीरा 1/2 नींबू का रस छिला हुआ ताजा 1 इंच अदरक ग्रीन जूस के फायदे weight loss flat stomach belly fat पालक के अंदर कैलोरी कम होती है और फाइबर अधिक, जिससे भूख शांत होती है। इससे विटामिन ए, सी, के, आयरन और कैल्शियम मिलता है। सेब फाइबर से भरा है और कम कैलोरी होने की वजह से वेट लॉस करता है। खीरा में कैलोरी कम और पानी की मात्रा अधिक है। यह हाइड्रेटेड और भरा हुआ रहने में मदद करता है। विटामिन ए, के, सी के साथ-साथ फोलेट और पोटेशियम से भरपूर भी है। नींबू लेने से शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद मिलती है और डायजेशन बढ़ता है। अदरक से इंफ्लामेशन कम होती है और वेट लॉस तेज होता है। कैसे बनाएं: सभी सामग्रियों को एक ब्लेंडर में डालकर स्मूदी बनने तक मिलाएं।

पत्नी अनुष्का संग डिनर डेट पर गए विराट, मिसेज कोहली के लिए खास मेन्यू, दोस्तों के साथ महंगे होटल में की पार्टी

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली सबसे फेमस कपल्स में से एक हैं। पत्नी के बर्थडे पर विराट उन्हें आलीशान होटल में डिनर डेट के लिए लेकर गए। पतिदेव ने वहां से मेन्यू की स्पेशन फोटो शेयर की, जिसकी तस्वीर सामने आई है। अनुष्का ने बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन मनाया।

विराट ने खुलासा किया कि वह और अनुष्का उनके बर्थडे पर बेंगलुरु में थे और अनुष्का का खास दिन मनाने के लिए वे डिनर डेट पर गए थे

विराट और अनुष्का पहली बार 2013 में एक शैम्पू ब्रांड के ऐड की शूटिंग के लिए मिले थे और देखते ही देखते दोनों के बीच दोस्ती बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपने क्रिकेटर पति विराट कोहली के साथ सीक्रेट डेट पर जाकर अपना जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस ने 1 मई, बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन मनाया। वह अक्सर प्राइवेट लाइफ को लोगों से दूर ही रखती हैं, उन्होंने इस बारे में चुप्पी साधे रही लेकिन विराट ने खुलासा किया कि वह और अनुष्का उनके बर्थडे पर बेंगलुरु में थे और अनुष्का का खास दिन मनाने के लिए वे डिनर डेट पर गए थे। अपने बेटे अकाय का स्वागत करने के बाद से अनुष्का गायब ही दिख रही हैं।

Virat Kohli ने होटल से मेन्यू की फोटो शेयर की जिस पर लिखा हुआ था, 'सेलिब्रेटिंग अनुष्का।' इसकी फोटो शेयर करते हुए विराट ने लिखा, 'पिछली रात मजेदार खाने के लिए धन्यवाद, (शेफ) मनु चंद्रा। हमारे जीवन के बेस्ट खाने के अनुभवों में से एक।' तस्वीर से पता चला कि ये दोनों बेंगलुरु के एक हाई-स्केल रेस्तरां लूपा में खाना खा रहे थे।

विराट और अनुष्का डिनर डेट

इसी के साथ विराट और अनुष्का की एक फोटो भी सामने आई है, जिसमें वो पूरी टीम के साथ डिनर करते नजर आ रहे हैं।

अनुष्का और विराट की डिनर डेट अनुष्का के बर्थडे पर डिनर डेट के लिए गए विराट Anushka Sharma के बर्थडे पर, विराट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी पत्नी की प्यारी फोटोज शेयर कीं और उनके लिए अपना प्यार दिखाते हुए इमोशनल नोट लिखा। नोट में लिखा था, 'अगर मैं तुम्हें नहीं पाता तो मैं पूरी तरह से खो जाता। जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यार। आप हमारी दुनिया में रोशनी की तरह हैं। आप हमें बहुत पसंद हैं।' उन्होंने लाल दिल वाला इमोजी लगाया।

विराट-अनुष्का की शादी विराट और अनुष्का पहली बार 2013 में एक शैम्पू ब्रांड के ऐड की शूटिंग के लिए मिले थे और देखते ही देखते दोनों के बीच दोस्ती हो गई। उन्होंने 2017 में इटली के टस्कनी में एक शादी कर ली। 2021 में, उन्होंने अपने पहले बच्चे, बेटी का स्वागत किया। इस साल की शुरुआत में अनुष्का और विराट ने अपने दूसरे बच्चे, बेटे अकाय का स्वागत किया।

अनुष्का शर्मा के डेब्यू के खिलाफ थे करण जौहर, आदित्य चोपड़ा को कहा- इसे कास्ट नहीं करना चाहिए

अनुष्का शर्मा की आने वाली फिल्म इस बीच, अनुष्का शर्मा अगली बार 'चकदा एक्सप्रेस' में दिखाई देंगी। 'चकदा एक्सप्रेस' क्रिकेटर झूलन गोस्वामी पर बेस्ड एक बायोपिक है। इस फिल्म में वो लगभग 4 वर्षों के बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। आखिरी बार वह शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ 'जीरो' में नजर आई थीं। आगामी स्पोर्ट्स ड्रामा जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी।

शिवांगी जोशी संग सगाई की खबर उड़ी तो कुशाल टंडन ने तोड़ी चुप्पी, बोले- मेरी इंगेजमेंट और मुझे ही नहीं पता

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और एक्टर कुशाल टंडन के रिश्ते को लेकर लगातार खबर आ रही है कि इनकी सगाई हो रही है। ये रिश्ते में हैं और इसको अब नाम देना चाह रहे हैं। जब ये बात दोनों के कानों तक पहुंची तो उन्होंने रिएक्ट किया और फर्जी खबरों पर लोगों को फटकार लगाई।

जब से एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने टीवी शो 'बरसातः मौसम प्यार का' में एक साथ काम किया है, तब से ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि वो डेटिंग कर रहे हैं। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि वो दोनों सगाई करके अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाने की प्लानिंग बना रहे हैं। अब, एक्टर्स ने इन अटकलों पर रिएक्ट किया है और इसके पीछे की सच्चाई बताई है।

सगाई की अफवाहों की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तो शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। उन्होंने पहली बार अपने लिंक-अप की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। जहां शिवांगी जोशी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पोस्ट लिखा, 'मुझे अफवाहें पसंद हैं। मुझे हमेशा अपने बारे में हैरान करने वाली बातें पता चलती हैं, जिसके बारे में मैं ही नहीं जानती।'

कुशाल टंडन ने डेटिंग की खबर पर किया रिएक्ट

वहीं, कुशाल टंडन ने लिखा, 'यार मीडिया वालों.... एक बात बताओ, मेरी सगाई हो रही है, और मुझे ही नहीं पता????? मैं यहां थाईलैंड में मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ले रहा हूं। ऐसा कैसे कर लेते हो आप लोग। कम से कम थोड़ी थो खबर की सच्चाई रखा रखो मेरे भाई लोग। ये आपके सोर्स हैं कौन?' इसके साथ कुशाल ने अपनी फोटो भी पोस्ट की, जो उनके ट्रेनिंग सेशन के दौरान की थी।

कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी की उम में अंतर

कुशाल और शिवांगी की ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री देखने के बाद लोगों ने ये अनुमान लगाना शुरू कर दिया था कि असल जिंदगी में इनके बीच कुछ पक रहा है। कुछ समय पहले, News18 की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शिवांगी और कुशाल, एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। जहां एक्ट्रेस 25 साल की हैं। वहीं एक्टर 39 साल के हैं। उन्होंने एक सूत्र के हवाले से बताया था कि शो के सेट पर शिवांगी और कुशाल के बीच अच्छी दोस्ती हो गई, जो जल्द ही प्यार में बदल गई। इसमें दावा किया गया कि वे एक कमिटेड रिलेशन में हैं, और जल्द ही चीजों को ऑफिशियल करना चाहते हैं।

अंकिता लोखंडे का टूटा हाथ, विक्की जैन भी हुए बीमार, अस्पताल की फोटो देख भड़के यूजर्स- कभी तो दिखावा छोड़ दो!

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे की कुछ तस्वीरें उनके इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर हुई हैं, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर पति विक्की जैन के साथ दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बताया कि स्वस्थ हों या फिर बीमार, दोनों ही स्थिति में वह साथ-साथ हैं। ये फोटो देख यूजर्स भड़क गए हैं।

'बिग बॉस 17' फेम अंकिता लोंखंडे ने इंस्टाग्राम पर अस्पताल से कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिसमें वह और विक्की जैन, दोनों ही अस्पताल के बेड पर लेटे हुए हैं। एक्ट्रेस ने पति को अपनी बाहों में भर रखा है और कैमरे की तरफ देखकर दोनों मुस्कुरा रहे हैं। हालांकि चेहरा उतरा हुआ है क्योंकि दोनों की तबीयत साथ खराब हो गई है। एक्ट्रेस ने इन फोटोज के साथ कैप्शन भी लिखा है, जिसमें साथ में बीमार पड़ने की बात लिखी है।

'ईटाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि विक्की को किन्हीं कारोण से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए वह एडमिट हैं। वहीं, अंकिता के हाथ में भी गिरने के कारण चोट लग गई थी। इसलिए पति विक्की जैन उनके साथ थे। इस बार विक्की जैन को भर्ती कराना पड़ा। दोनों ने अस्पताल के बिस्तर पर लेट पर फोटोज क्लिक करवाईं। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन साथ में बीमार एक फोटो में अंकिता विक्की जैन की बाहों में आराम कर रही हैं। तो दूसरी फोटो में अंकिता अपने फोन में बिजी हैं और विक्की जैन सो रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रस न एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें विक्की उनकी देखभाल कर रहे थे क्योंकि उनके हाथों में पट्टी बंधी हुई थी। वह एक्ट्रेस को खाना खिला रहे थे क्योंकि वह खुद से नहीं खा पा रही थीं। ***लोगों ने अंकिता लोखंडे को लगाई फटकार*** *अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा कि 'बीमारी में भी साथ-साथ' । इस पोस्ट के बाद निशा रावल ने लिखा, 'उफ्फ! आशा करती हूं कि तुम जल्दी ठीक हो।' एक फैन ने पूछा, 'क्या हुआ है अंकिता को?' एक ने लिखा, 'मरीज कौन है लेकिन?' एक ने पूछा, 'क्या विक्की ने आपका हाथ तोड़ दिया?' एक ने कहा, 'क्या बीमार इंसानों के पास फोटो पोस्ट करने तक की शक्ति होती है?' एक ने कहा, 'दिखावे के अलावा भी कुछ किया करो इनसिक्योर औरत।'*

ब्रिटनी स्पीयर्स आधी रात को तकिया-चादर से खुद को ढककर होटल से निकलीं, अब कहा- इसमें मेरी मां भी शामिल थीं

ब्रिटनी स्पीयर्स की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हैं जिसमें वह बदहवास नजर आ रही हैं । वह कम्बल में लिपटीं बिना चप्पल के सड़कों पर चलती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि उनके लिए एम्बुलेंस बुलाया गया। एक्ट्रेस ने अब एक पोस्ट किया है और अपनी मां पर ही भड़ास निकाली है।

ब्रिटनी स्पीयर्स की एक तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। इस तस्वीर में यामी सिंगर बेडशीट से लिपटी नजर आ रही हैं। खबर है कि लॉस एंजिल्स के किसी होटल में अपने बॉयफ्रेंड रिचर्ड सेलिज से उनकी जबरदस्त लड़ाई हुई है और वह जिस हाल में थीं वैसे ही बाहर निकल गईं। 42 साल की ब्रिटनी को गुरुवार सुबह ही लॉस एंजिल्स में पॉश हॉलीवुड होटल से बाहर निकलते देखा गया, जहां कुछ लोगों ने उनका फोटो भी खींच लिया। इमर्जेंसी सर्विस की तरफ से एक महिला के घायल होने की रिपोर्ट भी सामने आई है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में ब्रिटनी ने अपने शरीर को बेडशीट से कवर कर रखा है। वह इन झलकियों में काफी स्ट्रेस में भी दिख रही हैं। यहां तक कि वहां मौजूद लोगों ने पाया कि उनके पैर में चप्पल तक नहीं था। स्पीयर्स अपने कमरे से बिना कपड़ों और चप्पल के ही निकल गईं

अब इस तरह के फेमस औऱ पॉप्युलर सिंगर का यूं होटल के बाहर दिखना चिंता का विषय बन गया है। टीएमजेड की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटनी की अपने बॉयफ्रेंड प्रेमी पॉल रिचर्ड सोलिज़ के साथ बहस इतनी तीखी हो गई कि स्पीयर्स अपने कमरे से बिना कपड़ों और चप्पल के ही निकल गईं। खबर है कि उनके पैरों में चोट भी लगी है।

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंतत- इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चो में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।

नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

2,50,000-3,00,000
नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

50 लाख
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गईं (योजना आयोग के मुताबिक)

27,60,000
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढ़ना शुरू कर दें।

अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो

सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाईप न करें।

सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

जवां रहें हमेशा

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं की युवा दिखने की इच्छा भी उसी रफ्तार से बढ़ने लगती है। वे तीस की उम्र में बीस की दिखना चाहती हैं, चालीस की उम्र में तीस की और पचास की उम्र में चालीस की। क्या सचमुच ये संभव है? और वे कौन-सी चीजें हैं जो महिलाओं को उम्र दर उम्र युवा बनाए रख सकती हैं?

हमेशा जवां दिखने की इच्छा यों तो हर इंसान में होती है, लेकिन महिलाओं में यह इच्छा कुछ ज्यादा ही प्रबल होती है। कभी मेकअप से, कभी कपड़ों से तो कभी अपने व्यवहार से खुद को युवा बनाए रखने का प्रयास लगातार जारी रहता है। कभी उनका यह प्रयास सफल होता है और कभी इसका असर उल्टा पड़ जाता है। वास्तव में महिलाओं की उम्र चार चीजों से झलकती है। वे कैसा मेकअप करती हैं, उनकी ड्रेसिंग कैसी है, उनका खानपान किस तरह का है और उनका व्यवहार क्या है। आइये जानें कि उम्र के अलग-अलग पड़ावों पर आप किस तरह खुद को युवा बनाए रख सकती हैं –

तीस की उम्र में बीस की चाहत

बेशक तीस साल की महिलाओं को युवा ही माना जाता है, लेकिन फिर भी तीस की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उम्र अपना असर दिखाने लगती है। और इसी उम्र में यह इच्छा पैदा होती है कि आप खुद को बीस साल की युवती की तरह दिखाएं, यानी देखने वाले को आपकी उम्र का जरा भी इल्म ना हो। अगर आप अपनी उम्र को दस साल पीछे धकेलना चाहती हैं तो आपको इन चार बातों पर खास ध्यान देना होगा।

आपकी ड्रेसिंग हो जवां

महिला की उम्र की चुगली करने में सबसे पहले ड्रेसिंग आती है। यानी आपकी ड्रेसिंग से ही इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि आपकी उम्र क्या है। तो तीस की उम्र में बीस का दिखने के लिए ड्रेसिंग कैसी होनी चाहिए? फैशन डिजाइनर निकेत कहते हैं, उम्र चाहे कोई भी हो अपने शरीर की संरचना के हिसाब से ही कपड़ों का चुनाव करना चाहिए। आप घुटने तक लंबी स्कर्ट, लंबी कुर्ती और स्लीव के साथ कॉरसेट को अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। अपने कपड़ों के लिए सूती और खादी के फैब्रिक का चुनाव करें। इस उम्र में साड़ी भी एक अलग लुक देती है। आप क्रेप, कॉटन, सिल्क, खादी, वीवर जैसे फैब्रिक की साडियां पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक यंग और मेच्योर नजर आएगा। रंगों में भी आपको डार्क रंगों को चुनाव करना चाहिए।

मेकअप बोलेगा कितनी यंग हैं आप

मेकअप आर्टिस्ट नैना अरोड़ा बताती हैं कि तीस की उम्र में आपकी स्किन चमकदार और टाइट होती है। ऐसे में मेकअप के साथ प्रयोग किए जा सकते हैं। अपनी त्वचा की रंगत और त्वचा की प्रकृति को ध्यान में रखकर ही अपने लिए मेकअप का चुनाव करें। ट्रेंड को आंख मूंदकर अपनाने की जगह, ऐसा मेकअप करें जो आपके ऊपर अच्छा दिखे। मेकअप करने के लिए आप गहरे रंगों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खानपान के समझें इशारे

बीएलके अस्पताल की चीफ डाइटिशियन सुनीता रॉय चौधरी का कहना है कि तीस की उम्र में बीस का दिखने के लिए एक्सरसाइज करें। हर दिन टहलें, साइकलिंग और जॉगिंग भी करें। ताजा और ज्यादा फाइबर वाला खाना आपको जवां रखने में मदद करेगा।

युवा हो आपका व्यवहार

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर नीलम कुमार बोहरा का मानना है कि तीस की उम्र में महिलाओं को तनाव का सामना सबसे ज्यादा करना होता है। घर, परिवार और ऑफिस की कई जिम्मेदारियां तनाव को और बढम देती हैं। यह तनाव चेहरे से झलकने लगता है। तनाव से दूर रहने और युवा दिखने के लिए छोटे- छोटे लक्ष्य बनाएं, सकारात्मक दोस्त बनाएं, ना कहना सीखें और नये रिश्तों को समझदारी और व्यवहारिकता के साथ संभालें।

चालीस की उम्र रहिए प्यार में

ड्रेसिंग को भी दें महत्व – चालीस की उम्र, वह पड़ाव है जब आप उम्र के दोराहे पर खड़े होते हैं। ऐसे में युवा दिखने के लिए कपड़ों में फ्यूजन को अपनाएं। कफ्तान स्टाइल के ट्यूनिक, लॉन्ग जैकेट और वेस्ट कोट पहनें। रंगों के चुनाव में हल्के और गाढ़े के साथ पेस्टल रंगों का चुनाव करें।

मेकअप बोलेगा, आपकी उम्र का राज नहीं खोलेगा – 40 की उम्र में आपके चेहरे पर फाइन लाइंस और बढ़ती उम्र के निशान दिखने लगते हैं। इसलिए इस उम्र में मेकअप का चुनाव बहुत सोच-समझ कर करना चाहिए। अपने व्यक्तित्व, रंग और स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए मेकअप करें।

खाना यानी उम्र छिपाना – 40 की उम्र में आमतौर पर महिलाओं का लाइफस्टाइल काफी बदल जाता है। महिलाओं का वजन भी बढ़ जाता है। इस उम्र में भी खुद को जवां रखने के लिए अपने लाइफ स्टाइल को सक्रिय बनाएं। तीन बड़े और तीन छोटे मील लें। ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ युक्त डाइट जैसे जूस, लस्सी, दूध, दही, फल, सलाद आदि लें। चाय-कॉफी से दूर रहें।

नये शौक बदलेंगे आपका व्यवहार – सकरात्मक सोच रखें। यह सोच आपको युवा रखने में मदद करेगी। अगर आपके कुछ पुराने शौक हैं तो यह उम्र है उन्हें बढ़ाने और पूरा करने की। अगर शौक नहीं है तो आप नए शौक पैदा करें। नए दोस्त बनाएं, समारोह में हिस्सा लें और उम्र को खुद पर हावी न होने दें।

50 में खुद से करना सीखें प्यार

अब भी अहम है ड्रेसिंग – 50 की उम्र तक आते-आते आपकी उम्र कहीं ना कहीं झलकने लगती है। ऐसे में आपके कपड़े आपकी उम्र के राज को छुपाने में काफी मददगार साबित होते हैं। इस उम्र में ट्रेंडी, फैशनेबल और युवा दिखने के लिए लंबे एंकल लैंथ के ट्यूनिक पहनें। लंबे प्लाजो और टयूनिक के साथ स्कार्फ का विकल्प भी अच्छा है। इस उम्र में रंगों का चुनाव करते वक्त ध्यान रखें। हल्के रंग इस उम्र में भी आपको जवां दिखने में मदद कर सकते हैं।

मेकअप, जरा सावाधानी से – 50 की उम्र में मेकअप के लिए खासा सावधान रहने की जरूरत होती है। ज्यादा मेकअप आपके चेहरे की पतली रेखाओं में भर जाता है, जिससे चेहरे की झुर्रियां और स्पष्ट नजर आने लगती हैं। इसलिए इस उम्र में हल्का और लिक्विड मेकअप इस्तेमाल करें। मैट और हल्के रंगों का ही चुनाव करें। ज्यादा ग्लॉसी या गाढ़े रंगों से दूर रहें। आईलाइनर पेंसिल वाला इस्तेमाल करें और आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए मस्कारा जरूर लगाएं।

जरूरी है इस उम्र में सही डाइट – 50 की उम्र तक आप हड्डियों और दिल की बीमारियों का शिकार होने लगती हैं। इस उम्र महिलाओं में फीमेल हार्मोन भी कम हो जाते हैं। ऐसे में उम्र की झलक दिखाई देने लगती है। लेकिन सही खान-पान और व्यायाम आपको इस उम्र में भी युवा दिखने में मदद करते हैं। ओट्स, व्हीट फ्लैक्स, स्प्राउट, ताजे फल जैसे पपीता, तरबूज उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। हल्का और तरल आहार लें। समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट करवाती रहें। साथ ही हल्का व्यायाम भी करें।

खुद पर दें ध्यान

यह उम्र खुद से प्यार करने की है। यह ना सोचें कि आपने जो करना था सो कर लिया, और अब इस उम्र में क्या करना? वास्तव में यही वह उम्र है, जब आपको अपने बारे में सोचना चाहिए। अपनी निजी जिंदगी पर ध्यान दें, बच्चों को उनकी लाइफ एन्जॉय करने दें और आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जिएं। नई चीजों के लिए पहल करें, हंसी-मजाक करें और घूमने-फिरने के लिए बाहर जाएं। बेशक उम्र का असर इंसान के शरीर पर होता ही है, लेकिन एक बात मान कर चलें कि उम्र सिर्फ एक मनःस्थिति है। लिहाजा उम्र को अपने मन- मस्तिष्क पर हावी न होने दें। उम्र को परास्त करने के लिए और हमेशा युवा दिखने का एकमात्र यही मंत्र है। खुश रहें और युवा दिखें।

बढ़ता क्रेज नियॉन मेकअप का

अगर हम कपडों में भडकीले रंगों का प्रयोग कर सकते हैं तो मेकअप में क्यों नहीं! अगर सही तरीका मालूम हो तो प्रयोग करने में कोई गुरेज नहीं है। इस सीजन में नियॉन मेकअप में आई शैडोज और होंठों के लिए हॉट पिंक, पीच या नारंगी रंग का खुलकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

आई शैडोज में लाइम ग्रीन, फिरोजा और कलर्ड लाइनर के साथ प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। सही तरीका हमेशा त्वचा की रंगत को ध्यान में रखकर रंगों का चयन करें। गोरी रंगत पर कोई नियॉन शेड फबता है और इसका बखूबी प्रयोग किया जा सकता है। जबकि गेहुएं और सांवली रंगत पर वॉर्म टोन जैसे ऑरेंज-पीच ब्लश चलते हैं। गहरी रंगत पर चटख शेड के लिप कलर्स मसलन शॉकिंग पिंक बहुत अच्छे लगते हैं।

- कोई भी मेकअप करने से पहले त्वचा को नमी पहुंचाना जरूरी है। मॉयस्चराइजर लगाने के बाद प्राइमर लगाएं। इसके फाउंडेशन लगाने के बाद त्वचा चमकदार दिखती है।
- इसके बाद दाग-धब्बों को छिपाने के लिए कंसीलर लगाएं। त्वचा की रंगत से एक शेड गहरा फाउंडेशन का हलका टच दें।
- इस बात का ध्यान रखें कि अगर आंखों पर बोल्ड आई शैडो का इस्तेमाल कर रही हैं तो होंठों और गाल (चीक्स) के मेकअप के लिए मीडियम शेड चुनें।
- अगर आई शैडो भूरे या बेज रंग का है तो होंठों पर कोरल शेड की लिपस्टिक लगाएं।
- नियॉन मेकअप के साथ सफेद, काले, बेज और सलेटी रंग के परिधान जंचते हैं।
- इस मेकअप के साथ हेयरस्टाइल में ट्रेंडी ब्रेड, साइड ब्रेडिंग या साइड पोनीटेल बहुत अच्छी लगती है।

ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक

सही ड्रैस का चुनाव जितना महत्वपूर्ण है उतना ही खास है कलर सिलैक्शन। फैशन की दुनिया में कलर्स की भी बहुत ज्यादा अहमियत होती है। कलर की बात हो तो सबसे ज्यादा ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक...परफैक्ट ड्रैस वह है जो दिखने में कम्फर्टेबल, स्टाइलिश और फैशन के अनुसार हो और साथ ही आप में कॉन्फीडैंस भी जगाती हो। आपकी ड्रैसिंग सैंस आपकी इमेज को भी जाहिर करती है।

हमें हमेशा यही कन्फ्यूजन बना रहता है कि कौन-सा कलर और ड्रैस पहनें कि हर तरफ बस हम ही छा जाएं और सभी सिर्फ हमारे ही ड्रैसिंग सैंस की तारीफ करें। सही ड्रैस का चुनाव जितना महत्वपूर्ण है उतना ही खास है कलर सिलैक्शन। फैशन की दुनिया में कलर्स की भी बहुत ज्यादा अहमियत होती है। कलर की बात हो तो सबसे ज्यादा ग्लैमरस और ब्यूटीफुल है ब्लैक...परफैक्ट ड्रैस वह है जो दिखने में आकर्षक, पहनने में कम्फर्टेबल, स्टाइलिश और फैशन के अनुसार हो और साथ ही आप में कॉन्फीडैंस भी जगाती हो। आपकी ड्रैसिंग सैंस आपकी इमेज को भी जाहिर करती है। आपके ड्रैसिंग स्टाइल से ही आपके टेस्ट और सोच के बारे में लोग अनुमान लगाते हैं। कोई भी शख्स आपके पहनावे से ही आपका पहला इम्प्रैशन लेता है। आप अगर लोगों को अपनी ड्रैसिंग सैंस का कायल बनाना चाहती हैं तो उन्हें इम्प्रैस करने के लिए सही ड्रैस और स्टाइल का चुनाव करना बेहद जरूरी है। चाहे कॉलेज गोइंग हों या वर्किंग वूमन, सभी स्मार्ट और प्रैजैंटेबल दिखना चाहती हैं। इसके लिए आपको महंगे ब्रांडेड कपड़ों के पीछे दौडने की जरूरत नहीं है, आप वही खरीदें, जो ट्रैंड में चल रहा हो और आप पर जंचे। कम खर्च में आप अच्छी लगें तो क्या कहना। फैशन और ट्रैंड का जिक्र आते ही जो पहला कलर जेहन में आता है वह है ब्लैक। सीजन कोई भी हो, फैशन के चाहवानों की चाहत ब्लैक के लिए कभी कम नहीं होती है। फैशनपरस्त लोगों की पहली पसंद इन दिनों ब्लैक कलर की ड्रैसेस बन चुकी है। ब्लैक कलर हॉट फैशन स्टेटमैंट बन चुका है। शादी, रिसैप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी, बर्थडे पार्टी या फिर कोई फैमिली फंक्शन हो, सभी जगह ब्लैक का ही जादू छा रहा है। ब्लैक ऐसा कलर है जो फॉर्मल और कैजुअल दोनों मौकों पर पहना जा सकता है। ब्लैक की खासियत है कि ट्रैंड और स्टाइल भले ही चेंज हो जाएं पर ब्लैक कभी आऊटडेटेड नहीं होता। जिन लड़कियों का रंग गोरा है, वे तो ब्लैक में और भी कयादा खूबसूरत दिखती हैं। ब्लैक कलर पहनने से दुबले दिखाई देते हैं, क्योंकि डार्क कलर पर लाइट रिफ्लैक्शन होता है इसलिए भी ब्लैक कलर का क्रेज सभी ऐज ग्रुप्स में सबसे ज्यादा देखने को मिलता है।

पार्टी वियर

आप को कभी भी अचानक किसी पार्टी में जाना पड़ सकता है इसलिए आप अपनी वॉर्डरोब में एक ब्लैक कलर का ड्रैस जरूर रखे। पार्टी वियर में तो ज्यादातर लोग ब्लैक कलर ही पसंद करते हैं। ब्लैक ग्लैमरस पार्टी कलर है इसलिए यह कलर किसी भी पार्टी में जाने के लिए फिट है। अगर आप नाइट लाइफ पर्सन हैं तो ब्लैक कलर आपके लिए बैस्ट है। यह आप पर सबसे ज्यादा सूट करेगा। वैसे तो ब्लैक ड्रैस में ही आप ग्लैमरस दिख सकती हैं लेकिन अगर आप ज्यादा हॉट एंड सैक्सी लुक चाहती हैं तो स्लैश और फॉल नैक को हाफ कट स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। ब्लैक में आप अगर इंडियन ड्रैस पहनना चाहती हैं तो वर्क वाली साडियों और डिजाइनर सूट्स एवं कुर्तियों की मार्कीट में खूब भरमार है। अगर आप स्लिम हैं तो ब्लैक शॉर्ट आऊटफिट पहन कर आप बन जाएगी सैक्सी बेब।

प्रोफैशनल वियर

अगर आप प्रोफैशनल हैं तो भी ब्लैक आपके लिए उपयुक्त कलर है। ऑफिस वियर में आप ब्लैक ट्राऊजर और साथ में व्हाइट, रैड, ग्रीन, ब्ल्यू, लैमन, पिंक, मोव किसी भी एलीगैंट कलर की शर्ट्स पहन सकती हैं। जब मौका हो किसी स्पैशल प्रैजेंटेशन का या इम्पॉर्टैंट मीटिंग का, तब आप ब्लैक एग्जीक्यूटिव स्कर्ट और ब्लेजर पहनकर सबको अपने काम के साथ-साथ अपने स्टाइल से भी इम्प्रैस कर सकती हैं।

एक्सैसरीज

एक्सैसरीज आपको सैंसेशनल लुक देती हैं। खूबसूरत और मौके के अनुसार पहनी हुई एक्सैसरी आपकी लुक में स्टाइल जोड़ती है और व्यक्तित्व को उभारती है। आप ब्लैक के साथ ब्लैक के विभिन्न शेड्स की एक्सैसरीज भी इस्तेमाल कर सकती हैं और कन्ट्रास्ट कलर्स की भी। यदि आप किसी फंक्शन में जा रही हैं और बैकलैस ड्रैस पहन रही हैं तो बैक पर टैटू बनवा सकती हैं। अगर आपकी ड्रैस का नैक डीप है तो गले में एक बड़ा स्टोन पैंडैंट पहन सकती हैं। इसे पतली चेन या ट्रांसपैरैंट थ्रैड में पहनें तो बढ़िया लगेगा। ब्लैक ड्रैस के साथ आप पर्ल या स्टोन की हल्की ज्यूलरी कैरी कर सकती हैं। ऑफिस के लिए ब्लैक पर्ल अच्छा ऑप्शन है, तो पार्टी में स्टोन ज्यूलरी ट्राई करें।

हैंडबैग

पर्स रखना फैशन से ज्यादा जरूरत बन चुका है। ऑफिस के लिए ब्लैक लैदर हैंडबैग सही रहता है। खूबसूरत ब्लैक पर्स आपके लुक को और आकर्षक बना देगा। इसमें आप अपना जरूरी सामान भी कैरी कर सकती हैं और साथ ही ये देखने में गुड लुकिंग भी होते हैं। ईवनिंग फंक्शंस में क्लासी बैग न सिर्फ पॉलिश्ड लुक देगा बल्कि आपकी लुक को भी डायनामिज्म प्रदान करेगा।

फुटवियर

ऑफिशियल आऊटफिट्स के साथ लैदर के ब्लैक शूज या ब्लैक बैलीज कंफर्टेबल रहती हैं और सुंदर भी दिखती हैं। साड़ी या सूट जैसी इंडियन ड्रैस के साथ खूबसूरत स्टोन या एम्ब्रॉयड़ी वाले फुटवियर आपके लुक को और ग्लैमरस और एलिगैंट बना देंगे। वैस्टर्न शॉर्ट ड्रैसेज के साथ ब्लैक कलर के हाई हील्स या डिजाइनर सैंडल आपको हॉट लुक देंगे।

ये हैं भारत के 5 सबसे खतरनाक एयरपोर्ट, जरा सी भी चूक बन जाती है हादसे का कारण, कई फ्लाइट हो चुकी हैं क्रैश

नेपाल में हुए प्लेन हादसे के बाद दुनिया में ऐसे एयरपोर्ट फिर से चर्चा में आ गए हैं तो टेबल टॉप हैं। यानी ऐसे एयरपोर्ट हैं जिनके रनवे के एक या दोनों और खाई हैं। पायलट की जरा सी चूक के कारण इन एयरपोर्ट पर हादसा होने का डर रहता है। भारत में भी ऐसे 5 एयरपोर्ट हैं। कई एयरपोर्ट पर हादसे हो भी चुके हैं।

नेपाल के त्रिभुवन एयरपोर्ट पर हुए विमान हादसे के बाद टेबल टॉप एयरपोर्ट (Table Top Airport) फिर से सुर्खियों में हैं। इस विमान में 19 लोग सवार थे। इनमें से 18 की मौत हो चुकी है। टेबल टॉप एयरपोर्ट वे एयरपोर्ट होते हैं जो किसी पहाड़ पर मौजूद होते हैं। इनके रनवे पर एक तरफ या दोनों तरफ गहरी खाई होती है। जब भी कोई हवाई जहाज इन एयरपोर्ट पर उतरता है या टेक ऑफ करता है तो जरा सी चूक बड़े हादसे में बदल जाती है। दुनिया में कई देशों में टेबल टॉप एयरपोर्ट हैं। भारत में भी 5 ऐसे एयरपोर्ट हैं जो टेबल टॉप एयरपोर्ट की कैटिगरी में आते हैं। **क्या होता है टेबल टॉप एयरपोर्ट**? इन एयरपोर्ट पर रनवे आम एयरपोर्ट के मुकाबले छोटा होता है। अगर पायलट सही समय पर फ्लाइट को टेक ऑफ या टच डाउन न करे तो प्लेन के खाई में गिरने की आशंका रहती है। वहीं कई बार फ्लाइट लैंड करते समय रनवे पर फिसल जाती है। इससे भी हवाई दुर्घटना होने का अंदेशा रहता है। इन एयरपोर्ट पर पायलट को काफी समझदारी दिखाने की जरूरत होती है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में बना यह एयरपोर्ट देश के सबसे खतरनाक एयरपोर्ट में से एक है। इस एयरपोर्ट का रनवे मात्र 4035 फुट (1230 मीटर) लंबा है, जबकि दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई इससे करीब 3 गुना ज्यादा है। दिल्ली एयरपोर्ट का यह रनवे 14,530 फुट लंबा है। शिमला के इस एयरपोर्ट से कई उड़ानें संचालित होती हैं। केरल का कालीकट एयरपोर्ट भी काफी खतरनाक है। इसे कोझिकोड एयरपोर्ट के नाम से भी जानते हैं। इस एयरपोर्ट का रनवे 9383 फुट (2860 मीटर) लंबा है। इस एयरपोर्ट पर अगस्त 2020 में हादसा हो चुका है। दुबई से आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट इस एयरपोर्ट पर लैंड होते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। यह फ्लाइट कोरोना के कारण दुबई में फंसे भारतीयों को लेकर आ रही थी। लैंडिंग के समय यह फ्लाइट रनवे से फिसल गई थी और करीब 30 फुट गहरी खाई में गिर गई थी। इस हादसे में दोनों पायलट और 19 यात्रियों की मौत हो गई थी। कर्नाटक में बना यह इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी प्लेन एक्सीडेंट का गवाह बन चुका है। टेबल टॉप पर बने इस एयरपोर्ट पर दो रनवे हैं। एक की लंबाई 5299 फुट (1615 मीटर) और दूसरे की लंबाई 8038 फुट (2450 मीटर) है। इस एयरपोर्ट पर वैसे तो कई हादसे हो चुके हैं लेकिन सबसे खतरनाक हादसा मई 2010 में हुआ था। एयर इंडिया की फ्लाइट दुबई से आ रही थी। यह फ्लाइट लैंड होने के बाद रनवे से आगे निकलकर एक खाई में गिर गई थी। इस हादसे में 158 यात्रियों और 6 क्रू मेंबर की मौत हो गई थी। यह एयरपोर्ट मिजोरम की राजधानी में बना है। इस एयरपोर्ट पर एक ही रनवे है जिसकी लंबाई 8200 फुट (2500 मीटर) है। इस एयरपोर्ट से दिल्ली, कोलकाता, गुवाहाटी आदि के लिए उड़ान मिलती हैं। इस एयरपोर्ट पर भी कई हादसे हुए हैं। पहला हादसा मई 2011 में हुआ था। उस समय एक ट्रेनी हवाई जहाज इस एयरपोर्ट के रनवे को पार कर खाई में गिर गया था। हालांकि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई थी। दूसरा हादसा इसी साल जनवरी में हुआ था। म्यांमार की सेना का एक प्लेन लैंडिंग के समय रनवे से फिसल गया था। इस हादसे में कुछ क्रू मेंबर घायल हो गए थे। सिक्किम का यह एयरपोर्ट भी टेबल टॉप एयरपोर्ट की लिस्ट में शामिल है।

टाटा के इस शेयर को खरीदने के लिए मची होड़, गिरते बाजार में 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंची कीमत

घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट आई है लेकिन इसके बावजूद टाटा मोटर्स का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। इसमें पांच फीसदी से अधिक तेजी आई है। जानिए देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप के इस शेयर में क्यों आई तेजी?

नई दिल्लीः घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखी जा रही है। बीएसई सेंसेक्स में कारोबार के दौरान 600 अंक से अधिक की गिरावट आई। लेकिन टाटा मोटर्स के शेयरो में गजब की तेजी दिख रही है। शुरुआती कारोबार में यह 5.25% की तेजी के साथ 1084.95 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने नोमुरा ने इस स्टॉक को अपग्रेड करते हुए इसका टारगेट प्राइस 1,294 रुपये कर दिया है। पिछले सत्र में यह 1,027.65 रुपये पर बंद हुआ था और आज सपाट इसी रेट पर खुला। लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही इसमें तेजी आई और यह 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। नोमुरा ने टाटा मोटर्स के स्टॉक को न्यूट्रल से बाय में अपग्रेड करते हुए इसका टारगेट प्राइस बढ़ा दिया। ब्रोकरेज ने कहा कि प्रीमियम से लक्जरी में बदलाव से टाटा मोटर्स की सहयोगी कंपनी जेएलआर को उच्च प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों से एक स्तर ऊपर रहने में मदद मिलेगी। भारत में, यात्री वाहनों और ईवी की मांग में कमजोरी के संकेत मिले हैं, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में Curvv और Harrier EV के लॉन्च से वॉल्यूम को समर्थन मिल सकता है। नोमुरा ने कहा कि हमने 14% पर स्थिर बाजार हिस्सेदारी को ध्यान में रखा है। हम वित्त वर्ष 2025-27 के दौरान वॉल्यूम वृद्धि को थोड़ा कम करके 6%/5%/5% और EBITDA मार्जिन को 7.3%-8% तक कम करते हैं।

शेयर मार्केट का हाल इस बीच घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को लगातार पांचवें सत्र में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के दौरान 671 अंक गिरकर 79,477.83 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 202.7 अंक फिसलकर 24,210.80 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एक्सिस बैंक के शेयर में करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाइटन के शेयर भी नुकसान में रहे।

बजट में कैंसर की दवाओं पर छूट से केवल एक कंपनी को होगा फायदा! रॉकेट बना शेयर

नई दिल्लीः हाल में पेश बजट में कैंसर की तीन दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में छूट देने की घोषणा की थी। लेकिन इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे केवल एक मल्टीनेशनल कंपनी एस्ट्राजेनेका को ही फायदा होगा। उनका कहना है कि यह छूट कैंसर दवाओं की पूरी कैटगरी या क्लास पर लागू नहीं होती है और इससे प्रत्येक शीशी/स्ट्रिप पर औसतन 18,000 रुपये का मामूली फायदा होगा। पिछले दो दिनों में एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया के शेयरों में बीएसई पर 13% से अधिक तेजी आई है। हालांकि आज शुरुआती कारोबार में इसमें एक फीसदी से अधिक गिरावट देखी जा रही है। सुबह 10.15 बजे यह 1.40% की गिरावट के साथ 6977.25 अंक पर ट्रेड कर रहा है। फार्मा इंडस्ट्री, पेशंट ग्रुप और बायोकॉन जैसी घरेलू फार्मा कंपनियों ने कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के इलाज में काम आने वाली दवाओं पर जीएसटी हटाने की मांग की है। उनका तर्क है कि इससे मरीजों और हेल्थकेयर सिस्टम को अधिक प्रभावी ढंग से सहायता मिलेगी। एक एमएनसी कंपनी के अधिकारी ने कहा कि कस्टम ड्यूटी में छूट सभी कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की सभी इंपोर्टेड दवाओं पर लागू की जानी चाहिए। इसे केवल एक कैटगरी तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। बजट में कैंसर की तीन दवाओं Trastuzumab Deruxtecan, Osimertinib और Durvalumab को 10% सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया गया है। Trastuzumab Deruxtecan स्तन कैंसर की दवा है, Osimertinib फेफड़ों के कैंसर की दवा है और Durvalumab फेफड़ों और पित्त नली के कैंसर के इलाज में काम आती है बायोकॉन और बायोकॉन बायोलॉजिक्स की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ ने कहा कि तीन कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने से कैंसर रोगियों को राहत मिलेगी(

Sanstar IPO में आपने भी किया है अप्लाय तो ऐसे चेक करें अलॉटमेंट स्टेटस, ग्रे मार्केट में मचा रहा है धमाल

सनस्टार लिमिटेड के आईपीओ में आपने भी पैसे लगाए हैं तो आज जान सकते हैं कि आपको शेयर मिले हैं या नहीं। इसका अलॉटमेंट स्टेटस तय किया जा चुका है। जिन निवेशकों ने सनस्टार लिमिटेड के आईपीओ को अप्लाई किया है, वे इश्यू के रजिस्ट्रार पोर्टल इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर अपना अलॉटमेंट स्टेटस चेक कर सकते हैं।

नई दिल्लीः सनस्टार लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) में आपने भी पैसे लगाए हैं तो आपके इंतजार की घड़ियां खत्म हो चुकी हैं। इसका अलॉटमेंट स्टेटस तय किया जा चुका है। हम बता रहे हैं इस आईपीओ के अलॉटमेंट स्टेटस जानने का तरीका। प्लांट बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी के आईपीओ को करीब 83 गुना सब्सक्राइब किया गया है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को 35 फीसदी का शानदार प्रीमियम मिल रहा है।

कब खुला था आईपीओ सनस्टार आईपीओ (Sanstar IPO) सब्सक्रिप्शन के लिए बीते 19 जुलाई को खुला था। इसमें 23 जुलाई तक निवेशकों को बोली लगाने का मौका मिला था। सनस्टार ने अपने 510 करोड़ रुपये के आईपीओ (IPO) के लिए एक शेयर का प्राइस बैंड 90-95 रुपये पर फिक्स किया था और इस शेयर का दाम 95 रुपये तय किया गया है। इसके शेयर BSE और NSE पर कल यानी 26 जुलाई को लिस्ट होंगे।

निवेशकों से मिला था तगड़ा रिस्पांस सनस्टार लिमिटेड के आईपीओ को निवेशकों से तगड़ा रिस्पांस मिला था। इसमें बोली लगाने के अंतिम दिन निवेशकों ने 82.99 गुना सब्सक्राइब किया था। इसमें क्यूआईबी कैटेगरी में 145.68 गुना, एनआईआई कैटेगरी में 136.49 गुना और रिटेल कैटेगरी में 24.23 गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला है।

ग्रे बाजार में क्या है प्रीमियम

ग्रे बाजार में सनस्टार आईपीओ को तगड़ा रिस्पॉन्स मिल रहा है। आज यानी 25 जुलाई को ग्रे मार्केट में इस शेयर का दाम 129 रुपये कोट किया जा रहा था। मतलब कि 95 रुपये के शेयर पर 34 रुपये या 35.79 फीसदी का मुनाफा।

सनस्टार आईपीओ अलॉटमेंट स्टेटस कैसे चेक करें

Sanstar IPO को अप्लाई करने वाले इन्वेस्टर्स आईपीओ रजिस्ट्रार की वेबसाइट https://linkintime.co.in/initial_offer/public-issues.html पर ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

BSE पर अलॉटमेंट चेक कैसे करें? 1.Sanstar IPO या किसी भी कंपनी के IPO का अलॉटमेंट चेक करने के लिए आप सबसे पहले BSE की ऑफिशियल वेबसाइट https://www.bseindia.com/investors/appli_check.aspx पर जाएं। 2. वेबसाइट पर जाने के बाद आपके सामने Issue Type के तहत दो ऑप्शंस आएंगे। आपको इसमें Equity पर क्लिक करना है। 3. इसके बाद अगला ऑप्शन issue name के नाम से आएगा। इसमें आपको इश्यू यानी अपने IPO का नाम सेलेक्ट करना है।

इस एयरलाइंस ने शुरू की नई बिजनेस क्लास, किराया IndiGo से 23 गुना ज्यादा, जानें क्या है इसमें ऐसा खास?

कतर एयरवेज ने यात्रियों को नया अनुभव देने के लिए बिजनेस क्लास में नया सुइट शुरू किया है। कंपनी ने इसे क्यूसुइट नाम दिया है। एयरलाइंस का दावा है कि इसमें कई ऐसी सुविधाएं हैं जो किसी दूसरी एयरलाइंस में नहीं हैं। हालांकि इसका किराया दूसरी एयरलाइंस कंपनियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

नई दिल्लीः दुनिया की सबसे बेहतर सुविधा देने वाली एयरलाइंस में से एक कतर एयरवेज ने एक नई बिजनेस क्लास (Business Class) शुरू की है। इस क्लास का नाम क्यूसुइट (Qsuite) है। इस क्लास को बेस्ट बिजनेस क्लास का अवॉर्ड मिला है। इसमें मिलने वाली सुविधाओं के आगे 5 स्टार होटल भी फेल हैं। यह क्लास दिखने में जितनी लग्जरी है, किराया भी उतना ही ज्यादा है। इस क्लास की विडियो कतर एयरवेज से अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट की है। इसमें आप इस सुइट की खूबसूरती और सुविधाओं को देख सकते हैं। फोर्ब्स में प्रकाशित खबर के अनुसार इस Qsuite के बारे के बारे में एयरलाइंस ने साल 2017 में दुनिया को रू-ब-रू कराया था। अब इसे हवाई यात्रियों के लिए शुरू कर दिया है। कैंसिल, कैंसिल, कैंसिल... ये घरेलू उड़ानों का रिकॉर्ड है या किसी लोन का आवेदन, भेजा फ्राई आंकड़े! **दिल्ली से लंदन तक का किराया जानकर उड़ जाएंगे होश**

हमने इस एयरलाइंस के किराए को चेक किया तो पता चला कि यह तो होश उड़ा देने वाला है। कतर एयरवेज की ऑफिशल वेबसाइट के अनुसार एक अगस्त को दिल्ली से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट तक का अधिकतम किराया इस क्लास में करीब 4.70 लाख रुपये है। करीब 15 घंटे के इस सफर में फ्लाइट का एक स्टॉपेज है जो दोहा में है। यहां से ब्रिटिश एयरवेज की कनेक्टिंग फ्लाइट है। वहीं मेक माई ट्रिप वेबसाइट पर इंडिगो की ऐसी ही कनेक्टिंग फ्लाइट का एक अगस्त को दिल्ली से लंदन तक का किराया 20103 रुपये है। ऐसे में देखा जाए तो कतर एयरवेज की इस फ्लाइट का किराया इंडिगो की फ्लाइट से करीब 23 गुना ज्यादा है। **सीटों को जोड़कर बना सकते हैं डबल बेड** कतर एयरवेज ने इस क्यूसुइट को Qsuite Next Gen नाम दिया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस सुइट में यात्रियों को सफर का ऐसा अनुभव मिलेगा जो पहले कभी नहीं रहा। इसकी सीटें काफी बड़ी और चौड़ी हैं ताकि यात्री आराम से सफर कर सकें। दो सीटों को जोड़कर डबल बेड बना सकते हैं और आराम से सो सकते हैं।

टेक्नॉलजी का जबरदस्त इस्तेमाल इसमें Panasonic कंपनी का 22 इंच का 4K OLED टीवी लगा है जिसे किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं। एयरलाइंस का दावा है कि टीवी स्क्रीन में इस टेक्नॉलजी का इस्तेमाल कतर एयरवेज के अलावा दुनिया की और कोई एयरलाइंस कंपनी नहीं कर रही है। टीवी को अपने हेडफोन के ब्लूटूथ से कनेक्ट कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें वायरलेस चार्जिंग और 110v का मल्टीकंट्री सॉकेट दिया है। इस सुइट में यात्रियों की सेफ्टी और प्राइवेसी का भी पूरा ध्यान रखा गया है। टेक्नॉलजी से भरपूर यहां ऐसे बॉक्स हैं जिनमें आप अपना कीमती सामान रख सकते हैं। यहां पर तरह-तरह की लाइट का भी लुत्फ उठा सकते है। इन लाइट का कलर अपने मूड के हिसाब से बदल सकते हैं। प्राइवेसी के लिए इसमें दीवारों को बड़ा रखा गया है। कतर एयरवेज का कहना है इसे लेटेस्ट टेक्नॉलजी से अपग्रेड किया गया है। जल्दी की इस एयरलाइंस को एलन मस्क की कंपनी का भी साथ मिलने वाला है। दरअसल, कतर एयरवेज एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की वाई-फाई सुविधाएं अपनी एयरलाइंस में देने की योजना बना रही है। इससे यात्रियों को हवा में वाई-फाई की सुविधा मिलेगी।

बजट का एक फैसला और दुकानों पर लगने लगी खरीदारों की भीड़, कारीगरों की छुट्टी तक कैंसिल कर दी

बजट में सोने और चांदी पर आयात शुल्क घटाने से जुड़ा एक फैसला हुआ। इसके बाद बाजारों में सोने और चांदी के जेवर खरीदने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति यह है कि ज्वैलर्स ने अपने कारीगरों की छुट्टी रद्द कर उन्हें नया माल तैयार करने पर लगा दिया।

नई दिल्लीः सरकार ने बजट में ऐसा एक प्रस्ताव कर दिया, जिससे देश भर में सोने-चांदी की दुकानों पर बे-मौसम की भीड़ उमड़ पड़ी है। जी हां, सरकार ने बजट 2024 में एक प्रस्ताव के जरिये सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी में 6 फीसदी की तगड़ी कटौती कर दी है। इसके बाद ज्वैलरी स्टोर्स में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। स्थिति यह हो गई है सुबह दुकान खुलने से लेकर रात में दुकान समेटने तक ग्राहकों का तांता लगा हुआ है। स्थिति यह है कि ज्वैलर्स अपने कारीगरों की छुट्टी कैंसिल कर थोक भाव में नए गहने गढ़वा रहे हैं। इस समय सावन का महीना चल रहा है। इसके बाद भादो आएगा। भारत में आमतौर पर सावन-भादो में शादी या कोई मंगल कार्य नहीं होते। ये दो महीने बीतने के बाद त्योहारी मौसम भी शुरू होगा और शादी-ब्याह का मौसम भी। लेकिन लोग अभी से ही इसकी खरीदारी करने लगे हैं। दरअसल, बजट में सोने की आयात ड्यूटी में कटौती के बाद सोना प्रति 10 ग्राम चार हजार रुपये सस्ता हो गया है। चांदी भी प्रति किलो करीब 5000 रुपये सस्ती हुई है। लोगों को लगा रहा है कि दो महीने बाद कहीं फिर से सोने-चांदी की कीमत नहीं बढ़ जाए। इसलिए शादी के सीज़न की शुरुआत से पहले सोने की खरीदारी में तेजी आई है।

दुकानों पर उमड़ी खरीदारों की भीड़ हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय चाहे दिल्ली हो या मुंबई, ज्वेलरी स्टोर्स पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। ग्राहकों को लग रहा है कि सोना सस्ता होने से वे अपनी मनपसंद ज्वेलरी खरीद पाएंगे। वहीं, ज्वेलर्स का मानना है कि मांग में अचानक आई तेजी से सरकार फिर से ड्यूटी बढ़ा सकती है, इस डर से लोग जल्दी से खरीदारी कर रहे हैं। तभी तो बजट पेश होने के बाद मंगलवार शाम से ही बुलियन मार्केट में ग्राहकों का ज्वेलरी स्टोर्स पर तांता लगा हुआ है। **20 फीसदी बढ़ गई है बिक्री** पिछले छह महीनों से सोने की रिकॉर्ड कीमतों के कारण 74,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुँचने के कारण उनके बजट से बाहर थी। अब ड्यूटी में कटौती के बाद से रोजाना मांग में 20% तक की बढ़ोतरी हो गई है। उत्साहित ज्वेलर्स ग्राहकों को संदेश भेज रहे हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके उन्हें कीमतों में बदलाव के बारे में जागरूक कर रहे हैं। बताया जाता है कि ग्राहक ग्राहक आगामी नवंबर और दिसंबर में होने वाली शादियों के लिए भारी ज्वेलरी के ऑर्डर दे रहे हैं। कुछ लोग आगामी धनतेरस और दिवाली के त्योहारों के लिए ऑर्डर दे रहे हैं। ड्यूटी में कटौती के बाद ज्वेलर्स सोने के लिए एडवांस बुकिंग स्कीम भी लेकर आए हैं। दुकानों में बिक्री बढ़ने के साथ ही ज्वेलर्स ने कारीगरों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ज्वेलर्स को उम्मीद है कि इस त्योहारी सीजन में भी यह तेजी बनी रहेगी।

आज V-Mart Retail, Gravita India समेत ये शेयर भरेंगे झोली, तेजी के संकेत

दलाल स्ट्रीट पर बुधवार को लगातार चौथे सत्र में नरमी देखने को मिली थी। बंबई शेयर बाजार (BSE) का सेंसेक्स 280.16 अंक की गिरावट के साथ 80,148.88 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी भी 65.55 अंक फिसलकर 24,413.50 अंक पर बंद हुआ था।

नई दिल्लीः स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट आई थी। सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) और शॉर्ट-टर्म गेन टैक्स में बढ़ोतरी से निवेशकों का मूड बिगड़ा रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 280.16 अंक यानी 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 80,148.88 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 678.53 अंक तक फिसलकर 79,750.51 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 65.55 अंक यानी 0.27 फीसदी गिरकर 24,413.50 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व में नतीजे उम्मादों के मुताबिक नहीं रहने से दो फीसदी की गिरावट आई थी। बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, अडानी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए थे। इसके उलट टेक महिंद्रा, आईटीसी, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और सन फार्मा के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए थे। बजट में तंबाकू उत्पादों पर कोई नया कर नहीं लगाने की घोषणा से आईटीसी के शेयर 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। मोमेंटम इंडिकेटर मूविंग एवरेज कन्वर्जेंस डिवर्जेंस (MACD) ने V-Mart Retail, Gravita India, JK Cement, EMS, GlaxoSmithKline Pharmaceuticals और Genesys International Corporation पर तेजी का रुख दिखाया है। एमएसीडी को ट्रेडेड सिक्योरिटीज या इंडेक्स में ट्रेंड रिवर्सल के संकेत के लिए जाना जाता है। जब एमएसीडी सिग्नल लाइन को पार करता है, तो यह एक तेजी का संकेत देता है। यह दर्शाता है कि शेयर की कीमत में ऊपर की ओर गति देखी जा सकती है। इसी तरह यह मंदी का भी संकेत देता है। एमएसीडी (MACD) ने Bajaj Holding & Investment, Neuland Laboratories, Inox Wind Energy, Awfis Space Solutions और Max Estates के शेयर में मंदी का संकेत दिया है। इसका मतलब है कि अब इन शेयरों में गिरावट शुरू हो गई है। जिन शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिल रही है।

2 लाख से 10000000000 का साम्राज्य खड़ा करने वाली यह महिला

मीरा कुलकर्णी ने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया। 45 साल की उम्र में उन्होंने कैंडल और हैंडमेड साबुन बनाने के अपने शौक को कारोबार में तब्दील किया। वह फॉरेस्ट एसेंशियल्स की सीएमडी हैं। इस कंपनी की नींव उन्होंने 24 साल पहले रखी थी।

नई दिल्लीः मीरा कुलकर्णी फॉरेस्ट एसेंशियल्स की संस्थापक और सीएमडी हैं। उनकी सफलता के सफर में कदम-कदम पर बाधाएं आईं। लेकिन, वह उनसे जरा भी नहीं घबराईं। 28 साल की उम्र में अपने माता-पिता को खो देने के बाद मीरा कुलकर्णी ने दो लाख रुपये से एक व्यवसाय शुरू किया। यह अब 10,000 करोड़ रुपये का साम्राज्य बन गया है। फॉर्च्यून पत्रिका उन्हें 'भारत में कारोबार की सबसे शक्तिशाली महिलाओं' में से एक का खिताब देती रही है। आइए, यहां मीरा कुलकर्णी के बारे में जानते हैं। **टूट गई शादी, माता-पिता नहीं रहे** मीरा की कहानी कठिनाइयों और दृढ़ता का प्रमाण है। पति के व्यापारिक संकटों और शराब की लत के कारण शादी टूटने के बाद मीरा अपने दो छोटे बच्चों के साथ माता-पिता के घर वापस चली आई थीं। फिर उन्हें 28 साल की उम्र में अपने माता-पिता दोनों को खो देने का दुख झेलना पड़ा। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह अकेली रह गईं। लेकिन, मीरा ने हार नहीं मानी। हर चुनौती का सामना पूरे साहस से किया। **छोटे से गैरेज से शुरू की कंपनी** 45 साल की उम्र में बेटी की शादी के बाद मीरा को मोमबत्तियां और हाथ से बने साबुन का शौक हुआ। यह शौक आगे चलकर एक व्यावसायिक विचार में बदल गया और 2000 में उन्होंने फॉरेस्ट एसेंशियल्स की स्थापना की। सिर्फ दो लाख रुपये और एक छोटे से गैरेज में दो कर्मचारियों के साथ शुरुआत करके मीरा ने नैचुरल इंग्रीडिएंट्स पर फोकस किया। आयुर्वेद का उपयोग करके अपने उत्पादों को खास बनाया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और कंपनी तेजी से बढ़ी। आज फॉरेस्ट एसेंशियल्स भारत के 28 शहरों में फैली हुई है। यह कई करोड़ का व्यवसाय बन गई है। **करोड़ों की बन गईं मालकिन** 2008 में एस्टी लॉडर कंपनीज ने फॉरेस्ट एसेंशियल्स में हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर महत्वपूर्ण साझेदारी की। हयात और ताज जैसी प्रतिष्ठित होटल श्रृंखलाओं के साथ कोलैबरेशन ने ब्रांड की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया। कोटक वेल्थ हुरुन के 2020 के संस्करण के अनुसार, मीरा की कुल संपत्ति 1,290 करोड़ रुपये थी। फॉरेस्ट एसेंशियल्स के अब भारत में 110 से ज़्यादा स्टोर हैं। यह

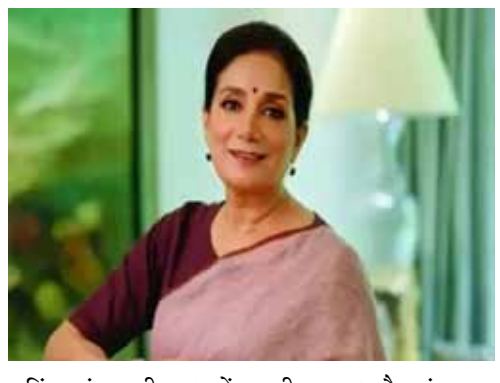

चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर भी उपलब्ध है। ब्रांड ताज और हयात जैसी लग्जरी होटल श्रृंखलाओं के साथ-साथ दुनिया भर के हाई-एंड स्पा को अपने उत्पाद प्रदान करता है। **कड़ी मेहनत सफलता का मंत्र** मीरा कुलकर्णी की कहानी दिखाती है कि कैसे कड़ी मेहनत और दृढ़ता से सपने हकीकत में बदल सकते हैं। चुनौतियों का डटकर सामना करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने की उनकी अटूट भावना ने उन्हें एक सफल उद्यमी बना दिया है। उनकी यात्रा दूसरों को प्रेरित करती है कि वे अपने सपनों का पीछा करें और बाधाओं को खुद को परिभाषित न करने दें।

एक नजर.....

अमेरिका की संसद में गरजे इजरायली पीएम नेतन्याहू, कट्टर दुश्मन ईरान से निपटने के लिए दिया बड़ा प्रस्ताव

वॉशिंगटनः इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ईरान के खिलाफ जोरदार हमला बोला। नेतन्याहू ने ईरान के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक क्षेत्रीय गठबंधन के गठन का प्रस्ताव रखा। नेतन्याहू ने इसे अब्राहम गठबंधन नाम दिया है। नेतन्याहू ने कहा, 'मेरे पास इस गठबंधन के लिए एक नाम है। मुझे लगता है कि हमें इसे अब्राहम गठबंधन कहना चाहिए।' उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ही इजरायल और दूसरी क्षेत्रीय ताकतों के साथ रिश्तों को शुरू करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी धन्यवाद दिया। नेतन्याहू पहले ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्होंने अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ कॉमन्स) की संयुक्त बैठक को रिकॉर्ड चौथी बार संबोधित किया है। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने तीन बार संबोधन किया था। अपने संबोधन में नेतन्याहू ने अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'जब हम सभी मोर्चों पर अपना बचाव कर रहे हैं, तो मुझे पता है कि अमेरिका हमारे साथ है। और मैं इसके लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं।' ***ईरान को बताया आतंक की धुरी*** *नेतन्याहू ने संबोधन में कहा कि इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका और अरब दुनिया ईरान की आतंक की धुरी से खतरे में है। उन्होंने कहा, 'हमारी दुनिया उथल-पुथल में है। मध्य पूर्व में ईरान की आतंक की धुरी अमेरिका, इजरायल और हमारे अरब मित्रों से टकरा रही है। यह सभ्यताओं का टकराव नहीं है। यह बर्बरता और सभ्यता के बीच का टकराव है।' इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, 'सभ्यता की ताकतों की जीत के लिए अमेरिका और इजरायल को एक साथ खड़ा होना चाहिए।' इजरायल नहीं अमेरिका के साथ ईरान का युद्ध नेतन्याहू ने दावा किया कि अधिकांश अमेरिकी इजरायल का समर्थन करते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'असल में सभी आतंकवाद, सभी उथल-पुथल, अराजकता और सभी हत्याओं के पीछे ईरान है।' यह पश्चिमी सभ्यता का संरक्षक अमेरिका है, जो दुनिया पर कट्टरपंथी इस्लाम थोपने की ईरान की पागलपन भरी योजनाओं के रास्ते में खड़ा है। नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि 'इजरायल ईरान के लिए केवल एक उपकरण है।*

भारत ने पड़ोस में दी चीन को बड़ी मात, बांग्लादेश के अहम बंदरगाह पर मिला संचालन का अधिकार, बदल जाएगा खेल

अमेरिका ने भारत की यात्रा को लेकर एक नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में अमेरिकी नागरिकों को मणिपुर और जम्मू और कश्मीर की यात्रा न करने को कहा गया है। इस एडवाइजरी में भारत में आतंकवादी और नक्सली हिंसा की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा भारत में बढ़ते यौन अपराधों को लेकर भी सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

वॉशिंगटनः अमेरिका ने अपने नागरिकों से मणिपुर, जम्मू-कश्मीर, भारत-पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्रों और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में नहीं जाने को कहा है, जहां आतंकवादी और नक्सली सक्रिय हैं। भारत के लिए संशोधित यात्रा परामर्श में अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर राज्यों की जानकारी के साथ इसे अपडेट किया है। परामर्श में कहा गया है, ''अपराध और आतंकवाद, नक्सलवाद के कारण भारत में अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में जोखिम बढ़ गया है। कुल मिलाकर भारत को लेवल दो पर रखा गया है। लेकिन देश के कई हिस्सों को लेवल चार पर रखा गया है जैसे जम्मू और कश्मीर, भारत-पाक सीमा, मणिपुर और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्से।'' अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, ''आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह को छोड़कर), सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर, नक्सलवाद, उग्रवाद के कारण मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों तथा हिंसा और अपराध के कारण मणिपुर की यात्रा ना करें।'' **पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा न करने की सलाह** परामर्श में अमेरिकियों को आतंकवाद और हिंसा के कारण पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की गई है। यात्रा परामर्श में कहा गया है, ''भारतीय अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न जैसे हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य स्थानों पर हुए हैं। आतंकवादी कभी भी हमला कर सकते हैं। वे पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं।'' **भारत को लेकर सलाह में यह कहा गया** विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिकी सरकार के पास ग्रामीण क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की सीमित क्षमता है। ये क्षेत्र पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना से लेकर पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक फैले हुए हैं। परामर्श में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों को इन क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए विशेष अनुमति लेनी होगी।

हिमालय से चीन के परमाणु बम पर नजर रखना चाहता था अमेरिका, 26000 फुट पर भेजी खतरनाक डिवाइस

1965 के भारत और पाकिस्तान के युद्ध के समय चीन के परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की जानकारी अमेरिका के हाथ लगी थी। अमेरिका चाहता था कि चीन के कार्यक्रम पर नजर रखी जाए। अमेरिका ने इसके लिए भारत से मदद मांगी और हिमायल की चोटी पर एक उपकरण लगाना तय हुआ।

बीजिंगः अमेरिका और भारत ने 60 के दशक में चीन के परमाणु कार्यक्रम पर नजर रखने के लिए एक खास प्लान बनाया था। दोनों देशों के जासूसों ने चीन के खिलाफ सीक्रेट मिशन को अंजाम देने के लिए पर्वतारोहियों की मदद ली थी। चीन पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख पर्वत शिखर पर परमाणु ऊर्जा से चलने वाला निगरानी डिवाइस लगाया जाना तय किया गया। तिब्बती पठार के उत्तर में चीन के झिंजियांग प्रांत के नमक के रेगिस्तान थे। यहीं पर चीन सरकार ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए परीक्षण रेंज बनाए थे। इसी पर अमेरिका नजर रखना चाहता था। साल 1965 में ये प्लान जमीन पर उतारा जाना था। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वायु सेना के उस समय के चीफ ऑफ स्टाफ कर्टिस लेमे ने चीन के परमाणु परीक्षणों पर नजर रखने का प्लान तैयार किया था। अमेरिका ने भारत की मदद से चीन के परमाणु कार्यक्रम के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए हिमालय पर्वत के ऊपर निगरानी उपकरण की योजना बनाई। इस मिशन के लिए एक विशिष्ट भारतीय पर्वतारोही मनमोहन 'मोहन' सिंह कोहली को भर्ती किया गया था। कोहली को 1962 के चीन युद्ध के दौरान उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया गया था। कोहली के साथ 14 अमेरिकी और चार भारतीय पर्वतारोहियों का एक समूह था।

27 हजार फुट पर लगानी थी डिवाइस अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी चाहती थी कि निगरानी डिवाइस को 27,500 फुट की ऊंचाई पर रखा जाए। कोहली ने पाया कि इसके लिए दुनिया का तीसरा सबसे ऊंचा पर्वत कंचनजंगा सही जगह थी। यह नेपाल और सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है और निगरानी उपकरण लेकर चलना पर्वतारोहियों के लिए बहुत मुश्किल था। कोहली ने तत्कालीन भारतीय जासूस आर एन काओ से अपनी चिंता बताई। आखिर में तय हुआ कि पर्वतारोहियों का ये ग्रुप नंदा देवी पर चढ़ें। ये 25,645 फुट की ऊंचाई पर है और मध्य हिमालय में सुरक्षित जगह है।

अफगानिस्तान से चीन ने निकालना शुरू कयिा 'खजाना', तालिबान भी होगा मालामाल, ड्रैगन का प्लान कामयाब

अफगानिस्तान में मौजूद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी तांबे की खदान में खनन परियोजना बुधवार को शुरू हो गई। बुधवार को एक समारोह में चीनी राजनयिकों और तालिबान अधिकारियों की मौजूदगी में इसकी शुरुआत हुई। कार्यक्रम में तालिबान के आर्थिक मामलों के उप प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर भी शामिल हुए।

काबुलः तालिबान के शासन में आने के बाद अफगानिस्तान के सबसे बड़े खजाने को निकालने का काम चीन ने शुरू कर दिया है। चीनी इंजीनियरों और तालिबान सरकार ने बुधवार को अफगानिस्तान में मौजूद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तांबे के भंडार के खनन पर काम शुरू किया। अनुमान है कि काबुल से 40 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित मेस आयनक में 1.15 करोड़ टन तांबे का भंडार है। इलेक्ट्रॉनिक्स की वस्तुओं में इस्तेमाल होने के चलते इसकी कीमत तेजी से बढ़ती है। साल 2008 में चीन की सरकारी कंपनी ने 3 अरब डॉलर के सौदे के तहत इस भंडार के खनन का अधिकार हासिल किया था, लेकिन अफगानिस्तान में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन और तालिबान विद्रोहियों के बीच युद्ध के कारण इसे कभी शुरू नहीं किया जा सका था।

बुधवार को शुरू हुआ परियोजना पर काम

पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, बुधवार को खननकर्ताओं ने दूरस्थ साइट पर काम शुरू किया। इस मौके पर आयोजित समारोह में तालिबान के अधिकारियों ने बीजिंग के राजनयिकों और व्यापारियों के साथ हिस्सा लिया। इसमें तालिबान सरकार में आर्थिक मामलों में उप प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर भी शामिल थे। बरादर ने वहां मौजूद लोगों से परियोजना के शुरू होने में हुई देरी की भरपाई के लिए तेजी काम करने की अपील की। अगस्त 2021 में अमेरिका और उसके सहयोगियों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से अफगानिस्तान में हिंसा में कमी आई है। देश में अधिकांश विद्रोहियों पर नियंत्रण हासिल करने के बाद अब तालिबान सरकार अफगानस्तान के प्राकृतिक संसाधनों के विशाल भंडार का दोहन करने के लिए तेजी से कदम बढा रही है। तालिबान अधिकारियों ने कहा है कि चीन का मेटलर्जिकल ग्रुप कॉर्पोरेशन खनन के काम में लगा है और पहला तांबा निकाले जाने में कम से कम दो साल लगेंगे। तांबे के इस विशाल भंडार से चीन ही नहीं, तालिबान के भी मालामाल होने की उम्मीद है। मई में तांबे की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं।

भारत में 18 साल बाद दिखा शनि के चंद्रग्रहण का दुर्लभ नजारा, चंद्रमा के पीछे छिप गया शनि, सामने आया विडियो

बुधवार की रात भारत में खगोलविदों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों ने 18 साल शनि के चंद्रग्रहण की दुर्लभ घटना का नजारा देखा। इस खगोलीय घटना को देखने के लिए खगोलविदों ने नई दिल्ली और कोलकाता शहर में खास तैयारी की थी। खगोलविद लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

नई दिल्लीः खगोल विज्ञानी और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वाले बुधवार (24-25 जुलाई) की रात को एक दुर्लभ खगोलीय घटना के गवाह बने। बुधवार रात को शनि के चंद्रग्रहण को भारत के कई हिस्सों में देखा गया। शनि का चंद्रग्रहण तब होता है, जब चंद्रमा शनि के ठीक सामने से गुजरता है। इस दौरान हमारे सौरमंडल का छल्ले वाला ग्रह कुछ समय के लिए दिखाई नहीं देता है। वैज्ञानिक इसे लूनर ऑकल्टेशन ऑफ सैटर्न कहते हैं। इस दुर्लभ खगोलीय घटना का देश के अलग-अलग हिस्सों खगोलविदों ने दीदार किया। भारत में 18 साल बाद इस दुर्लभ नजारे को देखा गया।

अंतरिक्ष में दिखा शानदार नजारा शनि के चंद्र ग्रहण ने अंतरिक्ष में एक शानदार नजारा पेश किया। चंद्रमा और शनि का एक सीध में आना इसे देखने वालों के लिए जितना आश्चर्यजनक था, खगोलविदों के लिए भी यह उतनी ही महत्वपूर्ण घटना है। शनि के चंद्रग्रहण ने वैज्ञानिकों के लिए इससे अध्ययन का एक सुनहरा मौका दिया है, जिससे अंतरिक्ष की पेचीदगी और शनि की दृश्यता के बारे में जानने का मौका मिला है। **दिल्ली और कोलकाता में देखा गया नजारा** दुर्लभ खगोलीय घटना की एक झलक पाने के लिए पूरे देश में खगोलशास्त्रियों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों ने अपनी दूरबीनें लगाई थीं। राजधानी दिल्ली में इंडिया गेट का क्षेत्र इसके लिए प्रमुख स्थल के रूप में सामने आया।

वहीं, कोलकाता में इसे देखने के लिए बड़ी भीड़ जमा हुई। शनि का ग्रहण सौर मंडल के पिंडों की जटिल आकाशीय चाल का सामने लाता है। इस तरह की घटना को देखने के लिए खगोलशास्त्री बेसब्री से इंतजार करते हैं।

भारत में कब लगेगा सूर्य ग्रहण, अमेरिका को करना होगा 20 साल का इंतजार भारत में 18 साल बाद इस दुर्लभ खगोलीय घटना का दीदार किया गया। इस घटना को देखने का सबसे अच्छा समय शुरुआत और अंत में होता है जब शनि और चंद्रमा दोनों गति में होते हैं। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अलावा इसे पूर्वी अफ्रीका और मेडागास्कर, उत्तर-पश्चिम इंडोनेशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन और मंगोलिया के हिस्सों में देखा गया।

नेपाल विमान हादसे के पीछे क्या चीन जिम्मेदार? एक खास शख्स के लिए नेपाली एयर लाइंस इंडस्ट्री पर खतरा

नेपाल के काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी एयरलाइंस का विमान उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही क्रैश हो गया था। विमान टेस्टिंग के लिए जा रहा था और इसमें एयरलाइंस के कर्मचारी सवार थे। हादसे में 18 लोग मारे गए थे, जिसमें कर्मचारी का एक बच्चा भी शामिल था।

काठमांडूः नेपाल में बुधवार को विमान हादसे के बाद सूत्रों ने देश के विमानन क्षेत्र की खराब स्थिति के लिए नेपाल नागरिक विमानन प्राधिकरण (CAAN) के नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया है। इसके साथ ही इसमें चीन की भूमिका पर भी सवालों के घेरे में हैं। बुधवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही नेपाल की एक निजी एयरलाइंस का विमान क्रैश हो गया था। हादसे में विमान में सवार 18 लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल था, जो एयरलाइंस के कर्मचारी का बेटा बताया गया है। हादसे में एकमात्र पायलट को ही बचाया जा सका है। न्यूज 18 ने विमानन क्षेत्र के सूत्र के हवाले से बताया कि नेपाल में नए बने हवाई अड्डों में तकनीकी गड़बड़ियां आम बात हैं, क्योंकि सीएएएन के एक प्रमुख व्यक्ति को फायदा पहुंचाने के लिए चीन ने जल्दी काम पूरा कर लिया है। सूत्र ने बताया कि पोखरा हवाई अड्डा अभी तैयार नहीं है लेकिन सीएएएन के शीर्ष पर बैठे एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए इसे जल्दी सौंप दिया गया। हवाई अड्डे को चालू दिखाने के लिए गैर जरूरी उड़ानों को भी इस ओर मोड़ दिया जाता है।

दो साल में दो बड़े हादसे साल 2023 के जनवरी में पोखरा एयरपोर्ट पर उतरने के कुछ क्षण पहले ही एक विमान क्रैश हो गया था, जिसमें 72 लोग मारे गए थे। सूत्रों के अनुसार, पोखरा में बीते साल हुआ विमान हादसा और बुधवार की दुर्घटना सीएएएन के लापरवाह रवैये के कारण हुई है। सूत्रों ने बताया कि 'तमाम कोशिशों के बावजूद पोखरा हवाई हवाई अड्डे से साथ घरेली और चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित हो रही हैं। सरकार जानती है कि ये हवाई अड्डा पूरी तरह से चालू नहीं है और इसकी सेवाएं भी त्रिभुवन हवाई अड्डे जितनी तेज नहीं हैं।'

पीएम मोदी की मास्को यात्रा से बौखलाए यूक्रेनी, S-400 की खुफिया डिटेल लीक की, रूस ने की मिसाइल सप्लाई

भारत और रूस के बीच एस 400 मिसाइल डील को लेकर साल 2018 में समझौता हुआ था। यूक्रेन के हैकरों ने अब इस मिसाइल सिस्टम की कई जानकारी को लीक कर दिया है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी की मास्को यात्रा के बाद यूक्रेन के हैकरों ने यह घटिया हरकत की है।

मास्कोः पीएम मोदी की मास्को यात्रा से बौखलाए यूक्रेन के हैकरों ने बहुत गिरी हुई हरकत की है। यूक्रेन के हैकरों ने 15 जुलाई को भारत और रूस दोस्त की मिसाल कहे जाने वाले एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की बेहद गोपनीय डिटेल को लीक करने का दावा किया है। इसका खुलासा ऐसे समय पर कयिा गया है जब पीएम मोदी के दबाव के बाद रूस ने भारत को एस 400 सिस्टम की 400 किमी तक मार करने वाली मिसाइल की सप्लाई शुरू कर दी है। रूस ने इस सौदे का पूरा डिटेल भारत को ईमेल करके भेज दिया था। इस ईमेल को यूक्रेन के हैकरों ने इंटरनैशनल इंटेलिजेंस कम्युनिटी इनफार्मनापाल्म की मदद से इस ईमेल को हैक कर लिया और भारत को भेजे जाने वाले कई हथियारों की डिटेल को हासिल कर लिया। अब यूक्रेनी हैकरों ने इस बेहद संवेदनशील सूचना को सार्वजनिक करने का दावा किया है जिसका फायदा चीन और पाकिस्तान जैसे भारत के दुश्मन उठा सकते हैं। हालांकि अभी तक यूक्रेनी हैकरों के इस दावे की भारत या रूस ने पुष्टि नहीं की है। इससे पहले पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की बुरी तरह से भड़क उठे थे और उन्होंने कहा था कि भारतीय प्रधानमंत्री खूनी हत्यारे के गले लग रहे हैं। रूस ने इस यात्रा से ठीक पहले यूक्रेन के बच्चों के हॉस्पिटल पर बड़ा हमला किया था जिसमें कई बच्चे मारे गए थे। पीएम मोदी की इस यात्रा का बदला लेने के लिए यूक्रेनी हैकरों ने InformNapalm की मदद से भारत और रूस के बीच हथियारों की डील को सार्वजनिक कर दिया। इसमें एस 400 सौदे की हर डिटेल भी शामिल है। इसमें भारत ने कितनी मिसाइलें खरीदीं और क्या-क्या उपकरण खरीदे गए, सबकुछ सार्वजनिक कर दिया गया है। भारत ने साल 2018 में एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता किया था। इसे भारत और रूस के बीच रक्षा संबंधों की दिशा में बड़ा कदम करार दिया गया था। यह पूरा सौदा 5 अरब डॉलर का है। अभी भारत को 3 एस 400 डिफेंस सिस्टम मिल गए हैं और यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस को बाकी बचे दो और एस 400 को देने में बाधा आ रही है। रूस अब इसे अगले साल तक देने की बात कह रहा है।

नेपाल के सौर्य एयरलाइन का प्लेन 21 साल था पुराना, 18 कर्मचारियों की मौत, काठमांडू में विमान हादसे की पूरी कहानी

नेपाल की राजधानी काठमांडू में हादसे का शिकार हुए विमान में एक ही कंपनी के कर्मचारी सवाल थे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के दौरान ये हादसा हुआ और विमान में आग लग गई। धू धू जलते विमान की आग को फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद काबू किया।

काठमांडूः नेपाल में बुधवार को उस समय एक विमान हादसे का शिकार हो गया, जब उड़ान भरते ही उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद विमान जमीन पर गिरा और धू-धू कर जल उठा। नेपाल पुलिस ने बताया है कि ये विमान सौर्य एयरलाइन का था और इसमें इसी एयरलाइन के कुल 19 लोग सवार थे। हादसे के बाद 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 18 शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। सिर्फ प्लेन के कैप्टन को घटनास्थल से जिंदा निकाला गया है। कैप्टन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे का शिकार हुए विमान के बारे में सामने आया है कि ये 21 साल पुराना था। नेपाल ने इसे कनाडा से खरीदा था। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, सौर्य एयरलाइंस का ये विमान बुधवार सुबह नेपाल की राजधानी काठमांडू में त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट (टीआईए) पर 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जब विमान में भीषण आग लग गई। बताया गया है कि उड़ान भरने के दौरान विमान रनवे पर फिसला था, जो आग लगने और हादसे की वजह बना। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई और धुएं का गुबार आसमान में छा गया। ये प्लेन काठमांडू से पोखरा के लिए प्रस्थान कर रहा था। विमान ने ये उड़ान टेस्ट के लिए भरी थी। परीक्षण उड़ान होने की वजह से इसमें कोई नियमित यात्री नहीं था बल्कि कंपनी के ही 19 कर्मचारी बैठे थे। एयरलाइन अपने कर्मचारियों और इंजीनियरों सहित 19 लोगों को विमान से पोखरा ले जा रही थी। दुर्घटना के बाद विमान में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों की एक टीम तैनात की गई। दमकलकर्मियों और पुलिस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की। रानीपोखरी में काठमांडू घाटी पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दिनेश राज मैनाली ने कहा है कि 37 वर्षीय कैप्टन मनीष शाक्य को केएमसी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि शाक्य की आंख में चोट लगी है। उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हुआ विमान 21 साल पुराना है। ये विमान बॉम्बार्डियर सीआरजे-200 है, जिसमें 50 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। अप्रैल 2003 में कनाडाई कंपनी बॉम्बार्डियर से नेपाल के लिए खरीदा गया ये छठा विमान था।

ओह माय वाइफ! सीरीज में पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं लोकेश बट्टा

अभिनेता लोकेश बट्टा ने अपने करियर में पहली बार वॉचो एक्सक्लूसिव वेब सीरीज ओह माई वाइफ! में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई। हाल ही में वॉचो पर लॉन्च हुए इस शो में वे रणबीर के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी हैं और एक हाई प्रोफ़ाइल हत्या मामले की जांच कर रहे हैं। अभिनेता ने इस सीरीज के लिए अपनी हामी भरने के पीछे के कारणों और इस किरदार के लिए अपनी तैयारी और लोगों से मिली प्रतिक्रिया का खुलासा करते हुए कई ख़ास बातें बताईं। ओह माई वाइफ के लिए हाँ कहने और इसकी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए अभिनेता लोकेश बत्ता ने कहा, इस सीरीज की कहानी अपने आप में बहुत प्रभावशाली थी और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मेरा किरदार इतनी खूबसूरती से लिखा गया था कि मुझे लगा जैसे यह मेरे लिए ही बना है। इसके अलावा, जिस तरह से निर्देशक शौर्य सिंह ने इसे मेरे सामने पेश किया, मैं इसके लिए हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाया। मेरा किरदार एक साहसी, मजबूत और गंभीर रूप से सोचने वाला व्यक्ति है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक बहुत सक्रिय श्रोता है और यह खूबियां एक पुलिस वाले के लिए बहुत जरूरी है। इन सभी गुणों ने मुझे चरित्र की ओर आकर्षित किया और हमने केवल एक या दो शॉट में सब कुछ बड़ी तेज़ी से शूट किया।

वर्ष 2024 की पहली ब्लॉकबस्टर होगी फाइटर

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर का टीजर कुछ दिन पहले ही आया था। फिल्म की प्रोडक्शन वैल्यू, शानदार विजुअल्स और एक्शन का जो हिंट टीजर में मिला था, उसने जनता को फिल्म देखने के लिए बहुत एक्साइटेड कर दिया था। फिल्म के तीन गाने भी आ चुके हैं और इन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। मगर मेकर्स ने फाइटर के प्रमोशन का सबसे दमदार हथियार, फिल्म का ट्रेलर रिलीज से कुछ दिन पहले के लिए बचा कर रखा था। अब फाइनली फिल्म का ट्रेलर आ गया है और इसे देखने के बाद जनता यही चाहेगी कि फाइटर जल्दी से थिएटर्स में पहुंचे।

2019 में वॉर और पिछले साल पठान जैसी तूफानी एक्शन एंटरटेनर डिलीवर करने के बाद, डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद फाइटर लेकर आ रहे हैं। ये पहली बार है जब बॉलीवुड फिल्म में एरियल एक्शन ट्राई किया जा रहा है। फाइटर के विजुअल्स बता रहे हैं कि सिद्धार्थ ने एक बार फिर से अपनी फिल्म में एक्शन को एक नए लेवल पर पहुंचा दिया है।

फाइटर का ट्रेलर बताता है कि इंडियन एयरफोर्स ने देश की सुरक्षा पर खतरा होने की सूरत में, तुरंत जवाब देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम बनाई है। शमशेर पठानिया उर्फ़ पैटी (ऋतिक रोशन) और मीनल राठौर यानी मिनी दीपिका पादुकोण, इसी टीम का हिस्सा हैं।

इस टीम को लीड कर रहे ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह यानी रॉकी का ऑर्डर है कि सब लोग आपसी बॉन्डिंग टाइट रखें क्योंकि मुश्किल दौर में यही काम आएगा। लेकिन पैटी का कॉन्फिडेंस उसे बाकियों के बीच एरोगेंट का टैग दिलाता है। देश पर पुलवामा हमले के बाद इस टीम को में आतंकियों पर अटैक करने का टास्क मिला है।

इस टास्क के अलावा पैटी और मिनी की लव स्टोरी भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म में भारी एक्शन के साथ सॉलिड डायलॉगबाजी भी है और हमले के जवाब में जब एक पॉलिटिशियन टाइप किरदार कहता है कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत बताएगा बाप कौन है... तो ट्रेलर रोंगटे खड़े कर देता है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण इंडिया के दो सबसे गुड लुकिंग एक्टर्स हैं। ऑडियंस हमेशा से इन दोनों को एकसाथ एक फिल्म में देखना चाहती थी। फाइटर के सॉलिड एक्शन के बीच, पायलट के रोल में इन दोनों को देखना तो एक कमाल का एक्सपीरियंस है ही, साथ ही फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट में भी बड़े-बड़े नाम हैं। वेटरन एक्टर अनिल कपूर जहां ग्रुप कैप्टन रॉकी सिंह के रोल में हैं, वहीं उनके साथ करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय और संजीदा शेख जैसे कलाकार हैं।

फाइटर का ट्रेलर बता रहा है कि ये बड़े पर्दे पर धमाका करने वाली तगड़ी फिल्म है। इसके विजुअल्स बहुत दमदार लग रहे हैं और ऋतिक-दीपिका की केमिस्ट्री भी सॉलिड नजर आ रही है। फाइटर जेट्स के एक्शन और कहानी के इमोशन इस गणतंत्र दिवस पर जनता को देशभक्ति के मूड में पूरी तरह डुबोने का काम करेंगे। फाइटर 25 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। ट्रेलर के बाद मेकर्स अब फिल्म की एडवांस बुकिंग भी जल्द ही शुरू करने वाले हैं।

मजबूरी में एक्टर बने विजय सेतुपति, अब फीस 15 करोड़

विजय सेतुपति आज 46 साल के हो गए हैं। इन्हें आपने शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'जवान' में विलेन काली गायकवाड़ के रोल में देखा होगा। 12 जनवरी, 2024 को इनकी एक और फिल्म 'मैरी क्रिसमस' रिलीज हुई है। इसमें वो कटरीना कैफ के अपोजिट नजर आए हैं। इन दो हिंदी फिल्मों के अलावा विजय ने साउथ की कई बड़ी फिल्मों में काम किया है; जैसे विक्रम वेधा, सुपर डीलक्स आदि। वो तमिल सिनेमा के चर्चित सुपरस्टार्स में से एक हैं। उन्होंने अपने 10 साल लंबे करियर में तकरीबन 50 फिल्मों में काम किया है, लेकिन विजय के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में उन्होंने कैशियर, सेल्समैन, फोन बूथ ऑपरेटर जैसी छोटी-मोटी नौकरियां कीं। ज्यादा सैलरी के लालच में इंडिया छोड़कर दुबई तक चले गए, लेकिन बात नहीं बनी। एक्टिंग से उनका कोई वास्ता नहीं था, लेकिन साउथ के फेमस डायरेक्टर की एक बार उन पर नजर पड़ी। उन्हें विजय का चेहरा काफी फोटोजेनिक लगा। इस डायरेक्टर ने उन्हें फिल्मों में काम करने की सलाह दी। विजय ने ये सलाह मानकर फिल्मों में किस्मत आजमाई और नतीजा सबके सामने है। वो अब तक अपने फिल्मी करियर में एक नेशनल अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। विजय ने एक्टिंग की कोई ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन टीवी सीरियल और फिल्मों में काम करते हुए ही वो इसकी बारीकियों पर ध्यान देने लग गए। एक इंटरव्यू में विजय ने कहा था, उस दौरान मैंने सिनेमा के बारे में सीखना शुरू कर दिया था, स्क्रिप्ट क्या होती है, डायलॉग डिलीवरी क्या होती है। ये सब मुझे काम करने के दौरान ही समझ में आया। मैंने असिस्टेंट डायरेक्टर्स को अपना दोस्त बना लिया और उनके साथ फिल्म देखने जाता था। वो कहते थे-ये बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है। ये सीन अच्छे से शूट नहीं किया, ये सीन अच्छा है आदि। इससे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

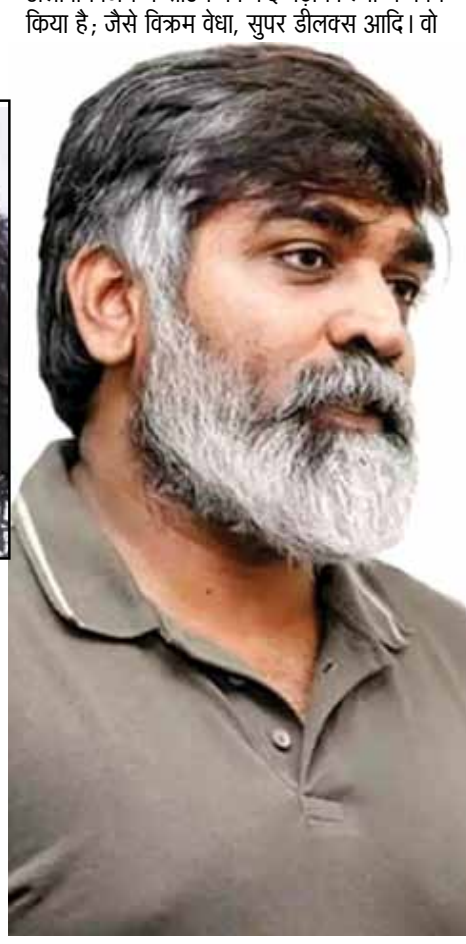

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की फिल्म क्रैक 23 फरवरी को रिलीज होगी

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की अपकमिंग फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' का पहला गाना 'दिल झूम' रिलीज कर दिया गया। गाने में विद्युत और नोरा की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है। बता दें विद्युत जामवाल फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' में नोरा फतेही के साथ पहली बार नजर आएंगे। फिल्म का पहला गाना रिलीज होने के बाद से उनके फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें 'क्रैक' एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म होगी। 'दिल झूम' गाने में विद्युत जामवाल और नोरा के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री दिखाई गई है। बता दें दोनों पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। उनके फैंस को ये जोड़ी खूब पसंद आ रही है। गाने की शुरुआत कुछ ऐसे होती है कि विद्युत कार के सामने खड़े रहते हैं, सामने से नोरा हाथ में कॉफी लेकर आती दिखाई देती हैं। पूरे गाने में दोनों अपने स्पेशल मोमेंट्स को एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। टीजर में नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी नजर आ रहे हैं। एमी जैक्सन की हाथ में गन लिए कमाल की झलक दिखाई दी है। वहीं अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी शानदार अंदाज में नजर आए हैं। एक बार फिर कमांडो-3 के डायरेक्टर आदित्य दत्त और एक्टर विद्युत जामवाल साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में जाहिर सी बात है कि फिल्म में एक्शन, रोमांच, थ्रिल की कोई कमी नहीं होगी। इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी विद्युत जामवाल हैं। फिल्म 23 फरवरी को विद्युत के प्रोडक्शन हाउस एक्शन हीरो फिल्म्स तले सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म जिगरा में नजर आ सकते हैं वेदांग रैना

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में वेदांग रैना नजर आ सकते हैं। फिल्म में उन्हें आलिया के भाई के रोल में देखा जा सकता है। हालांकि, मेकर्स या वेदांग की तरफ में इस खबर को सही करार नहीं किया गया है। वेदांग रैना का कहना है कि उन्हें खुशी होगी, अगर वो इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे। मगर, उन्हें भी इससे जुड़ी जानकारी नहीं है। वेदांग को हाल ही में फिल्म आर्चीज में देखा गया था। इस डेब्यू फिल्म की शूटिंग के पहले दिन वो बहुत नर्वस थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक हालिया इंटरव्यू में किया है। वेदांग ने बताया कि वो कभी एक्टर नहीं बनना चाहते थे। वो म्यूजिक फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। 17 या 18 साल की उम्र में उन्होंने अपना पोर्टफोलियो एक एजेंसी को भेजा और वहीं से ऑडिशन देने का सिलसिला शुरू हुआ। फिल्म जिगरा में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा- हर कोई मुझसे यह पूछता रहता है, लेकिन मुझे भी इस बारे में कुछ नहीं पता है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात है। अफवाहें हमेशा उड़ती रहेंगी, लेकिन आलिया भट्ट के भाई का किरदार निभाना एक बहुत ही दिलचस्प मौका है। बता दें, फिल्म जिगरा में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। फिल्म 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। वेदांग ने फिल्म आर्चीज में पहली बार खुशी कपूर के साथ काम किया था। उन्होंने खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि पहला दिन तनाव में बीतेगा। वो इस बात को लेकर परेशान थे कि खुशी के उनकी दोस्ती हो पाएगी या नहीं। मगर, कुछ समय में दोनों बहुत दोस्त बन गए। खुशी के साथ उनका यह सफर अच्छा रहा।

इंडियन पुलिस फॉर्स के लिए शिल्पा ने बढ़ाया वजन

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी इंडियन पुलिस फॉर्स के साथ अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की वे पहली फीमेल कॉप हैं। अमेज़न प्राइम वीडियो पर 19 जनवरी को रिलीज़ की जाएगी। इस सीरीज़ में शिल्पा, सशक्त महिला पुलिसकर्मी तारा शेट्टी की भूमिका निभाएंगी। हेल्थ और फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध अभिनेत्री ने गुस्सैल महिला पुलिसकर्मी की भूमिका के लिए अपनी तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अनुशासन और निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए, शिल्पा ने कहा, आपको अनुशासन और निरंतरता की आवश्यकता है। मेरी दिनचर्या और जीवनशैली काफी संतुलित है। मैं अपना रात का खाना शाम 7 बजे तक खा लेती हूं और 14 घंटे का उपवास रखती हूं। मैं आमतौर पर उच्च प्रोटीन लॉ कार्ब डायट का पालन करती हूं लेकिन जब आप काम कर रहे होते हैं, तो आपको भूमिका और उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप ढलने की आवश्यकता होती है। रोहित चाहते थे कि मैं अपने पैरो के वज़न क्योंकि वह एक सख्त अधिकारी चाहते थे। इसलिए चरित्र में ढलने के लिए, मैंने अपना डायट बदल दिया और अतिरिक्त वजन बढ़ाये।

रकुल प्रीत सिंह ने किया खुलासा कैसे पड़ीं जैकी भगनानी के प्यार में

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कुछ दिनों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री इस साल फरवरी में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी से शादी कर लेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। इस जोड़े को पिछले हफ्ते मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ पर पूजा करते हुए भी देखा गया था। रकुल के लिए हाल ही में एक और बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उन्होंने बॉलीवुड में एक दशक पूरा कर लिया है। इसी कड़ी में रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे करने और लव लाइफ पर खुलकर बात की है। रकुल प्रीत सिंह ने बॉलीवुड में 10 साल पूरे करने पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा, मैं आज जहां हूं उससे बहुत संतुष्ट हूं। इंडस्ट्री से कि चीजों को कैसे करना है, लेकिन फिर मैं आभारी हूं कि चीजें मेरे लिए काम कर गईं। रकुल प्रीत सिंह ने अपने होने वाले पति जैकी भगनानी के बारे में भी बात की। उन्होंने साझा किया कि कैसे उनकी भावनात्मक अनुकूलता उन्हें पेशेवर रूप से भी मदद करती है। रकुल ने बताया, मैं काफी लंबे समय से सिंगल थी, लेकिन पार्टनर का होना एक बहुत ही स्वाभाविक प्रक्रिया है। दुर्भाग्य से, यदि आप फिल्मी जगत का हिस्सा हैं तो बहुत सारी अटकलें हैं। लेकिन हम सभी मनुष्य हैं जो भावनात्मक अनुकूलता और निर्भरता चाहते हैं। हालांकि, मैं एक बहुत ही स्वतंत्र लड़की हूं, फिर भी ऐसे दिन आते हैं जब मैं अपनी छुट्टी के दिनों में सिर्फ जैकी से बातें करना चाहती हूं। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में आधिकारिक बना दिया। रकुल प्रीत सिंह ने आगे जोड़ा, लेकिन वह मेरे प्रोफेशनल स्पेस को समझते हैं क्योंकि वह उसी इंडस्ट्री से हैं और इससे एक महिला के तौर पर मैं उनके साथ काफी सुरक्षित महसूस करती हूं। भावनात्मक संतुलन बनाए रखने से मैं पेशेवर तौर पर जो भी करती हूं, उस पर असर पड़ता है। हालांकि उन्होंने अपनी शादी की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रकुल ने इस बारे में विस्तार से बात की कि वह जैकी के साथ कार्य-जीवन संतुलन कैसे बनाए रखना पसंद करती हैं।

24 घंटे के भीतर श्रीलंका को लगा दूसरा झटका, टी20 सीरीज से बाहर हए नुवान तुषारा

भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के शुरू होने से ठीक पहले मेजबान श्रीलंका को दोहरा झटका लहा है। श्रीलंका क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी नुवान तुषारा चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं।

कोलंबो: भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज नुवान तुषार चोटिल होकर पूरे सीरीज के बाहर हो चुके हैं। तुषारा को प्रैक्टिस के दौरान उंगली में चोट लगी है और स्कैन में पता चला की उनकी हड्डी टूटी है। ऐसे में वह अब एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह अभी किसी भी रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि दिलशान मधुशंका को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। नुवान तुषारा से पहले दुष्मंथा चमीरा भी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो चुके हैं। चमीरा को चोटिल हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि नुवान तुषारा के रूप में श्रीलंका को दूसरा बड़ा झटका लगा गया। ऐसे में भारत के खिलाफ श्रीलंकाई टीम अपने ही घर में मुश्किल में पड़ चुकी है।

टी20 विश्व कप में भी तुषारा ने किया कमाल बता दें कि नुवान तुषार ने फरवरी 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह श्रीलंका के लिए 11 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें 19 विकेट उनके नाम हैं। पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में भी नुवान ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया था। नुवान ने तीन मैचों में श्रीलंका के लिए आठ विकेट अपने नाम किए थे। देश से धोखा नहीं... फिक्सिंग के आरोप से टूट गए थे शमी, 19वीं मंजील लगाने वाले थे छलांग ! विश्व कप के बाद फुल स्ट्रेंथ में टी20 सीरीज खेलेगी टीम इंडिया आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम फुल स्ट्रेंथ के साथ मैदान पर उतरने जा रही है। टीम इंडिया को नया कप्तान और कोच मिल चुका है। सूर्यकुमार टीम की अगुवाई कर रहे हैं जबकि गौतम गंभीर कोच हैं। टी20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था, लेकिन उसमें सभी नए चेहरे शामिल थे। ऐसे में अब श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया की नई शुरुआत होने जा रही है।

ये 5 भारतीय गेंदबाज जो श्रीलंका के लिए टी20 में बने हैं काल, एक तो इस सीरीज में भी हैं

भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होने वाली है। इस सीरीज से टीम इंडिया टी20 क्रिकेट में नई शुरुआत करने जा रही है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के रिटायरमेंट के बाद टीम को नए कप्तान और कोच मिल चुके हैं। ये 5 भारतीय गेंदबाज जो श्रीलंका के लिए टी20 में बने हैं काल, एक तो इस सीरीज में भी हैं

भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत 27 जुलाई से हो रही है। नए कप्तान और कोच के नेतृत्व में भारतीय टीम धमाल मचाने के लिए तैयार है। ऐसे में आइए जानते हैं श्रीलंका के खिलाफ टी20 में उन पांच गेंदबाजों के बारे में जिन्होंने तबाही मचाई है।

युजवेंद्र चहल की उंगलियों पर नाचें हैं श्रीलंकाई टी20 क्रिकेट में श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में टॉप पर युजवेंद्र चहल का नाम का आता है। चहल ने श्रीलंका के खिलाफ 13 मैचों में 23 विकेट अपने नाम किए हैं। श्रीलंका के खिलाफ उनका बेस्ट बॉलिंग फिगर 23 रन देकर 4 विकेट लेने की है। वहीं उन्होंने दो बार 4-4 विकेट भी झटके हैं। श्रीलंका के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में रविचंद्रन अश्विन ने भी खूब कहर बरपाया है। अश्विन को श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ 7 टी20 में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने कुल 14 विकेट अपने नाम किए। इस टीम के खिलाफ उनका बेस्ट बॉलिंग फिगर 8 रन देकर 4 विकेट लेने का है। टी20 क्रिकेट में श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कुलदीप यादव तीसरे स्थान पर हैं। कुलदीप ने इस टीम के खिलाफ 9 मैचों में 12 विकेट अपने नाम किए हैं।

हार्दिक पंड्या ने भी मचाया है धमाल भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 क्रिकेट में खूब धमाल मचाया है। इस टीम के खिलाफ हार्दिक ने 12 मैचों 11 विकेट अपने नाम किए हैं। हार्दिक 27 जुलाई से शुरू हो रहे टी20 सीरीज में भी खेलेंगे। ऐसे में वह कुलदीप यादव से आगे निकल सकते हैं। पांचवें स्थान पर हैं शार्दुल ठाकुर

श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैचों में शार्दुल ठाकुर ने भी गेंदबाजी में खूब तबाही मचाई है। भारत का ये स्टार खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ 5 मैच में 9 विकेट अपने नाम किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले ऑलराउंडर ललित यादव ने इंगेजमेंट कर लिया है। उनकी होने वाली दुल्हनियां का नाम मुस्कान यादव है। ललित ने बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में अपनी होने वाली जीवन साथी को को रिंग पहनाया। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ललित यादव इंगेजमेंट के लिए अपनी मंगेतर मुस्कान के साथ फिल्मी स्टाइल में ग्रैंड एंट्री की। इस दोनों एक दूसरे को सिर्फ निहारते रह गए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ललित यादव इंगेजमेंट के बाद जल्द ही शादी के बंधन में भी बंधेंगे। अपनी मंगेतर के साथ इंगेजमेंट के बाद ललित बहुत ही खुश दिख रहे थे।

मैच से पहले ड्रोन स्कैंडल में फंसी कनाडा फुटबॉल टीम, सपोर्ट स्टाफ पर लगा जासूसी का आरोप

नई दिल्ली: पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा लेने गई कनाडा महिला फुटबॉल टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के असिस्टेंट कोच और एर एनालिसिस्ट को जासूसी के आरोप में ओलंपिक से घर भेज दिया गया है। मुख्य कोच बेव प्रिस्टमैन ने यह भी घोषणा की कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ कनाडा के गोल्ड मेडल के बचाव के शुरुआती मैच में हिस्सा नहीं लेंगी। यह फैसला उस समय आया जब एक स्टाफ सदस्य को इस हफ्ते सेंट-एटियेन में न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग सेशन पर ड्रोन उड़ाने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। कनाडाई ओलिंपिक समिति (सीओसी) ने कहा कि उसे तब से न्यूजीलैंड से जुड़ी एक दूसरी घटना के बारे में पता चला है, जिसने आईओसी की ईमानदारी इकाई के पास औपचारिक शिकायत दर्ज की और कनाडा से जवाब मांगा। Paris Olympics: रोहन बोपन्ना और श्रीराम बालाजी से है मेडल की आस, सुमित नागल के लिए सिंगल्स में होगी कड़ी चुनौती कनाडा की फुटबॉल टीम को देनी पड़ेगी सफाई इस पूरे मामले पर सीओसी ने कहा, 'सीओसी आईओसी और फीफा के संपर्क में है। कनाडा सॉकर पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहयोग रहा है। सीओसी इस मामले की समीक्षा जारी रखेगा और यदि आवश्यक हो तो आगे की कार्रवाई कर सकता है।' बता दें कि कनाडा फुटबॉल टीम के जिन सपोर्ट स्टाफ को भेजा गया उनका नाम जोसेफ लोम्बार्डी, कनाडा सॉकर के एक गैर-मान्यता प्राप्त एनालिसिस्ट और जैस्मीन मंदर और एक सहायक कोच है। वहीं टीम के मुख्य कोच प्रिस्टमैन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच के लिए बेंच पर रहना उचित होगा। पाकिस्तानी क्रिकेटर की बेशर्मी तो देखिए, गौतम गंभीर के लिए कर है बकवास कनाडा के मुख्य कोच ने, 'अपनी पूरी टीम की ओर से मैं सबसे पहले न्यूजीलैंड फुटबॉल के खिलाड़ियों और स्टाफ और टीम कनाडा के खिलाड़ियों से माफी मांगना चाहता हूं। यह हमारे टीम के मूल्यों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।' Paris Olympics 2024: फुटबॉल से हुआ पेरिस ओलिंपिक का आगाज, एक्शन में दिखीं अर्जेंटीना और स्पेन उन्होंने कहा, 'मैं अंततः हमारे कार्यक्रम में आचरण के लिए जिम्मेदार हूं। ऐसे में हमारी टीम की ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देने के लिए, मैंने स्वेच्छा से गुरुवार के मैच को कोचिंग देने से हटने का फैसला किया है।'

रोहन बोपन्ना और श्रीराम बालाजी से है मेडल की आस, सुमित नागल के लिए सिंगल्स में होगी कड़ी चुनौती

पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय टेनिस टीम अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। टेनिस में भारत की तरफ तीन मेंस खिलाड़ी अपना दावा पेश करेंगे जिसमें रोहन बोपन्ना और श्रीराम बालाजी की जोड़ी से सबसे ज्यादा उम्मीद है। इसके अलावा सिंगल्स में सुमित नागल मेडल के लिए लड़ेंगे।

नई दिल्ली: पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय टेनिस टीम मेडल जीतने के प्रबल दावेदार में से एक है। खास तौर से मेंस डबल्स में भारत के लिए उम्मीद बहुत अधिक है। मेंस डबल्स में अनुभवी रोहन बोपन्ना और श्रीराम बालाजी की चुनौती है। वहीं सिंगल्स में सुमित नागल अपना दम दिखाएंगे। सुमित ने हाल फिलहाल में इंटरनेशनल सर्किट में दमदार खेल दिखाया है। ऐसे में भारत के पूर्व टेनिस प्लेयर जीशान अली ने नवभारत टाइम्स से खात बातचीत में बताया कि कैसे भारत टेनिस में मेडल जीत सकता है। उन्होंने कहा, 'पेरिस ओलिंपिक में अगर हमें टेनिस में मेडल मिलने की उम्मीद है तो वह डबल्स में ही है। मैं यह नहीं कह रहा कि सुमित नागल अच्छा नहीं कर सकते। मगर, आप पेरिस ओलिंपिक में टेनिस में उतरने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट देखें तो उसमें लगभग सारे टॉप प्लेयर शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के रहते चुनौती बहुत मुश्किल होने वाली है। सुमित को अगर अच्छा ड्रॉ मिल जाता है और वह दो या तीन राउंड तक पहुंच जाते हैं तो इसको अच्छा प्रदर्शन कहा जाएगा।' डबल्स टीम से है मेडल की सबस ज्यादा उम्मीद जीशान अली ने कहा, 'मेडल की बात करें तो वह हमारी डबल्स टीम ही दिला सकती है। रोहन बोपन्ना का यह साल बहुत अच्छा रहा है। वह ग्रैंडस्लैम भी जीत चुके हैं और वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग्स भी हासिल कर चुके हैं। यह भी नहीं भूलना होगा कि श्रीराम बालाजी ने भी इस साल बहुत अच्छा किया है। पिछले छह महीनों के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और फ्रेंच ओपन में डबल्स में अच्छा परफॉर्म किया है। दोनों भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का बेस्ट टेनिस खेल रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'डबल्स मुकाबला काफी ओपन है। इसमें किसी भी दिन कोई भी जोड़ी सामने वाली जोड़ी को शिकस्त दे सकती है। हमें देखना होगा कि कितने टॉप सिंगल्स प्लेयर डबल्स में भी उतर रहे हैं। बोपन्ना ने अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब मिक्स्ड डबल्स में फ्रेंच ओपन में ही क्ले कोर्ट पर जीता था। इस साल भी वह फ्रेंच ओपन मेंस डबल्स में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। बालाजी ने भी इस साल फ्रेंच ओपन डबल्स में तीसरे राउंड तक का सफर तय किया था। इन दोनों के पास इस कोर्ट पर खेलने का पर्याप्त अनुभव है। दोनों से हम बेहतर परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं।'

एथलेटिक्स में पिछली बार से बेहतर करेंगे, हमारे एथलीट अपना बेस्ट दें तो कुछ भी संभव

भारत ने एथलेटिक्स में तोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। 1900 के बाद पहली बार भारत को एथलेटिक्स इवेंट में ओलिंपिक मेडल मिला। ओलिंपिक में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में हम निश्चित तौर पर पिछली बार से बेहतर करेंगे। जब मैं पहले से बेहतर करने की बात कहता हूं तो मेडल की बात नहीं करता। मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं। मैं एथलिटक्स में प्रगति की बात करता हूं। जैसे आप देखें एथलेटिक्स में एशियन गेम्स में 13 से 20 से 29 मेडल तक पहुंचे हम। कॉमनवेल्थ गेम्स में हमने तीन, तीन मेडल जीतने के बाद आठ तक पहुंचे। हमें यह देखना चाहिए कि एथलेटिक्स में हमारे कितने खिलाड़ी फाइनल में आए, कितने टॉप-6 में आए या टॉप-5 में आए। प्रगति की यही प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया सही रही तभी हम मेडल तक पहुंच सकते हैं। एथलेटिक्स में कुछ भी कहना मुश्किल होता है। उदाहरण के तौर पर देखिए कि जैवलिन थ्रो में दुनिया में ऐसे चार एथलीट हैं जिन्होंने 90 मीटर से ऊपर थ्रो किया है। मगर हर बार जब मुकाबला हुआ तो नीरज 88-89 मीटर की थ्रो में ही गोल्ड जीत गए। ऐसे ही देखिए वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्टीपलचेज का गोल्ड मेडल 8 मिनट 25 सेकंड में ही मिल गया। इतने में तो अविनाश साबले नींद में भी दौड़ सकते हैं। मगर वह वहां पीछे छूट गए।

तैयारी में कोई कमी नहीं आज हमारे एथलीट्स की बेस्ट ट्रेनिंग हो रही है। हमारे पास ऐसे कोच हैं जो खुद वर्ल्ड चैंपियन या ओलिंपिक मेडलिस्ट हैं। नीरज को लगातार बाहर ट्रेनिंग की सुविधा मिली है। इसका फायदा हमें मिला है। हमारा अब तक का सफर काफी अच्छा रहा है। हमारे खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया है। जैसे लॉन्ग जंपर जेस्विन का बेस्ट आठ मीटर 42 सेंटीमीटर है। अगर यह प्रदर्शन दोहरा दें तो कुछ भी संभव है। साबले अब आठ मिनट 10 सेकंड से कम में दौड़ चुके हैं। हमारी रिले टीम में चार ऐथलीट 45 सेकंड वाले हैं। वह टॉप-5 में आने की क्षमता रखते हैं। नीरज की चर्चा हो रही है। मैं उनके बारे में कह सकता हूं कि उनके जैसा कॉन्सिस्टेंट परफॉर्मर मैंने नहीं देखा। उनकी सबसे बड़ी खासियत है कि वह वर्तमान में रहते हैं। आज और अभी के बारे में सोचते हैं। ऐसा फोकस कम ही खिलाड़ियों में है। उनकी तकनीक भी दुनिया में बेस्ट है। उनकी यही खासियतें उन्हें हर बार विजेता बनाती हैं।

अपना रेकॉर्ड बेहतर करें हमारा मकसद रहता है कि ज्यादा एथलीट्स ओलिंपिक में जाएं। हमारी बेंच स्ट्रेंथ बढ़े। हम सिर्फ यही चाहते हैं कि हमारे ऐथलीट अपना बेस्ट दें। अपना ही रेकॉर्ड तोड़ें, एशियन रेकॉर्ड बनाएं। हम कभी अपने एथलीट्स से नहीं कहते कि हमें मेडल चाहिए। हमारा सिर्फ इतना कहना होता है कि आपका अब तक का जो बेस्ट है, उससे बेहतर करें। अगर इस परफॉर्मेंस से आपको मेडल आता है तो उससे बेहतर क्या हो सकता है। अगर इसके बावजूद आपको मेडल नहीं आता तो आपको खुश होना चाहिए कि आपने अपने करियर का बेस्ट दिया है। मेरी यही सोच है कि आपकी प्रक्रिया ठीक है तो प्रगति होगी। इससे मेडल भी मिलेंगे। अगर सिर्फ मेडल के बारे में सोचते रहेंगे तो आपके अपने प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। एथलीट्स को सिर्फ यही सोचना है कि आप अपने बेस्ट को और बेहतर करें।

क्या होता है ओलिंपिक ऑर्डर, जो भारत के 'गोल्डन बॉय' अभिनव बिंद्रा को मिला, पीएम मोदी भी गदगद

निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को 'ओलिंपिक आर्डर' पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा आईओसी ने की है। उनकी इस उपलब्धि पर देश गौरवान्वित है। इस खास मौके पर देश के पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें बधाई दी है।

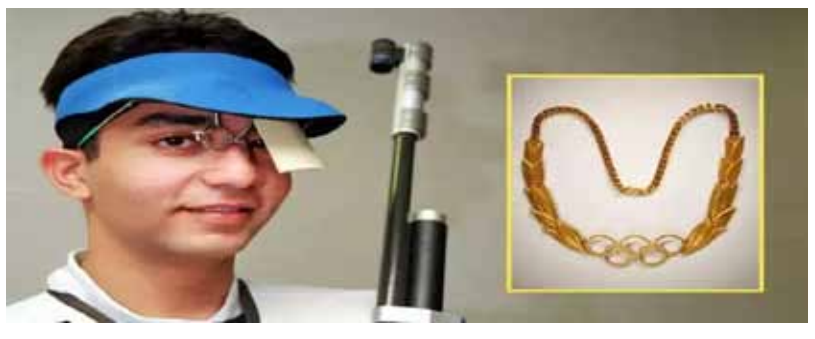

नई दिल्ली: एक ओर जहां पेरिस ओलिंपिक के ऑफिशली आगाज से पहले गेम्स शुरू हो चुके हैं तो दूसरी ओ भारत के हर नागरिक के लिए एक गर्व की बात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने 'ओलिंपिक मूवमेंट' में अभिनव बिंद्रा के उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया है। पुरस्कार समारोह ओलिंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा।

गोल्डन बॉय के यह अवॉर्ड मिलने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें 'ओलिंपिक ऑर्डर' से सम्मानित जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अभिनव को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्हें बधाई। चाहे एथलीट के रूप में हो या आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक संरक्षक के रूप में उन्होंने खेलों व ओलिंपिक मूवमेंट में उल्लेखनीय योगदान दिया है।' दूसरी ओर, गृह मंत्री ने लिखा- ओलिंपिक आर्डर पुरस्कार से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई। अनुकरणीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी, अभिनव बिंद्रा अपने ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन से एथलीटों को प्रेरित करते रहते हैं। मेरी सारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। बता दें कि बीजिंग ओलिंपिक में अभिनव ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल टूर्नामेंट का गोल्ड मेडल जीता था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं 0535 एवं 1272 खलकुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670